Follow us on: @TheDailyPioneer facebook.com/dailypioneer instagram.com/dailypioneer/

RNI NO.UPHIN/2010/36547
वर्ष 15 अंक 71
लखनऊ, रविवार, 29 दिसम्बर 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
लखनऊ, नगर संस्करण

Established 1865

पायनियर

लखनऊ, नई दिल्ली और रायपुर से प्रकाशित

www.dailypioneer.com

आभ्यन्तर

राष्ट्रीय-10

सिंधिया का लक्ष्य 2029 तक डाक विभाग को लाभप्रद बनाना

मनमोहन सिंह के बाद शब्दों का संग्राम

अंत्येष्टि से पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का पार्थिव शरीर कांग्रेस मुख्यालय ले जाया गया जिससे कि पार्टी नेता और कार्यकर्ता उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित कर सकें। *पीटीआई*

दीपक कुमार झा। नई दिल्ली

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के स्मारक को लेकर भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली केंद्र और कांग्रेस के नेतृत्व वाली विपक्षी पार्टियों के बीच राजनीतिक विवाद छिड़ गया है। शनिवार को देश-विदेश के शीर्ष गणमान्य लोगों की मौजूदगी में उनका पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। गृह मंत्रालय ने दिवंगत प्रधानमंत्री के परिवार को उचित समय पर स्मारक बनाने का आश्वासन दिया, वहीं कांग्रेस, समाजवादी पार्टी (सपा) और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने मांग की कि अंतिम संस्कार किसी निर्धारित स्थान पर किया जाना चाहिए था, जहां मनमोहन सिंह का स्मारक बनाया जा सकता था। 92 वर्षीय सिंह का 26 दिसंबर की रात को निधन हो गया।

इस बीच, भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कांग्रेस और गांधी परिवार पर हमला करते हुए कहा कि जब पूरा देश डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर शोक मना रहा है, तब वे तुच्छ राजनीति कर रहे हैं। नड्डा ने एक बयान में कहा, 'कांग्रेस पार्टी इस दुख की घड़ी को अपने राजनीतिक एजेंडे को पूरा करने के अवसर में बदलने में व्यस्त है। गांधी परिवार ने देश के किसी भी नेता को न तो सम्मान दिया और न ही न्याय दिया, चाहे वे कांग्रेस पार्टी के ही क्यों न हों। सिद्धांतहीन कांग्रेस पार्टी के ऐतिहासिक पापों को देश कभी नहीं भूलेगा और न ही माफ करेगा।' इसी के साथ पूर्व राष्ट्रपति दिवंगत प्रणब मुखर्जी की बेटी शर्मिष्ठा ने भी कांग्रेस की आलोचना की, जो मुखर्जी के अधिकारों का सम्मान करने में विफल रही, जिन्होंने अपना पूरा जीवन कांग्रेस की सेवा में बिताया।

कांग्रेस ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) देश के पहले सिख प्रधानमंत्री के अंतिम संस्कार और स्मारक के लिए जगह तय न करके उनका 'जानबूझकर अपमान' कर रही है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सिंह का अंतिम संस्कार ऐसे स्थान पर करने का आग्रह किया, जहां उनका स्मारक बनाया जा सके। वहीं सपा प्रमुख अखिलेश यादव और बसपा अध्यक्ष मायावती ने केंद्र सरकार से पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार और स्मारक को लेकर किसी भी तरह के राजनीतिक विवाद से बचने का आग्रह किया। मनमोहन सिंह की अंतिम यात्रा के दौरान सिंह को सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न दिए जाने की मांग भी उठाई गई। उन्होंने कहा, 'देश के पूर्व प्रधानमंत्रियों को सम्मानित करने की परंपरा को कायम रखा जाना चाहिए। इस मुद्दे पर राजनीति की कोई जरूरत नहीं है और न ही होनी चाहिए। डॉ. मनमोहन सिंह का स्मारक राजघाट पर बनाया जाना चाहिए। भाजपा को अपनी संकीर्ण सोच का अनुचित उदाहरण पेश करने से बचना चाहिए। इतिहास उन्हें इस नकारात्मक दृष्टिकोण के लिए कभी माफ नहीं करेगा।' बसपा अध्यक्ष मायावती ने कहा कि सिंह के परिवार की इच्छाओं का सम्मान किया जाना चाहिए। 'केंद्र सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि देश के पहले सिख प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार और स्मारक उनके परिवार की पसंद के स्थान पर आयोजित किया जाए। इस मामले पर कोई राजनीति नहीं की जानी चाहिए और सरकार को सिंह के परिवार और सिख समुदाय की भावनाओं का सम्मान करना चाहिए।'

आम आदमी पार्टी (आप) ने भी पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार के लिए राजघाट परिसर में जगह आवंटित न करने के लिए भाजपा की आलोचना की और कहा कि यह 'विश्व स्तर पर भारत की छवि को खराब करता है।' आप ने भाजपा से अपना रुख स्पष्ट करने और सिंह के परिवार और सिख समुदाय से माफ़ी मांगने को कहा। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा, 'मनमोहन सिंह, जो एक वैश्विक प्रतीक और भारत के एकमात्र सिख प्रधानमंत्री थे, को राजघाट पर उनके अंतिम संस्कार और स्मारक के लिए 1,000 वर्ग गज ज़मीन भी नहीं दी गई। लगभग सभी पूर्व प्रधानमंत्रियों का अंतिम संस्कार यहीं किया गया, लेकिन भाजपा सरकार ने सिंह के प्रति यह बुनियादी शिष्टाचार भी नहीं दिखाया।' आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने भाजपा पर सिख समुदाय का अपमान करने का आरोप लगाया और इस फ़ैसले के पीछे के तर्क पर सवाल उठाया। गृह मंत्रालय ने एक बयान में आश्वासन दिया कि सिंह के स्मारक के लिए जगह आवंटित की जाएगी और उनके परिवार और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को सूचित कर दिया गया है। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने (शेष पृष्ठ 9)

आप की महिला सम्मान योजना की जांच होगी

दिल्ली के उपराज्यपाल ने दिए आदेश

राजेश कुमार। नई दिल्ली

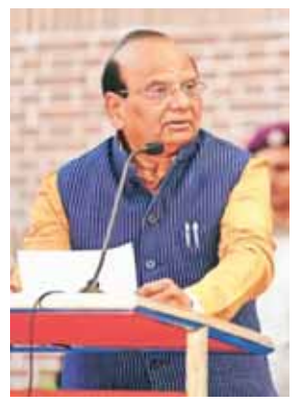

आगामी विधानसभा चुनावों से पहले एक बार फिर आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल और उनकी पार्टी को झकझोरने वाले कदम के तहत दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने आप के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार की प्रस्तावित मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए हैं, जिसमें आप ने चुनाव जीतने पर महिलाओं को 2,100 रुपये देने का वादा किया है। उपराज्यपाल ने यह भी आदेश दिया कि दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव इस मामले को मुख्य निर्वाचन कार्यालय के माध्यम से भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) के संज्ञान में ला सकते हैं, क्योंकि चुनाव से पहले इस तरह की मुहिम चल रही है। सक्सेना ने दीक्षित के आवास के बाहर पंजाब के खुफिया अधिकारियों की कथित मौजूदगी की भी जांच करने के निर्देश दिए, जिसका उद्देश्य उन्हें डराना था और पंजाब के विभिन्न हिस्सों से दिल्ली में करोड़ों की नकदी का कथित हस्तांतरण, जबकि दिल्ली विधानसभा चुनाव नजदीक हैं। उपराज्यपाल का यह आदेश पूर्वी दिल्ली के पूर्व कांग्रेस सांसद और नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र से पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ पार्टी के प्रस्तावित प्रतिद्वंद्वी संदीप दीक्षित के ज्ञापन के बाद आया है, जिन्होंने आप के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार और केजरीवाल पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

उपराज्यपाल के प्रधान सचिव द्वारा मुख्य सचिव धर्मेंद्र और दिल्ली पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा को भेजे गए पत्र में कहा गया है, 'यह श्री संदीप दीक्षित से प्राप्त दिनांक 25.12.2024 के ज्ञापन का संदर्भ है। उन्होंने आरोप लगाया है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री और श्री अरविंद केजरीवाल घोषणा कर रहे हैं कि दिल्ली सरकार दिल्ली की प्रत्येक महिला (18 वर्ष से अधिक आयु की) को 1000 रुपये प्रति माह देने जा रही है, यदि आप 2025 के विधानसभा चुनावों में फिर से चुनी जाती है, तो वे इस राशि को बढ़ाकर 2100 रुपये कर देंगे।' पत्र में कहा गया है, 'माननीय उपराज्यपाल ने मुख्य सचिव को गैर-सरकारी लोगों द्वारा व्यक्तिगत विवरण और फॉर्म एकत्र करने के मामले में संभागीय आयुक्त के माध्यम से जांच कराने की इच्छा व्यक्त की है।'

उपराज्यपाल कार्यालय ने कहा, 'इसके अनुसार, पुलिस आयुक्त फील्ड अधिकारियों को निर्देश दे सकते हैं कि वे ऐसे व्यक्ति के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई करें जो लाभ देने की आड़ में भोले-भाले नागरिकों की निजी जानकारी एकत्र करके उनकी निजता का उल्लंघन कर रहा है। डीसीपी को सरकारी योजनाओं के फर्जी नामांकन के लिए शिविर आयोजित करने वाले निजी व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई करने की सलाह दी जा सकती है।' इस बीच, आप ने जवाब में आरोप लगाया है कि जांच दिल्ली के उपराज्यपाल की ओर से नहीं बल्कि भाजपा नेता अमित शाह के 'कार्यालय' से हुई है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भी योजना के तहत पंजीकरण के माध्यम से महिलाओं के विवरण एकत्र करने की जांच के लिए एलजी के आदेश को 'फर्जी' बताया और कहा कि मौद्रिक वादा एक चुनावी घोषणा थी। केजरीवाल ने कहा, 'हमने दिल्ली में सरकार बनाने के बाद महिला सम्मान योजना के तहत दिल्ली की सभी पात्र महिलाओं को 2,100 रुपये प्रति माह और संजीवनी योजना के तहत वरिष्ठ नागरिकों के मुफ्त इलाज की घोषणा की। वे क्या जांच करने जा रहे हैं?' आप के राष्ट्रीय संयोजक ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार की योजनाओं को सिर्फ इसलिए आजमा रही है ताकि फरवरी के चुनाव में उसे हराने का मौका मिल सके। पार्टी ने दावा किया कि इस योजना के लिए 22 लाख से अधिक महिलाएं पहले ही पंजीकृत हैं। (शेष पृष्ठ 9)

डल्लेवाल को 31 तक अस्पताल ले जाने के लिए पंजाब सरकारके पास समयः सुप्रीम कोर्ट

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल कर रहे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल को अस्पताल ले जाने के लिए मनाने के सिलसिले में पंजाब सरकार को 31 दिसंबर तक का समय दिया। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया की अवकाशकालीन पीठ ने एक अभूतपूर्व सुनवाई करते हुए, स्थिति को बिगड़ने देने तथा डल्लेवाल को चिकित्सकीय सहायता प्रदान करने के उसके पूर्व निर्देशों का पालन नहीं करने पर पंजाब सरकार को फटकार लगाई। पंजाब सरकार ने डल्लेवाल को अस्पताल ले जाने में असमर्थता व्यक्त करते हुए कहा कि उसे प्रदर्शनकारी किसानों के प्रतिरोध का सामना करना पड़ रहा है, जिन्होंने डल्लेवाल को घेर लिया है और वे उन्हें अस्पताल नहीं ले जाने दे रहे।

पंजाब के महाधिवक्ता गुरमिंदर सिंह ने पीठ से कहा कि विशेषज्ञों की एक टीम ने प्रदर्शन स्थल का दौरा किया और डल्लेवाल को अस्पताल में भर्ती होने एवं चिकित्सकीय सहायता लेने के लिए मनाने की कोशिश की। उन्होंने कहा, उन्होंने (डल्लेवाल ने आईवी) ड्रिप समेत किसी भी प्रकार की चिकित्सकीय सहायता लेने से यह कहते हुए इनकार कर दिया है कि इससे आंदोलन का उद्देश्य कमजोर हो जाएगा। इससे नाराज पीठ ने पंजाब सरकार को स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठाने का जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि जो किसान नेता डल्लेवाल को अस्पताल नहीं ले जाने दे रहे, वे आत्महत्या के लिए उकसाने का आपराधिक कृत्य कर रहे हैं। शीर्ष अदालत ने पंजाब सरकार को स्थिति के अनुसार केंद्र से साजो-सामान संबंधी किसी भी प्रकार की सहायता लेने की अनुमति दी और उम्मीद जताई कि राज्य सरकार डल्लेवाल को अस्पताल स्थानांतरित करने के उसके निर्देश (शेष पृष्ठ 9)

गूगल मैप्स ने फिर किया गुमराह कार दुर्घटना में दो लोग घायल

बिस्वजीत बनर्जी। हाथरस

हाथरस जिले में निर्माणाधीन हाईवे पर गूगल मैप्स के कारण यात्रियों को गुमराह करने की एक और घटना में दो लोग घायल हो गए। यह दुर्घटना हाथरस जंक्शन थाना क्षेत्र में वाहनपुर के पास हुई। पुलिस के अनुसार, बरेली निवासी विमलेश श्रीवास्तव और कुशल कुमार नेविगेशन के लिए गूगल मैप्स का उपयोग कर मथुरा जा रहे थे। देर रात सिकंदराराऊ से गुजरने के बाद वे निर्माणाधीन मथुरा-बरेली हाईवे पर दिशा-निर्देशों का पालन कर रहे थे। सड़क पर अवरोधों के बारे में चेतावनी देने वाले रिफ्लेक्टिव बोर्ड न होने के कारण उनकी कार पत्थरों और मिट्टी के ढेर से टकरा गई, जिससे काफी नुकसान हुआ। घायल दोनों ने तुरंत पुलिस को सूचित किया, जो मौके पर पहुंची, कार को हाईवे से हटाया और पीड़ितों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। यह पहली बार नहीं है जब गूगल मैप्स ने असुविधा या दुर्घटनाएं पैदा की हैं। हाल ही में मेरठ के एक परिवार को रात में हरिद्वार से सहारनपुर पहुंचने की कोशिश में घंटों परेशानी झेलनी पड़ी।

मेरठ के शास्त्री नगर निवासी विनोद कुमार अपनी पत्नी और बेटे के साथ यात्रा कर रहे थे। शुरुआत में, भगवानपुर पहुँचने तक गूगल मैप्स के ज़रिए उनकी यात्रा आसान थी। फिर ऐप ने सहारनपुर के लिए एक लिंक रोड के ज़रिए शॉर्टकट सुझाया। इस मार्ग पर लगभग 10 किलोमीटर आगे बढ़ने पर, उन्हें एक सूखी लेकिन पथरीली धारा मिली, जिससे आगे बढ़ना असंभव हो गया।

ऐप ने उन्हें दूसरे मार्ग पर भेज दिया, जिससे उन्हें जंगल के इलाकों में घंटों भटकना पड़ा। आखिरकार, वे बिहारी गढ़ के पास एक रिश्तेदार से संपर्क करने में कामयाब रहे, जिसने उन्हें सुरक्षित जगह पर पहुँचाया। परिवार आधी रात के करीब अपने गंतव्य पर पहुँच गया, जहाँ उन्होंने राहत की साँस ली। पिछले महीने, गूगल मैप्स को बरेली में एक बड़ी दुर्घटना के लिए दोषी ठहराया गया था, जब इसने एक कार को अधूरे पुल पर ले जाया, जिसके परिणामस्वरूप तीन दोस्त गिर गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। ऐसी घटनाएँ स्थानीय परिस्थितियों की पुष्टि किए बिना केवल डिजिटल नेविगेशन सिस्टम पर निर्भर रहने के जोखिमों को उजागर करती हैं। अधिकारियों और यात्रियों से सावधानी बरतने का आग्रह किया जाता है, खासकर अपरिचित या निर्माणाधीन मार्गों पर।

101 साल में दिसंबर में सबसे ज़्यादा बारिश

राजेश कुमार। नई दिल्ली

शहर में 101 साल में दिसंबर में सबसे ज़्यादा बारिश दर्ज किए जाने के बाद दिल्लीवासियों को बादल छाए रहने और ठंड का सामना करना पड़ा। शुक्रवार सुबह 8.30 बजे से शनिवार सुबह 8.30 बजे के बीच शहर में 41.2 मिमी बारिश हुई, जो 101 साल में दिसंबर में एक दिन में सबसे ज़्यादा बारिश है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, राजधानी में आखिरी बार 3 दिसंबर, 1923 को महीने में एक दिन में सबसे ज़्यादा 75.7 मिमी बारिश दर्ज की गई थी। हालांकि दिसंबर में बारिश असामान्य नहीं है, लेकिन आमतौर पर यह हल्की होती है। आईएमडी के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में आमतौर पर महीने के दौरान आधे दिन में 8 मिमी बारिश होती है। पिछले 24 घंटों में शहर में हुई बारिश इससे पांच गुना ज़्यादा है। बारिश ने दिसंबर 2024 को 1901 में रिकॉर्ड शुरू होने के बाद से मासिक वर्षा के मामले में पाँचवाँ सबसे अधिक बना दिया। दिसंबर 2024 में, दिल्ली में 42.8 मिमी बारिश दर्ज की गई, जो पिछले 27 वर्षों में सबसे अधिक है जब महीने में 71.8 मिमी बारिश देखी गई थी।

आईएमडी अधिकारी ने बताया, आज सुबह 8.30 बजे समाप्त होने वाली संचयी 24 घंटे की वर्षा 1901 के बाद से सफदरजंग में दूसरी सबसे अधिक है। दिसंबर की मासिक वर्षा अब पाँचवीं सबसे अधिक है। 24 घंटे की संचयी वर्षा पिछले 24 घंटों में दर्ज की गई वर्षा को संदर्भित करती है जो दी गई तारीख को सुबह 8.30 बजे आईएसटी पर समाप्त होती है।' पूर्वी हवाओं के साथ सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के कारण होने वाली बारिश ने दिसंबर की सामान्य शुष्क ठंड को एक विसंगति में बदल दिया। आईएमडी के एक वैज्ञानिक ने कहा, 'विभिन्न मौसम प्रणालियों के आपस में टकराने से भारी बारिश होती है।' आईएमडी ने आगे बताया, '1 जनवरी के आसपास एक और पश्चिमी विक्षोभ की उम्मीद है, लेकिन इससे बारिश नहीं हो सकती है।' आईएमडी ने दिल्ली के लिए येलो अलर्ट जारी किया है, जिसमें राजधानी, नोएडा, गुरुग्राम और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के अन्य स्थानों पर रविवार को और अधिक बारिश की भविष्यवाणी की गई है। मौसम विभाग ने रविवार को बहुत घना कोहरा छाए रहने का अनुमान लगाया है, जिसमें अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 17 और 9 डिग्री सेल्सियस रहने की उम्मीद है। शनिवार की सुबह दिल्ली में तेज हवाओं के साथ भारी बारिश जारी रही। पालम, सफदरजंग, लोदी रोड, महरौली और गुरुग्राम सहित कई इलाकों में पेड़ उखड़ने की खबर है, जिससे काफी व्यवधान हुआ। आरके पुरम के सेक्टर-9 में सड़क का एक हिस्सा धंस गया, जिससे एक मोटरसाइकिल और एक कार गड्ढे में गिर गई।

पिछली बार दिसंबर में इतनी तीव्र बारिश 1997 में हुई थी, जब कुल मासिक वर्षा 71.8 मिमी थी। इससे भी पहले, दिसंबर में सबसे अधिक बारिश 1901 में 77.2 मिमी दर्ज की गई थी, उसके बाद 1967 (69.5 मिमी) और 1936 (68.1 मिमी) का स्थान था। आईएमडी 24 घंटों में 15.5 मिमी तक की बारिश को हल्की बारिश, 15.6-64.4 मिमी बारिश को मध्यम, 64.5-115.5 मिमी बारिश को भारी बारिश और 115.6-204.4 मिमी बारिश को बहुत भारी बारिश के रूप में वर्गीकृत करता है। दिल्ली में शुक्रवार सुबह से लगातार बारिश हो रही है, जिससे कई इलाकों में जलभराव और यातायात जाम हो गया है, जिससे राष्ट्रीय राजधानी में पारा गिर गया है। इस साल जून में दिल्ली में 24 घंटों में 228.1 मिमी बारिश दर्ज की गई, जो राजधानी में अब तक की सबसे अधिक बारिश में से एक है, जिससे राष्ट्रीय राजधानी के कई हिस्सों में जलभराव हो गया। शनिवार सुबह सफदरजंग मौसम केंद्र में न्यूनतम तापमान 12.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह सामान्य से 6 डिग्री अधिक था। अधिकतम तापमान 15.8 डिग्री सेल्सियस रहा। यह सामान्य से पांच डिग्री कम था।

बर्फ से ढंके जम्मू-कश्मीर में कश्मीरियत की गर्माहट

मोहित कंधारी। जम्मू

कश्मीर घाटी के विभिन्न हिस्सों में भारी बर्फबारी के बीच कश्मीरियों की बेमिसाल मेहमाननवाजी और भारतीय सेना की समय पर किए गए राहत बचाव ने शुक्रवार दोपहर से बर्फ से ढके इलाकों में फंसे पर्यटकों के चेहरों पर खुशी ला दी। कश्मीर घाटी में के अधिकांश हिस्से बर्फ से ढके होने के बीच पिछले 24 घंटों में विभिन्न स्थानों से 300 से अधिक पर्यटकों को बचाया गया। घाटी के कई हिस्सों में बर्फबारी के कारण सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त होने के साथ विमान और रेल परिचालन बाधित हुआ और श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग भी बंद हो गया। खराब मौसम के चलते शनिवार को श्रीनगर हवाई अड्डे पर सभी उड़ानें रद्द कर दी गईं, इसकी जानकारी श्रीनगर हवाई अड्डे के प्रवक्ता ने एक्स पर एक संदेश पोस्ट में दिया। कश्मीर विश्वविद्यालय ने भी खराब मौसम के कारण शनिवार को होने वाली अपनी सभी परीक्षाएं स्थगित कर दी हैं। विश्वविद्यालय ने कहा कि स्थगित परीक्षाओं की नई तिथियां अलग से अधिसूचित की जाएंगी।

कश्मीर में शुक्रवार से मध्यम से भारी बर्फबारी दर्ज की गई, जिसमें श्रीनगर शहर और घाटी के अन्य मैदानी इलाकों में मौसम की पहली बर्फबारी शामिल है। श्रीनगर में डेरा

डाले हुए पर्यटक व्यस्त लाल चौक इलाके और डल झील के किनारे बर्फबारी का आनंद लेते देखे गए। दक्षिण कश्मीर में, मैदानी इलाकों में भारी से बहुत भारी बर्फबारी दर्ज की गई, जबकि मध्य कश्मीर के मैदानी इलाकों में मध्यम बर्फबारी हुई। अधिकारियों ने कहा कि उत्तरी कश्मीर के मैदानी इलाकों में हल्की से मध्यम बर्फबारी हुई। जम्मू क्षेत्र में, डोडा, किश्तवाड़ और कठुआ के ऊंचे इलाकों में भी बर्फबारी का ताजा दौर देखा गया।

श्रीनगर-सोनमर्ग राजमार्ग पर गुंड क्षेत्र के निवासी वास्तव में उस समय रक्षक साबित हुए जब उन्होंने रात के दौरान पंजाब से फंसे यात्रियों को ठहराने के लिए शुक्रवार देर रात जामिया मस्जिद के द्वार खोलने का फैसला किया। स्थानीय लोगों द्वारा इन पर्यटकों को परोसे गए गर्मजोशी भरे आतिथ्य और स्वादिष्ट भोजन ने न केवल उनका दिल जीत लिया, बल्कि विभिन्न समुदायों के सदस्यों के बीच सौहार्द और आपसी विश्वास का संदेश भी दिया। गुंड की जामिया मस्जिद में फंसे यात्रियों का स्वादिष्ट भोजन का आनंद लेते हुए एक वीडियो भी विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल हुआ। स्थानीय निवासी बशीर अहमद ने कहा, यह सबसे अच्छा संभव समाधान था क्योंकि मस्जिद में एक 'हमाम' है, जो पूरी रात गर्म रहता है। पर्यटकों ने स्थानीय लोगों की मदद के लिए उनका आभार व्यक्त किया। उनमें से एक ने कहा, हम बर्फ में फंस गए थे, और आप हमारी मदद के लिए आए। हम आप सभी के बहुत आभारी हैं।

गुंड में जामिया मस्जिद गगनगीर में आतंकवादी हमले के स्थल से 10 किलोमीटर से भी कम दूरी पर स्थित है, जहां इस साल अक्टूबर में छह लोग, पाँच गैर-स्थानीय मज़दूर और एक स्थानीय डॉक्टर मारे गए थे। दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में, चिनार वारियर्स ने कुलगाम के मुनाद गांव से एक गर्भवती महिला को निकालने के लिए एक आपातकालीन संकट कॉल का जवाब दिया। भारी बर्फबारी के बीच, बचाव दल समय पर स्थान पर पहुँच गया और मरीज़ को जेसीबी मशीन के अंदर सरकारी अस्पताल, यारीपोरा पहुँचाया गया। गुलमर्ग के प्रसिद्ध पर्यटक स्थल में फंसे यात्रियों को बचाने के लिए भारतीय सेना भी आई। (शेष पृष्ठ 9)

सीएम योगी ने विशिष्ट अतिथियों को महाकुम्भ के लिए किया आमंत्रित

दिल्ली पहुंचकर पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से मिले मुख्यमंत्री

● सभी विशिष्टजनों को सीएम योगी ने महाकुम्भ के लोगो वाला प्रतीक चिन्ह, कलश, साहित्य और नववर्ष का कैलेंडर किया भेंट

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ नई दिल्ली

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को नई दिल्ली में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह और मिजोरम के राज्यपाल जनरल वीके सिंह से मुलाकात की और प्रयागराज में होने जा रहे महाकुम्भ 2025 के लिए उन्हें आमंत्रित किया। सीएम योगी ने समस्त महानुभावों को निमंत्रण पत्र के साथ ही महाकुम्भ 2025 के लोगो वाला प्रतीक चिन्ह, कलश, महाकुम्भ से जुड़ा साहित्य और नव वर्ष का टेबल कैलेंडर व डायरी भेंट की।

इन सभी विशिष्टजनों को 13 जनवरी से 26 फरवरी 2025 तक आयोजित होने जा रहे महाकुम्भ के लिए आमंत्रित करने के लिए मुख्यमंत्री योगी स्वयं शनिवार को दिल्ली में थे। उन्होंने सबसे पहले मिजोरम के राज्यपाल जनरल (रिटायर्ड) वीके सिंह से यूपी सदन में शिष्टाचार भेंट कर उन्हें आमंत्रित किया। इसके बाद उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से भी उनके सरकारी आवास पर भेंट कर उन्हें महाकुम्भ 2025 में आने का निमंत्रण दिया। इसके बाद सीएम योगी गृहमंत्री अमित शाह और फिर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मिलने उनके सरकारी आवास पर पहुंचे। शिष्टाचार भेंट के साथ ही सीएम योगी ने सभी विशिष्टजनों को महाकुम्भ से संबंधित उपहार भी भेंट किए। इनमें महाकुम्भ के लोगो वाला प्रतीक चिन्ह, महाकुम्भ की पहचान का प्रतीक कलश, महाकुम्भ संबंधी साहित्य समेत नव वर्ष का टेबल कैलेंडर और डायरी भेंट की। सीएम योगी ने अपने एक्स हैंडल पर सभी विशिष्टजनों से भेंट की तस्वीर पोस्ट करते हुए अपना अमूल्य समय प्रदान करने के लिए उनका आभार भी जताया। उल्लेखनीय है कि महाकुम्भ के शुभारंभ को अब महज 15 दिन का ही समय रह गया है। सीएम योगी की मंशा के अनुरूप योगी सरकार के मंत्रीगण विभिन्न राज्यों में जाकर वहां के विशिष्ट और आमजनों को महाकुम्भ के लिए आमंत्रित कर रहे हैं। इसी क्रम में शनिवार को सीएम योगी भी दिल्ली में विशिष्ट लोगों को आमंत्रित करने पहुंचे।

गो आधारित खेती

पुण्य के साथ पैसे की बचत, साथ में गोवंश का संरक्षण व संवर्धन भी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

हाल ही में एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गो आधारित प्राकृतिक खेती की पैरवी करते हुए कहा था, इस तरह की खेती से प्रति एकड़ किसान 10 से 12 हजार रुपये बचा सकते हैं। अगर प्रदेश के अधिकांश किसान प्राकृतिक खेती करने लगें तो कितने करोड़ की बचत होगी, स्वत: अनुमान लगाया जा सकता है। इस तरह गोमाता के गर्दन और छूरे के बीच सिर्फ पुण्य ही नहीं, और भी बहुत चीजें हैं। मसलन, लागत कम होने से पैसे की बचत, गोवंश के संरक्षण व संवर्धन के साथ जल, जमीन और इंसान की सेहत में स्थाई सुधार बोनस जैसा है।

उल्लेखनीय है खेतीबाड़ी का प्रमुख निवेश बीज और खाद है। उत्तर प्रदेश अपनी जरूरत का करीब आधा बीज ही पैदा कर पाता है। बाकी अन्य राज्यों, खासकर दक्षिण भारत के प्रदेशों से आता है। इस पर सरकार अच्छा खासा रकम खर्च करती है। रही उर्वरकों की बात तो भारत उर्वरकों के निर्यात पर भारी भरकम विदेशी मुद्रा खर्च करता है। केंद्र से मिले आंकड़ों के अनुसार अब भी सर्वाधिक मांग वाली करीब 15 से 20 प्रतिशत यूरिया की आपूर्ति आयात से होती है। फास्फेटिक उर्वरकों और पोटाश के लिए भी हम आयात पर ही निर्भर हैं। चूंकि भारत कृषि प्रधान देश है, लिहाजा यहां मांग देखकर निर्यातक देश रेट भी बढ़ा देते।

आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2023-2024 में भारत ने 2127 करोड़ रुपये का यूरिया आयात किया था। बाकी आयात किए जाने वाले उर्वरक अलग से। प्रदेश के और देश के लिए बहुमूल्य विदेशी मुद्रा बचाने का एक प्रमुख और प्रभावी जरिया हो सकता है, गो आधारित प्राकृतिक खेती। परंपरा के नाते उत्तर प्रदेश में इसकी भरपूर संभावना भी है। गो सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता के अनुसार प्रदेश में किसानों की संख्या 2.78 करोड़ और गोवंश की संख्या करीब दो करोड़ है। अगर हर किसान एक गाय पाले तो कई समस्याएं स्वत: हल हो जाएं। प्राकृतिक खेती के एक्सपर्ट्स के अनुसार एक गाय के गोबर और गोमूत्र को प्रसंस्कृत कर करीब चार एकड़ रकबे में खेती की जा सकती है। योगी सरकार की मंशा है कि हर गो आश्रय खुद में आत्मनिर्भर बनें। इसके लिए सरकार इन आश्रयों को गो आधारित प्राकृतिक खेती और और अन्य उत्पादों के ट्रेनिंग सेंटर के रूप में विकसित कर रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का शुरू से मानना रहा है कि तरक्की के लिए हमें समय के साथ कदमताल करना होगा। प्राकृतिक खेती भी इसका अपवाद नहीं। इस विधा की खेती करने वाले परंपरागत ज्ञान के साथ आधुनिक तकनीक का प्रयोग करें, इसके लिए प्रदेश में प्राकृतिक खेती के लिए सरकार विश्वविद्यालय भी खोलने जा रही है। अधिक से अधिक किसान प्राकृतिक खेती करें, इसके लिए सरकार इस बाबत चुने गए किसानों को तीन साल आर्थिक सहयोग भी देती है। इसमें पहले दूसरे और तीसरे साल 4800, 4000, 3600 रुपये दिए जाते हैं। कैटल शेड और गोबर गैस पर मिलने वाला अनुदान अलग से। मंडल मुख्यालय स्तर पर ऐसे उत्पादकों के लिए अलग आउटलेट्स बनाए गए हैं। उत्पादों के प्रमाणीकरण भी सरकार का खासा जोर है।

जैविक उत्पाद सेहत के लिए उपयोगी हैं। कोविड 19 के बाद लोगों की सेहत को लेकर जागरूकता भी बढ़ी है। फूड हैबिट्स को लेकर शोध करने वाली तमाम संस्थाओं का पूर्वानुमान है कि अब भोजन के चुनाव में लोग क्षेत्रीय स्वाद और उत्पादों को भी तरजीह दे रहे हैं। इससे स्थानीय जैविक उत्पादों के लिए स्थानीय स्तर बड़ी संभावना बनती है। साथ ही निर्यात के भी अवसर खुल जाते हैं। इससे इन उत्पादों के दाम भी बेहतर मिलते हैं।

यूपी को फार्मा इंडस्ट्री का हब बनाने की ओर अग्रसर प्रदेश सरकार

● सीएम योगी के महत्वाकांक्षी ललितपुर फार्मा पार्क के निर्माण ने पकड़ी रफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में सरकार तेजी से आगे बढ़ रही है। इस क्रम में बुंदेलखंड क्षेत्र के ललितपुर जिले में बल्क ड्रग फार्मा पार्क विकसित करने की प्रक्रिया ने रफ्तार पकड़ ली है। यह पार्क देश की फार्मा जरूरतों को पूरा करने और भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

फार्मा पार्क के लिए सैदपुर ग्राम पंचायत में पशुपालन विभाग के स्वामित्व वाली 2000 एकड़ भूमि में से करीब 1500 एकड़ भूमि को राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) को निशुल्क हस्तानान्तरित किया है। भूमि का हस्तांतरण होने के बाद अब तेजी के साथ परियोजना अगले चरण में प्रवेश करेगी। इस भूमि पर दवा कंपनियां फैक्ट्रियां स्थापित करके यहां दवाइयों का निर्माण करेंगी। इस भूमि पर फार्मा पार्क विकसित करने के लिए वर्ल्ड क्लास कॉमन इंफ्रास्ट्रक्चर फैसिलिटीज (सीआईएफ) तैयार की जाएंगी। यह परियोजना न केवल ललितपुर बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास के लिए मील का पत्थर साबित होगी। ललितपुर में प्रस्तावित बल्क ड्रग फार्मा पार्क राज्य और देश के लिए फार्मास्यूटिकल उत्पादों के निर्माण में एक पावर हाउस के रूप में कार्य करेगा। इस परियोजना का उद्देश्य उच्च गुणवत्ता वाली, किफायती दवाओं का उत्पादन करना है।

बल्क ड्रग प्रोडक्शन के क्षेत्र में यह पार्क भारत की आत्मनिर्भरता को मजबूती प्रदान करेगा। ललितपुर बल्क ड्रग फार्मा पार्क पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मोड पर विकसित किया जाएगा। इस परियोजना के तहत ग्लोबल फार्मा सेक्टर के लीडर्स को आकर्षित करने के लिए एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट (ईओआई) पहले ही जारी कर दी गई है। फार्मा पार्क को सड़क और रेल नेटवर्क के माध्यम से विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे और उत्कृष्ट कनेक्टिविटी से जोड़ा जा रहा है। इसके तहत लॉजिस्टिक्स की सुविधाजनक आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए उच्च गुणवत्ता वाली सड़कें और रेल लिंक तैयार किए जाएंगे।

इस परियोजना के तहत ललितपुर और आसपास के क्षेत्रों में औद्योगिक टाउनशिप, सेक्टोरल स्पेसिफिक इंडस्ट्रियल पार्क्स और अन्य औद्योगिक क्षेत्रों का विकास होगा। इसके साथ ही, परियोजना के माध्यम से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से हजारों रोजगार के अवसर सृजित होंगे। फार्मा पार्क को पर्यावरण संरक्षण के मानकों का पालन करते हुए विकसित किया जाएगा। इसमें केमिकल डिस्चार्ज के निस्तारण के लिए जीरो लिक्विड डिस्चार्ज जैसी स्टैंडर्ड प्रैक्टिस को अपनाया जाएगा।

प्राचीन स्थलों के पर्यटन विकास के लिए राज्य सरकार कटिबद्धः जयवीर

● मैनपुरी के सत्य कैलाश आश्रम और तुलसीदास मंदिर के पर्यटन विकास हेतु 2.61 करोड़ रुपए की धनराशि जारी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मैनपुरी में लाखों श्रद्धालुओं के आस्था का केन्द्र सत्य कैलाश आश्रम और तुलसीदास मंदिर के सौंदर्यीकरण व पर्यटक सुविधाओं के विकास के लिए लगभग 2.61 करोड़ रूपये की धनराशि स्वीकृत की गयी है, जिसमें से 1.65 करोड़ रूपये की धनराशि जारी कर दी गई है।इन योजनाओं के पूरा होने से श्रद्धालुओं से काफी सहूलियत होगी। राज्य सरकार प्राचीन धार्मिक स्थलों को विकसित करके श्रद्धालुओं को आकृषित करने का संकल्प लिया है। इससे स्थानीय लोगों को छोटे-मोटे रोजगार प्राप्त होंगें। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि मैनपुरी जिले के कुरावली विकासखंड स्थित ग्राम नौरंगपुर स्थित ब्रह्म विद्यापीठ श्री सत्य कैलाश आश्रम की स्थापना श्रीमत्स्यास्वामी धनराज गिरि महाराज ने की थी। क्षेत्र का सबसे पुराना आश्रम अपने वेदांत और प्राचीन ज्ञान के लिए प्रसिद्ध है। यह शंकराचार्य की धार्मिक पीठ है। यह एक सिद्ध पीठ की तरह है, जहां वेद तथा संन्यास से संबंधित ज्ञान की शिक्षा दी जाती है। यह स्थल बड़ी संख्या में पर्यटकों को आकर्षित करता है। योजना अंतर्गत लगभग 1.38 करोड़ रुपए से पर्यटन विकास किया जाएगा। इसमें 90 लाख रुपए जारी किए जा चुके हैं। यहां पर्यटकों के लिए हॉल, शौचालय, गेट, बेंच, साइनेज सहित कई और कार्य कराए जाएंगे। जयवीर सिंह ने बताया कि मैनपुरी जिले में ग्राम अड़ूपुर स्थित तुलसीदास मंदिर प्रसिद्ध देवालयों में से एक है। यहां प्रतिदिन रामायण का पाठ होता है। श्रावण मास एवं शिवरात्रि के अवसर पर भव्य मेले का आयोजन किया जाता है। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं। पर्यटक सुविधा विकसित करने के लिए लगभग 1.23 करोड़ रुपए स्वीकृत हुए हैं, जिसमें 75 लाख रुपए जारी किए जा चुके हैं। इसमें मल्टीपर्पज हॉल, गेट, बेंच, साइनेज सहित कई और कार्य कराए जाएंगे। मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश पर्यटन के क्षेत्र में तेज गति से आगे बढ़ रहा है। घरेलू पर्यटन के मामले में हम देश भर में पहले स्थान पर हैं। विदेशी पर्यटकों के आगमन में भी यह उपलब्धि हासिल करने के प्रयास जारी हैं। इसी कड़ी में पर्यटन स्थलों पर सुविधाओं को विस्तार दिया जा रहा है।

भाकपा-माले ने भ्रष्टाचार के खिलाफ धरना देने पर गिरफ्तारी की निंदा की

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

भाकपा (माले) ने महाराजगंज जिले में निचलौल तहसील के सोनबरसा गांव में भ्रष्टाचार के खिलाफ ग्राम सचिवालय पर बीते 25 दिसंबर से शांतिपूर्ण धरना दे रहे ग्रामीण गरीबों और पार्टी नेता संजय निषाद (जिला सचिव) को 27 दिसंबर को गिरफ्तार कर जेल भेजने की कड़ी निंदा की है। राज्य सचिव सुधाकर यादव ने शनिवार को कहा कि जीरो टॉलरेंस का माला जपने वाली सरकार को भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाना भी पसंद नहीं है। महाराजगंज में ग्रामीण विकास कार्यों में भ्रष्टाचार और ग्राम प्रधान के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे थे। इससे पहले उन्होंने सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत भ्रष्टाचार की लिखित व प्रामाणिक सूचना प्राप्त की। वे खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) को कार्यक्रम की सूचना देकर बैठे। धरने की तीसरे दिन कोठीभर थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस शुक्रवार को धरना स्थल पहुंची और संजय निषाद सहित तीन लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। राज्य सचिव ने कहा कि पुलिस की कार्रवाई से ग्रामीणों, क्षेत्र में न्याय पसंद लोगों और जनता में आक्रोश व्याप्त है। सरकार गरीबों का दमन कर रही है। सोनबरसा के ग्रामीण सचिवालय पर धरना अखिल भारतीय खेत व ग्रामीण मजदूर सभा (खेग्रामस) के 20-26 दिसंबर तक चलने वाले अभियान के प्रदेशव्यापी आह्वान के तहत शुरू हुआ था।

भारत के आर्थिक उदारीकरण कि शिल्पकार थे डॉ. मनमोहन सिंहः अजय राय

● पूर्व प्रधानमंत्री के निधन पर सभी जिलों में कांग्रेस ने किया श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

पूर्व प्रधानमंत्री, महान अर्थशास्त्री, वरिष्ठ कांग्रेस नेता स्व. डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर शनिवार को पूरे प्रदेश भर के जिलों कांग्रेसजनों द्वारा श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इसी क्रम में प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय सहित भारी संख्या में उपस्थित कांग्रेसजनों ने डॉ. मनमोहन सिंह को श्रद्धासुमन अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। राय समेत उपस्थित कांग्रेसजनों ने अग्नि की एक लौ जलाकर ईश्वर से प्रार्थना की भारत के श्रेष्ठ पुत्र स्व. मनमोहन सिंह को अपने श्री चरणों में स्थान दें।

श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि डॉ. सिंह के जीवन और कार्यों ने भारत के भविष्य को दिशा दिखाई है। 1990 के दशक के प्रारंभ में वित्त मंत्री के रूप में डॉ. सिंह भारत के आर्थिक उदारीकरण कि शिल्पकार थे। अपनी अद्वितीय दूरदृष्टि के साथ, उन्होंने ऐसे सुधारों की शुरुआत की जिन्होंने न केवल देश को भुगतान संकट से उबारा, बल्कि वैश्विक बाजारों के लिए द्वारा भी खोले।

राय ने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री के रूप में डॉ. मनमोहन सिंह ने देश का नेतृत्व शांति, दृढ़संकल्प और असाधारण बुद्धिमत्ता के साथ किया। उनके नेतृत्व में भारत दुनिया की सबसे तेजी बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक बन गया, जो उनकी प्रतिभा और दृष्टिकोण का प्रमाण है। उनके नेतृत्व में कई महत्वपूर्ण पहलें हुई जैसे मनरेगा, शिक्षा का अधिकार, ऐतिहासिक भारत यूएसए सिविल परमाणु संधि, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, भूमि अधिग्रहण कानून, कृषि कर्ज माफी योजना, 93वीं संविधान संशोधन, जिसने अनूसूचित जातियों/ जनजातियों तथा पिछड़े वर्ग के लोगों के लिए आर्टिकल 15 (5) के माध्यम से सामाजिक न्याय को बढ़ावा दिया। उन्होंने सूचना का अधिकार अधिनियम को पारदर्शिता बढ़ाने, वन अधिकार अधिनियम को जनजातियें समुदायों को सशक्त बनाने और अपने कार्यकाल में उच्चतम जीडीपी वृद्धि दर को प्राप्त करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण योगदान दिये। अजय राय ने कहा कि स्व. डॉ. मनमोहन सिंह असाधारण गुणों के धनी थे। उनकी गरिमा, विनम्रता, शालीनता उन्हें एक दुर्लभ चरित्र वाले नेता के रूप में स्थापित करती है। डॉ. सिंह का नेतृत्व और अर्थशास्त्र में उनका योगदान सदैव जीवित रहेगा और हम सभी देशवासियों को प्रेरित करेगा ताकि हम अपने महान देश की प्रगति और समृद्धि में योगदान दे सके। इस मौके पर मीडिया विभाग के चेयरमैन, पूर्व मंत्री डॉ. सीपी राय, पूर्व विधायक सतीश अजमानी, अखिलेश प्रताप सिंह, इन्दल रावत, पूर्व मंत्री डॉ. मसूद, प्रदेश कांग्रेस कोषाध्यक्ष शिव पाण्डेय, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निवर्तमान उपाध्यक्ष दिनेश सिंह, निवर्तमान प्रदेश महासचिव, संगठन प्रभारी अनिल यादव, मुकेश सिंह चौहान, अरशद खुर्शीद, प्रदेश सचिव अर्चना राठौर, सेवादल कांग्रेस के मुख्य संगठक डॉ. प्रमोद कुमार पाण्डेय सहित भारी संख्या में उपस्थित कांग्रेसजनों ने स्व. मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित किया।

सत्ता का दुरुपयोग कर लोकतंत्र की हत्या करती है भाजपा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा लोकतंत्र और संविधान के लिए खतरा है। भाजपा सत्ता का दुरुपयोग कर लोकतंत्र की हत्या करती है। लोगों को संविधान से वोट डालने का अधिकार मिला है लेकिन भाजपा वोट का अधिकार छीन रही है। उपचुनाव में वोटों की लूट की। पुलिस प्रशासन को आगे करके वोट डालने से रोका। पूरे देश ने देखा कि उपचुनाव में बहादुर महिलाओं ने गोली और बंदूक का मुकाबला किया। जान जोखिम में डालकर वोट डालने में सफल रहे।

समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय लखनऊ में डॉ. राममनोहर लोहिया सभागार में खंगार समाज के बड़ी संख्या में एकत्र कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि संविधान लागू करवाने के लिए अच्छे लोगों की आवश्यकता है। बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के बनाये संविधान से गरीबों, किसानों, वंचितों और पीडीए को ताकत मिलती है। भाजपा संविधान को कमजोर कर रही है। यादव ने कहा कि भाजपा फेक न्यूज की जन्मदाता है। फर्जी और झूठ का प्रचार करती है, विरोधियों पर झूठे मुकदमें लगाती है, हमेशा समाजवादी पार्टी नेतृत्व को बदनाम करने का षड्यंत्र रचती है। भाजपा सरकार ने संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर किया है, वह तानाशाही के रास्ते पर है। भाजपा ने कभी गरीबों, किसानों, के हित में काम नहीं किया। उसने अपने मित्र पूंजीपतियों के लिए फैसले लिए, उन्हीं को मुनाफा कराया। भाजपा सरकार के फैसलों से देश की अर्थव्यवस्था तबाह हो गयी। महंगाई, बेरोजगारी चरम पर पहुंच गयी। नोटबंदी के फैसले से गरीबों को कोई फायदा नहीं हुआ। कालाधन कहां गया? कालाधन समानान्तर अर्थव्यवस्था बन गयी। नौकरी, रोजगार खत्म हो गया। आज नौजवानों के पास नौकरी, रोजगार नहीं है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि इस सरकार में महंगाई और भ्रष्टाचार की सारी सीमाएं टूट गईं है। महंगाई का रिकॉर्ड ऊंचाई पर है। भाजपा सरकार में सिर्फ बड़े लोगों और बीजेपी के मित्र उद्योगपतियों को काम मिलता है। भाजपा सरकार में किसानों की फसलें कम कीमत पर लेकर ऊंचे दाम पर बेची जाती है। मंडियों का काम रोक दिया गया। समाजवादी सरकार में किसानों को सुविधा के लिए मंडियों का निर्माण कराया था। खाने पीने के सामानों तेल, दालों की महंगाई के लिए भाजपा सरकार जिम्मेदार है। यादव ने कहा कि भाजपा सरकार दावा करती है कि देश की अर्थव्यवस्था दुनिया की पांचवी बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगी तो सरकार को बताना चाहिए कि प्रतिव्यक्ति आय क्या है? देश में 80 करोड़ लोग सरकारी राशन पर जिंदा रहने को मजबूर है।

गृहमंत्री के बयान पर सपा ने पोस्टर लगाकर किया पलटवार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● होर्डिंग के माध्यम से कहा 'अम्बेडकर हैं तो हम हैं'

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के द्वारा डॉ. भीमराव अम्बेडकर को लेकर दिए गए बयान का मामला शांत होता नही दिखा रहा है। समाजवादी पार्टी की यूथ इकाई ने सपा मुख्यालय पर व गोमतीनगर के 1090 चौराहे पर 'हक है दम है अम्बेडकर हैं तो हम हैं' लिखी होर्डिंग लगाकर जबरदस्त हमला बोला है। गृह मंत्री अमित शाह के इसी बयान को लेकर समाजवादी पार्टी समेत कांग्रस व बसपा भी आंदोलन रत रही है। सदन के अंदर और बाहर सरकार और विपक्ष एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगाते रहे हैं। इस मुद्दे को लेकर बसपा ने तो भाजपा समेत कांग्रेस व सपा पर ही निशाना साध दिया था, बसपा प्रमुख ने कहा कि था कांग्रेस और भाजपा एक ही थैली के चट्टे बट्टे हैं। बसपा प्रमुख ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का इसको लेकर उतावलापन विशुद्ध छलावा व स्वार्थ की राजनीति है। अब यह बयानबाजी का सिलसिला जैसे ही धीमा हुआ पोस्टर ने अपनी जगह बना ली है। समाजवादी पार्टी कार्यालय के बाहर और 1090 चौराहे पर पोस्टर के माध्यम से अंबेडकर के खिलाफ बयानबाजी को लेकर एकजुटता का संदेश देने की कोशिश की गई है। यह पोस्टर सपा नेता तौकीद खान गुर्जर द्वारा लगाए गए हैं। समाजवादी पार्टी के लगाए इस पोस्टर पर सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखलेश यादव के साथ सपा नेता तौकिद खान गुर्जर की तस्वीर लगी है। इन पोस्टरों पर लिखा है, 'हक है, दम है, अंबेडकर हैं तो हम' हैं। इससे पहले उपचुनाव के दौरान यूपी में पोस्टरवार देखने को मिला था। या यूं कहें कि उपचुनाव के समय से पोस्टर लगाकर एक-दूसरे पर हमला करने और जनता तक अपनी बात पहुंचाने का एक नया ट्रेंड इजाद हो गया है।

सपा का पीडीए चर्चा कार्यक्रम स्थगित

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देशानुसार पीडीए चर्चा कार्यक्रम तत्काल स्थगित किया गया है। सपा प्रवक्ता राजेन्द्र चौधरी ने बताया कियह कार्यक्रम पुन: 27 जनवरी 2025 से प्रारम्भ होगा। ज्ञात हो कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने बीते 24 दिसम्बर को सभी विधान सभा क्षेत्रों मे पीडीए चर्चा कार्यक्रम प्रत्येक विधान सभा क्षेत्र में सेक्टरवार चलाने के निर्देश दिए थे।

मुफ्त आवासीय शिक्षा से संवर रहा श्रमिक पाल्यों का जीवन

● गोरखपुर के अटल आवासीय विद्यालय में आगामी सत्र में मंडल के 280 और बच्चों को मिलेगा प्रवेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ गोरखपुर

प्रदेश में श्रमिकों के पाल्यों तथा कोरोना से बेसहारा हुए बच्चों को उत्कृष्ट आवासीय व्यवस्था के तहत पूर्णत: निशुल्क व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए अटल आवासीय विद्यालय के रूप में योगी सरकार द्वारा की गई पहल रंग ला रही है। श्रमिकों के पाल्यों और कोरोना काल में निराश्रित हुए बच्चों का जीवन संवारने वाले इस मुफ्त आवासीय विद्यालय में गोरखपुर मडंल के 280 बच्चों को आगामी शैक्षिक सत्र (2025-26) में प्रवेश मिलेगा। प्रवेश के लिए आवेदन पत्र 27 दिसंबर से मिलने शुरू हो गए हैं।

योगी सरकार ने प्रदेश के सभी 18 मंडल मुख्यालयों पर अटल आवासीय विद्यालयों का निर्माण कराया है। व्यवस्थाओं के लिहाज से ये विद्यालय निशुल्क सरकारी बोर्डिंग स्कूल सरीखे दिखते हैं। गोरखपुर मंडल में अटल आवासीय विद्यालय सहजनवा में बना है। शैक्षिक सत्र 2023-24 से यहां बच्चे पढ़ रहे हैं। दो सत्रों में कुल मिलाकर यहां मंडल के 359 बच्चे अध्ययनरत हैं। तीसरे सत्र में कक्षा 6 में 140 बच्चों (70 बालक और 70 बालिका) तथा कक्षा 9 में भी 140 बच्चों (70 बालक और 70 बालिका) को मंडल स्तरीय प्रवेश परीक्षा के जरिये दाखिला मिलेगा। इसके साथ ही कुल एक हजार विद्यार्थियों की क्षमता के दृष्टिकोण से बने इस मुफ्त आवासीय विद्यालय में तीन सत्रों में मिलाकर यहां कुल विद्यार्थियों की संख्या छह सौ से अधिक हो जाएगी। गोरखपुर के उप श्रम आयुक्त शक्ति सेन मौर्या के अनुसार अटल आवासीय विद्यालय उत्तर प्रदेश भवन एंव अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के अंतर्गत संचालित होता है। इसमें प्रवेश के लिए उत्तर प्रदेश भवन एंव अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड में पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के बच्चे तथा कोरोना काल में निराश्रित हुए बच्चे पात्र होते हैं। अटल आवासीय विद्यालय में रहने, खाने, पढ़ने तथा पाठ्येतर गतिविधियों की उत्कृष्ट व्यवस्था पूरी तरह मुफ्त होती है। ये व्यवस्थाएं इस स्तर की हैं कि चार गुनी कमाई करने पर भी श्रमिक अपने बच्चों की पढ़ाई के लिए ये इंतजाम नहीं कर पाते। अटल आवासीय विद्यालय सहजनवा के प्रधानाचार्य अजीत कुमार सिंह बताते हैं कि हॉस्टल से लेकर स्कूल तक यहां बच्चों को एक मित्रवत माहौल दिया गया है। उनकी हर सुविधा व जरूरत का पूरा ख्याल रखा जा रहा है। बच्चे सुबह से लेकर शाम तक तय हर गतिविधि में खूब उत्साह से भाग ले रहे हैं। विद्यालय में बच्चों को निशुल्क छात्रावास, खान-पान, स्कूल गणवेश, पाठ्य पुस्तकें, खेलकूद, चिकिसा, सुरक्षा आदि के साथ गुणवत्तापूर्ण आधुनिक शिक्षा उपलब्ध कराई जा रही है। यहां बालक एवं बालिकाओं हेतु अलग-अलग छात्रावास हैं।

पायनियर वर्गीकृत

सूचना

मैं संजय बालानी पुत्र स्व० श्री एल०डी० बालानी मैंने अपने पुत्र का नाम पृथ्वी बालानी से बदलकर अगस्त्या बालानी रख दिया है। भविष्य में मेरे पुत्र पृथ्वी बालानी को अगस्त्या बालानी के नाम से जाना एवं पहचाना जाए। संजय बालानी पुत्र स्व० श्री एल०डी० बालानी 7/109, प्रभु वाटिका, फ्लैट नं0 4-बी, स्वरूप नगर, कानपुर-208002

सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा देख बिफरीं मंडलायुक्त

● लेखपाल के खिलाफ कार्रवाई, अवैध कब्जे के ध्वस्तीकरण व प्रापर्टी डीलर पर एफआईआर दर्ज करने के दिए निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

ग्राम लोनापुर व लौलाई का डॉ. रोशन जैकब ने किया स्थलीय निरीक्षण

सरकारी जमीनों से अवैध कब्जों को मुक्त कराने का जायजा लेने मण्डलायुक्त ग्राम लोनापुर व लौलाई पहुंची। मंडलायुक्त ने प्रॉपर्टी डीलर द्वारा लोनापुर में माधव ग्रीन सिटी कालोनी में सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा करके प्लाटिंग करने पर नाराजगी जताई। उन्होंने इस क्षेत्र में प्रापर्टी डीलरों के अवैध कब्जे के खिलाफ एफ आईआर दर्ज करने के निर्देश दिए गए। वहीं, राजस्व लेखपाल की लापरवाही व शिथिलता बरतने पर उनके खिलाफ आरोप पत्र जारी करने के निर्देश भी दिए गए।

उन्होंने कब्जा किए गए संपूर्ण एरिया का स्थलीय निरीक्षण किया। मंडलायुक्त ने ग्राम सभा लोनापुर में सरकारी भूमि पर किये अवैध कब्जा का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने प्रॉपर्टी डीलर अभिषेक मिश्रा के ग्राम लोनापुर में सरकारी भूमि के गाटा संख्या 372, 373, 377 पर अवैध रूप से कब्जा करके उक्त भूमि पर प्लाटिंग करने की जानकारी मिलने पर उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करानें व सरकारी भूमि से कब्जा मुक्त करायें जानें के निर्देश दिये। वहीं, सरकारी भूमि से अवैध कब्जा मुक्त करने में राजस्व लेखपाल दिलीप बाथम की लापरवाही व शिथिलता बरतने पर उनके खिलाफ आरोप पत्र जारी करने के निर्देश देते हुए कहा कि कार्य शैली में सुधार नहीं लाये तो सस्पेंड किया जाएगा। मंडलायुक्त ने ग्राम सभा लौलाई के निरीक्षण के दौरान सज्ञान में आया कि माधव ग्रीन सिटी कलोंनी में ग्राम सभा लौलाई के सरकारी भूमि के गाटा संख्या 75/5, 62/7, 69 पर अवैध रूप से कब्जा करके प्लाटिंग कर दिया है जिस पर उन्होंने माधव ग्रीन सिटी कलोनी के प्रोपराइटर मथुरेश श्रीवास्तव पर एफ्आईआर दर्ज कराने व उक्त भूमि को कब्जा मुक्त कराने के निर्देश संबंधित को दिए। प्रॉपर्टी डीलर रिजवान व राजेंद्र यादव द्वारा सरकारी गाटा संख्या 62/7, 62 पर अवैध कब्जा करके प्लाटिंग करने पर उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराते हुए सरकारी भूमि से कब्जा मुक्त कराने के निर्देश संबंधित को दिये।

राजस्व, नगर निगम की संयुक्त टीम गठित, होगी कार्रवाई

निरीक्षण के दौरान मंडलायुक्त ने कहा कि सरकारी भूमियों पर अवैध अतिक्रमण हटाने को लेकर जनपद भर में बड़े स्तर पर अभियान चलाया जा रहा है। मण्डलायुक्त ने कहा कि सार्वजनिक भूमि पर किये गये अवैध कब्जों के विरूद्ध प्रभावी कार्रवाई करने के लिए राजस्व व नगर निगम की संयुक्त टीम गठित की गयी है। जो कि जनपद के समस्त क्षेत्र की सरकारी भूमियों की पैमाइश, जीएस मैपिंग व जीरो टेगिंग कराया जा रहा है। उन्होंने उप जिलाधिकारी को भू.माफियाओं के द्वारा अवैध रूप से कब्जा की गयी जमीन के विरूद्ध की गयी शिकायतों को भी प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित करने के निर्देश दिए। मण्डलायुक्त ने कहा कि उप जिलाधिकारियों व नगर निगम टीम द्वारा सरकारी जमीनो पर किये गये अवैध अतिक्रमण को चिन्हित व सर्वे करा लिया गया है तो उन सभी सरकारी भूमि को अवैध अतिक्रमण से कब्जा मुक्त करायी जाये। साथ ही उसको अपने स्वामित्व में लेते हुए उसको संरक्षित करना और उक्त भूमि पर अपना बोर्ड भी लगवाना सुनिश्चित करें। मंडलायुक्त ने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि दोबारा उक्त भूमि पर अवैध कब्जा मिलता है तो संबंधित के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज कराया जाए। मंडलायुक्त ने कहा कि सरकारी भूमि पर जिन दबंग भूमाफिया के अवैध रूप से प्लाटिंग व बाउंड्री कर लिए गया है। उनका तत्काल ध्वस्तीकरण कराया जाना सुनिश्चित किया जाये। उन्होंने कहा कि सरकारी भूमि के सर्वे कार्य मे तेजी लाया जाये। सरकारी भूमि को अवैध कब्जा मुक्त करने के लिए संबंधित अधिकारियों द्वारा प्राथमिकता पर कार्य किया जाये। संबंधित अधिकारी नियमित रूप से किये जा रहे कार्यवाही की समीक्षा भी करते रहे।

चिकनकारी व जरी जरदोजी की प्रदर्शनी लगाने का तैयार किया जाए प्रस्तावः डीएम

● राजधानी को हॉस्पिटैलिटी एजुकेशन पर सर्विस सेक्टर के एक्सपोर्ट हब के रूप में विकसित करने की मांग

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

जिलाधिकारी द्वारा जिले के निर्यात प्रोत्साहन पर बैठक की गयी। बैठक में चिकनकारी, जरी जरदोजी, इंजीनियरिंग गुड्स, मलीहाबादी आम और सब्जियां केमिकल्स पर निर्यातकों एवं संबंधित विचार विभागों से विचार विमर्श किया गया। निर्यातकों द्वारा जनपद में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रदर्शनियों के आयोजन की मांग की गयी। वहीं, जनपद को हॉस्पिटैलिटी हॉस्पिटल एवं एजुकेशन की अपार संभावनाओं पर सर्विस सेक्टर के एक्सपोर्ट हब के रूप में विकसित करने पर बल दिया गया।

लखनऊ को पोटेंशियल एक्सपोर्ट हब के रूप में विकसित किए जाने के संबंध में लगातार किए जा रहे प्रयासों में डिस्ट्रिक्ट लेवल एक्सपोर्ट प्रमोशन कमेटी की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में हुई बैठक में जिलाधिकारी ने जनपद के निर्यात प्रोत्साहन के लिए गत बैठकों में दिए निर्देशों की समीक्षा की। जनपद से हो रहे प्रमुख निर्यातों यथा चिकनकारी, जरी जरदोजी, इंजीनियरिंग गुड्स, मलीहाबादी आम और सब्जियां केमिकल्स आदि के प्रोत्साहन के लिए किए जा रहे प्रयासों पर निर्यातकों एवं संबंधित विचार विभागों से विचार विमर्श किया। जनपद में स्थापित हो रही क्यलाइन बायोटेक इकाई जिसके माध्यम से गामा किरणों का उपयोग करते हुए फल और सब्जियों की सेल्फ लाइफ कई गुना बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है के संबंध में जिलाधिकारी ने विस्तार से उद्यमियों एवं निर्यातकों के साथ विचार विमर्श करते हुए इस सुविधा का लाभ लेकर जनपद से कृषि एवं औद्योगिक उत्पादों के अधिक से अधिक निर्यात पर बल दिया।

जिलाधिकारी ने जनपद में चिकनकारी और जरी जरदोजी उत्पादों के निर्यात प्रोत्साहन के लिए संबंधित क्षेत्र के निर्यातकों से विचार विमर्श किया, जिसके क्रम में निर्यातकों ने जनपद में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रदर्शनियों के आयोजन की मांग की। इसके संबंध में जिलाधिकारी ने निर्यातकों एवं औद्योगिक संगठनों का आवाहन किया कि ओडीओपी योजना में चिन्हित चिकनकारी एवं जरी जरदोजी सहित एमएसएमई के निर्यात संभावना वाले उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई जाने के संबंध में सुविचारित प्रस्ताव तैयार किया जाए। साथ ही साथ निर्यात प्रोत्साहन समिति की बैठक में मंसूर लारी ने एमआईसीई योजना में जनपद को हॉस्पिटैलिटी हॉस्पिटल एवं एजुकेशन की अपार संभावनाओं पर सर्विस सेक्टर के एक्सपोर्ट हब के रूप में विकसित करने पर बल दिया।

एग्जिबिशन सेंटर विकसित करने पर वाइन डीजीएफटी ने दिया आश्वासन दिया

बैठक में अमौसी एयरपोर्ट में एक इनफॉरमेशन काम एग्जिबिशन सेंटर विकसित करने के लिए भी भारत सरकार के डीजीएफटी से अनुरोध किया। जिलाधिकारी के अनुरोध पर ज्वाइन डीजीएफ टी ने इस पर सकारात्मक आश्वासन दिया। बैठक में जनपद के प्रमुख निर्यातकों औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधि उद्यमियों और संबंधित विभागों के प्रतिनिधि के साथ-साथ मुख्य विकास अधिकारी और उपयुक्त उद्योग भी उपस्थित रहे।

अंतरराष्ट्रीय मार्केट में भारी डिमांड के उत्पाद हो रहे तैयार

इसके बाद जिलाधिकारी ने राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय जगत में तकनीकी बदलाव एवं मार्केट की संभावना और भारत सरकार ने निर्यात प्रोत्साहन के लिए संचालित योजनाओं और कार्यक्रमों के संबंध में विदेश व्यापार सेवा के जॉइंट डीजीएफ टी राजीव कुमार सोनी के साथ व्यापक विचार विमर्श किया। निर्यात योग्य उत्पादों के भंडारण के लिए पृथक रूप से भंडारण सुविधा उपलब्ध कराए जाने के संबंध में चर्चा की।

महापौर ने सीवर सफाई मशीनों की संख्या बढ़ाने के दिए निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

महापौर द्वारा शहर की सीवेज समस्या को सुधारने के लिए जलकल और स्वेज इंडिया के अधिकारियों के साथ बैठक की गयी। बैठक में महापौर द्वारा स्वेज इंडिया के प्रबंधक से सीवर सफाई मशीनों की संख्या बढ़ाई जाने एवं जोनल तैनाती की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए। आइजीआरएस शिकायतों का निस्तारण गुणवत्ता पूर्वक एवं सी कैटेगरी की शिकायतों की समीक्षा प्रतिदिन करते हुए गुणवत्ता पूर्वक निस्तारण कराने के निर्देश दिए गए।

शनिवार को महापौर ने कैंप कार्यालय में जलकर एवं स्वेज इंडिया, जल कल विभाग के कार्यों की समीक्षा की। इस समीक्षा बैठक में अपर नगर आयुक्त ललित कुमार, महाप्रबंधक जलकल कुलदीप सिंह, स्वेज इंडिया के डायरेक्टर राजेश मटपाल, प्रतिनिधि अश्वनी डोगरा एवं जलकर के सभी अधिशासी अभियंता और स्वेज इंडिया इंडिया के सभी क्षेत्रीय सुपरवाइजर भी उपस्थित हुए। बैठक में महापौर ने स्वेज इंडिया को निर्देश दिए कि स्वेज इंडिया ने सीवर सफाई मशीनों की संख्या बढ़ाई जाए एवं जोनल तैनाती की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। आइजीआरएस शिकायतों का निस्तारण गुणवत्ता पूर्वक किया जाए एवं सी कैटेगरी की शिकायतों की समीक्षा प्रतिदिन करते हुए गुणवत्ता पूर्वक निस्तारण कराया जाए। स्मार्ट सिटी एवं दूरभाष के माध्यम से प्राप्त शिकायतों का निस्तारण भी गुणवत्ता पूर्वक करते हुए प्रतिदिन जलकल विभाग एवं महापौर कार्यालय को भी सूचित किया जाए। वहीं, प्रतिदिन प्राप्त की शिकायतों को जलकल के अभियंताओं के द्वारा स्थल पर जाकर निरीक्षण किया जाए। 24 घंटे के अंदर सीवर शिकायत का निस्तारण न करने पर स्वेज इंडिया के बिलों में कटौती की जाए। सीवर डिजल्टिंग का की कार्य योजना बनाकर प्रस्तुत की जाए। मैनहोल की मरम्मत हर हाल में 24 घंटे के अंदर कर ली जाए एवं यह भी सुनिश्चित किया जाए कि खुले मैनहोल की वजह से किसी प्रकार की अप्रिय दुर्घटना न घटित हो। वहीं जलकल विभाग के अधिकारियों को शहर में किया जा रहे पेयजल एवं सीवर संबंधित कार्यों की रिपोर्ट भी प्रस्तुत करने और जल कल विभाग लखनऊ में किया जा रहे विकास कार्यों की गुणवत्ता एवं समय सीमा में कराने के निर्देश दिए।

सिंगल-डे पर वीसी ने सुनीं समस्याएं, 76 फाइलों का निस्तारण

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

एलडीए में सिंगल टेबल क्लीयरेंस-डे का आयोजन किया गया। एलडीए उपाध्यक्ष के निर्देश पर पारिजात सभागार में सभी अनुभागों के अधिकारी व कर्मचारी एकत्रित हुए। क्लीयरेंस डे पर एक ही पटल पर समस्त अनुभागों के अधिकारियों की उपस्थिति से लंबित फाइलों का मौके पर निस्तारण किया गया। इस मौके पर 76 प्रकरणों का निस्तारण किया गया।

शनिवार को लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार के निर्देश पर प्राधिकरण में सिंगल टेबल क्लीयरेंस डे का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत समस्त अनुभागों के अधिकारी व कर्मचारी फाइलों के साथ पारिजात सभागार में उपस्थित हुए। कार्यवाही के दौरान विभिन्न प्रकरणों से सम्बंधित कुल 76 फाइलों का निस्तारण किया गया। संयुक्त सचिव सोमकमल सीताराम ने बताया कि उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार के निर्देशानुसार प्राधिकरण में लंबित फाइलों के निस्तारण के लिए शनिवार को सिंगल टेबल क्लीयरेंस डे का आयोजन किया गया।

इसके अंतर्गत समस्त विशेष कार्याधिकारी, सहायक लेखाधिकारी, अनुभाग अधिकारीए लिपिक व अभियंता गण अपने अनुभाग की लंबित फाइलों के साथ सुबह 10 बजे मीटिंग हॉल में उपस्थित हुए। इस दौरान उपाध्यक्ष द्वारा स्वयं लंबित प्रकरणों की समीक्षा की गयी।

फाइलों पर तुरंत निर्णय लेते हुए कार्यवाही सम्पादित करायी गयी। रिफंड के 7, रजिस्ट्री के 18, फ्री-होल्ड के 9, नामांतरण की 27 व अभियंत्रण की 15 पत्रावलियों का निस्तारण किया गया।

नगर निगम कार्यालय में सांप लेकर पहुंचा शख्स, अधिकारी हुए हैरान

पायनियर समाचर सेवा। लखनऊ

ठाकुरगंज में नगर निगम के जोनल कार्यालय छह में शनिवार दोपहर मौजूद हर कोई उस समय भौचक्का रहा गया। जब एक शख्स बेलचा में मरे हुए सांप को लेकर दाखिल हुआ। वहां मौजूद कर्मचारियों से अधिकारियों के बारे में पूछने लगा। फिर कहा कि मेरे घर के बगल में खाली प्लॉट पर कूड़ा फेंका जाता है। वहां की गंदगी से अक्सर सांप निकलते हैं। सांप निकलने की बात बताते हुए प्लॉट की सफाई कराने को कहते हैं तो अधिकारी कहते हैं कि सुबूत लाओ, आज सुबूत लेकर आया हूं। तकरीबन 10 मिनट तक वह व्यक्ति सांप को लेकर वहां घूमता रहा पर कोई अधिकारी नहीं मिला। दरअसल, यह सख्श क ई बार क्षेत्रीय सफाई अधिकारियों से खाली प्लाट से झाड़ झंकाड़ से शांप, बिच्छू और चूहे आने की शिकायत करता था, लेकिन अधिकारी समस्या को सुनने के बजाए टरकाने पर अमादा रहे। ऐसे में शनिवार को जोनल कार्यालय छह में हाथ में बेलचा लिए एक शख्स पहुंचता है। उसमें एक मरा हुआ सांप पड़ा हुआ था। नीचे वाले कक्ष में जाकर आरसी यादव के बारे में पूछता है। वहां से जवाब मिलता है कि पहली मंजिल पर उनका कक्ष है। शख्स वहां पहुंचता है और एक कर्मचारी से आरसी यादव के बारे में पूछता है। तब वहां मौजूद कर्मचारी उनसे काम पूछता है तो मरा हुआ सांप लिए शख्स बताता है कि वह बजीरबाग चरही से आया है। मो. असलम मुनीर नामक शख्स ने बताया कि वह दो साल से नगर निगम में शिकायत कर रहा है कि उसके घर के बगल वाले खाली प्लाट में कूड़ा फेंका जाता है। वहां गंदगी के कारण आए दिन सांप निकलते हैं पर नगर निगम सुन नहीं रहा है। घर में छोटे.छोटे बच्चे हैं, अगर बच्चों को सांप काट ले तो कौन जिम्मेदार होगा। फिर कहा कि फोन करने पर अधिकारी आरसी यादव कहते हैं कि सुबूत लेकर आओ, आज सुबूत लाया हूं। कुछ देर तक असलम मुनीर मरे हुए सांप को लेकर अधिकारियों को ढूंढते रहे। किसी अधिकारी के ना मिलने पर कर्मचारियों ने उन्हें शांत कराया। इस सबंध में जोनल अधिकारी मनोज यादव का कहना है कि खाली पड़े प्लाट में कूड़ा फेंके जाने को लेकर प्लाट मालिक को नोटिस दिया गया है। वहां की सफाई करवाई जाएगी।

छुट्टी में कैश काउंटर रहेंगे खुले जमा करा सकते हैं गृहकर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

नगर निगम का गृह और जलकर का जल व सीवर कर के बिल को सही और जमा करवाने के लिए रविवार को भी नगर निगम और जलकल विभाग के सभी जोनल कार्यालय और वहां के कैश काउंटर खुले रहेंगे। जिनको अपने गृहकर को लेकर कोई आपत्ति हो तो वह कार्यालय में जाकर उसका निस्तारण करवा सकते हैं। नगर निगम के दोनों ही विभागों के जोनल कार्यालयों पर काउंटर सुबह 10 से दोपहर दो बजे तक खुले रहेंगे। नगर निगम के मुख्य कर निर्धारण अधिकारी अशोक सिंह ने बताया कि गृहकरदाताओं की सुविधा और नगर निगम की गृहकर की आय में वृद्धि, कर निर्धारण व अन्य समस्त कार्यों के उद्देश्य को दृष्टिगत रखते ही रविवार को सार्वजनिक अवकाश पर भी नगर निगम के सभी आठों जोनों के कार्यालय और कैश काउंटर खुले रहेंगे। यहां आकर लोग गृह का कर निर्धारण कराते हुए अपना गृहकर जमा करा सकते हैं। जलकल मुख्यालय के अधिशासी अभियंता ने बताया कि जलकल के सभी जोनल कार्यालय रविवार को खुले रहेंगे। वहां पर अपना वाटर व सीवर टैक्स जमा करा सकते हैं। यदि किसी को टैक्स को लेकर कोई आपत्ति हो तो उसका निस्तारण भी इसी दौरान किया जाएगा।

फार्माकोविजिलेंस से संवेदनशील बनें आयुर्वेदिक चिकित्सकः डॉ. संजय सिंह

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान में संवेदीकरण कार्यशाला आयोजित

क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, लखनऊ ने राष्ट्रीय संगोष्ठी सुरक्षा और जागरूकता कार्यक्रम' आयुर्वेदिक दवाओं के लिए फार्माकोविजिलेंस पर संवेदीकरण कार्यशाला का आयोजन किया। इसमें आयुर्वेद निदेशालय के प्रभारी अधिकारी डॉ. महेंद्र विक्रम सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि इस तरह का संवेदीकरण कार्यक्रम आयुर्वेद हितधारकों के लिए जरूरी है। इससे डॉक्टरों, रोगियों और अंतत: आयुर्वेद को लाभ होगा। प्रभारी सहायक निदेशक डॉ. संजय कुमार सिंह ने इस कार्यक्रम के उद्देश्य के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य उत्तर प्रदेश भर में पंजीकृत आयुर्वेदिक चिकित्सकों को फार्माकोविजिलेंस के बारे में संवेदनशील बनाना है। कहा कि यह तभी संभव है कि अधिकाधिक प्रतिकूल दवा प्रतिक्रियाओं और भ्रामक विज्ञापनों की रिपोर्ट की जाए। अतिथि वक्ता राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेज बरेली के रीडर डॉ. मंदीप जायसवाल ने इस कार्यक्रम के पीछे की सोच और प्रशासनिक पहलू पर व्याख्यान दिया। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर के प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष डॉ. अनुपम श्रीवास्तव ने आयुर्वेदीय दवाओं के लिए फार्माकोविजिलेंस कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी। डॉ. अंजलि बी. प्रसाद ने व्याख्यान के माध्यम से आयुर्वेदिक चिकित्सा में फार्माकोविजिलेंस द्वारा औषधियों से सुरक्षा और जागरूकता बढ़ाने पर ज़ोर दिया। डॉ. श्रीकला वी. ने प्रतिकूल दवा प्रतिक्रियाओं और भ्रामक विज्ञापनों की रिपोर्ट कैसे करें, विषय पर प्रशिक्षण दिया।

प्रतिभावान खिलाड़ियों को मेडल व पुरस्कार देकर किया गया सम्मानित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तराखंड में आयोजित होने वाले 38वें राष्ट्रीय खेलों में प्रतिभाग के लिए लखनऊ जिला कलारीपयट्टू मार्शल आर्ट टीम के चयन के लिए चौक स्टेडियम में प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। पूर्व विधानसभा के विधायक ओपी श्रीवास्तव और एसोसिएशन प्रदेश सचिव प्रवीण गर्ग ने समापन अवसर पर प्रतिभावान खिलाड़ियों को मेडल व पुरस्कार वितरित कर सम्मानित किया। अमित टंडन और जिला अध्यक्ष अनुराग मिश्रा ने प्रात: दीप प्रज्वलन के साथ प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। जिला सचिव नितेश सिंह ने बताया कि सीनियर वर्ग के साथ ही सब जूनियर, जूनियर वर्ग में फाइट, हाई किक मेंयपट्टू, लाठी, तलवार ढाल, ढाल उर्मी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। दिव्यांशी चौरसिया, मुस्कान राजपूत, निखिल रावत, हन्नान, ज्योति, शिवांगी गौतम सनी, लकी सिंह गौतम, शिवम, अंशिका सिंह एनी दत्त, खुशी चौरसिया, दक्षेस सिंह, अनुभव सैनी, अनुराग गिरी, सूर्यांश सिंह, दक्षेस सिंह, समीक्षा सिंह, साहिल वर्मा, सनी, ज्योति ने विभिन्न स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक प्राप्त किये जो कल प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे।

न्याय व्यवस्था की यही चाह, अपराधियों को भी सुधरने का मौका दिया जाएः एसएन साबत

● यूपीएसआईएफएस में 'ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर्स' के प्रथम बैच का प्रशिक्षण हुआ पूरा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस, लखनऊ में जुलाई 2024 से लागू नए आपराधिक कानूनों के आलोक में एक सप्ताह का कैप्सूल कोर्स जो 23 दिसंबर 2024 को प्रारम्भ किया गया था, वह पूर्ण हुआ। जिसमें प्रदेश के विभिन्न जनपदों से 36 निरीक्षक, उपनिरीक्षकों ने प्रतिभाग किया।

प्रशिक्षण सत्र के समापन सत्र के मुख्य अतिथि महानिदेशक सीबीसीआईडी एसएन साबत ने इस अवसर पर प्रथम विजेता अजय कुमार (मुरादाबाद), द्वितीय वितेजा वरुण प्रताप (कानपुर नगर) व तृतीय वितेजा कुंवर पाल सिंह (बागपत) को सम्मानित भी किया। इस साप्ताहिक प्रशिक्षण सत्र में जनपद फतेपुर, बुलन्दशहर, बलिया, बरेली, गौतमबुद्धनगर, अलीगढ, आगरा, कौशाम्बी, मेरठ, कासगंज, जौनपुर, गोण्डा, पीलीभीत, वाराणसी, प्रतापगढ, बागपत, आजमगढ, अमरोहा तथा कानपुर नगर सहित पीटीएस मेरठ मिर्जापुर, गोरखपुर के निरीक्षक एवं उपनिरीक्षकों ने भाग लिया। इस अवसर पर महानिदेशक सीबीसीआईडी साबत ने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि हमें जीवन में ज्ञान बिपासू होना चाहिए । जब तक हमारे अन्दर सीखने की ललक पैदा नही होगी, तब तक हम कुछ सीख नहीं सकते। उन्होंने कहा कि नए कानून में 7 साल से अधिक की सजा सम्बन्धित अपराधों में फॉरेंसिक को अनिवार्यता दिया गया है । एक तरफ एआई व एक तरफ साइबर फ्राड हमारे लिए चुनौती है। डिजिटल अरेस्ट के प्रकरणों से लोग परेशान है, इन सभी चुनौतियों के लिए हमें तैयार रहना होगा। हम जो भी कार्य करें उसकी कानूनी रूप से वैधता होनी चाहिए, चाहे वह डाटा स्टोर का हो या किसी अन्य का। उन्होंने कहा कि त्वरित न्याय की स्थापना महत्वपूर्ण है, परन्तु उसमें पूर्वाग्रह या कोई अन्य दोष नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि न्याय व्यवस्था की चाह है कि अपराधियों को भी सुधरने का मौका दिया जाए। संस्थान के अपर पुलिस महानिदेशक/ संस्थापक निदेशक डॉ. जी.के.गोस्वामी ने प्रथम बैच के प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि संस्थान का उद्देश्य लीडरशिप तैयार करने का है, न कि किसी प्रकार की केवल गिनती। उन्होंने कहा कि ट्रेंनिग से बड़ा कार्य कोई नही हो सकता, क्योंकि आप आज जो भी सीखते है यह अगली जनरेशन के लिये उपयोगी होता है । उन्होंने कहा कि न्याय दिलाने का कार्य ईश्वर ने पुलिस को दिया है। पुलिस कार्य भी करती है लेकिन आपके भीतर दृष्टि होनी चाहिये। यदि न्याय दिलाने का कार्य आप कर रहे है, तो उसकी महत्ता इसी में है कि यह ईमानदारी से किया जाये । उन्होंने कहा कि आप पुलिस में इसलिए बड़े है कि आप ट्रेनर हैं। आप किसी अन्य को प्रशिक्षित भी करेंगे। इस अवसर पर संस्थान के अपर निदेशक राजीव मल्होत्रा ने प्रशिक्षणार्थियों को मनोयोग से प्रशिक्षण सत्र में भाग लेने एवं अनुशासन बनाये रखने के लिये साधुवाद दिया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ. जीके गोस्वामी ने महानिदेशक सीबीसीआईडी एसएन साबत को स्मृति-चिन्ह देकर सम्मानित किया। प्रशिक्षण सत्र में उपनिदेशक चिरंजीव मुखर्जी, फैकल्टी एसपी राय, डॉ अरुण खत्री, विवेक यादव, डॉ अभिषेक दीक्षित, एआर डॉ श्रुति दासगुप्ता, एआर चन्द्र मोहन सिंह, कार्तिकेय, जनसंपर्क अधिकारी संतोष तिवारी, प्रतिसार निरीक्षक बृजेश सिंह सहित अन्य उपस्थित रहे।

घूस मांगने के आरोपी कानूनगो को फील्ड से हटाया, आरके दफ्तर में किया अटैच

● शिकायत के बाद एसडीएम बृजेश कुमार वर्मा ने की कार्रवाई डीएम ने तलब की रिपोर्ट

संवाददाता। मोहनलालगंज

भूमि की पैमाइस और मेडबंदी के लिए किसान से घूस मांगने के आरोपी कानूनगो को फील्ड से हटा दिया गया है। पायनियर में प्रमुखता से खबर प्रकाशित होने के बाद एसडीएम बृजेश कुमार वर्मा ने कानूनगो को आरके दफ्तर से अटैच कर दिया है। उधर कानूनगो की शिकायत को लेकर डीएम सूर्यपाल गंगवार ने एसडीएम से विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। मोहनलालगंज तहसील के भोला का पुरवा निवासी किसान राम आसरे के बेटे विनय ने 7 दिसम्बर के सम्पूर्ण समाधान दिवस में एडीएम ज्योति गौतम और एसडीएम बृजेश कुमार वर्मा से शिकायत कर कानूनगो पर घूस मांगने का आरोप लगाया था। विनय ने अधिकारियों को घूस मांगने का वीडियो दिखाकर कार्रवाई की मांग की थी। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद एसडीएम ने तहसीलदार शशांक नाथ उपाध्याय को जांच के आदेश दिए थे। लेकिन मामले में अब तक कोई कार्रवाई नही सकी। जिसे लेकर पायनियर में प्रमुखता से खबर प्रकाशित होने के बाद हड़कंप मच गया। एसडीएम बृजेश कुमार वर्मा ने बताया आरोपी कानूनगो को फील्ड से हटाकर आरके दफ्तर में अटैच कर दिया गया है। फील्ड में दूसरे कानूनगो की तैनाती कर दी गई है। पूरे मामले की रिपोर्ट डीएम साहब को दी जाएगी।

मेड़बंदी के लिए भटक रहा किसान, एसडीएम की फटकार पर भी नहीं मिला न्याय

● सम्पूर्ण समाधान दिवस में शिकायत के बाद भी नही चेते बेलगाम कानूनगो

मोहनलालगंज। तहसील के बेलगाम कानूनगो कोर्ट के आदेश और शिकायतों को भी दरकिनार कर रहे हैं। लिहाजा पीड़ित किसानों को मेड़बंदी के लिए सालों तक अधिकारियों के चक्कर काटने पड़ रहे हैं। लेकिन बेफिक्र कानूनगो एसडीएम की हिदायत भी नजरअंदाज कर रहे हैं। मोहनलालगंज तहसील के बल्दी खेड़ा निवासी किसान राम अचल की जमीन के बंटवारे का आदेश 10 फरवरी 2022 को एसडीएम कोर्ट से हो गया था। दो वर्ष दस माह से पीड़ित रामअचल जमीन की मेडबंदी के लिए तहसील के चक्कर काट रहा है। लेकिन कानूनगो ने अब तक उनकी मेडबंदी नही कराई। रामअचल के मुताबिक कई बार मामले की शिकायत तहसील समाधान दिवस में भी की जा चुकी है। फिर भी कोई कार्रवाई नही हो सकी। 21 दिसंबर के तहसील समाधान दिवस में उन्होंने फिर से मामले की शिकायत दर्ज कराई। एसडीएम बृजेश कुमार वर्मा ने तहसीलदार को एक सप्ताह में मेड़बंदी कराकर रिपोर्ट देने के निर्देश दिए। लेकिन इस बार भी पीड़ित किसान को अब तक न्याय नही मिल सका है। लिहाजा न्याय की आस में एडियां रगड़कर थक चुके पीड़ित किसान ने सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई है।

अलविदा: हजारों जवाबों से अच्छी है मेरी खामोशी...

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को अंतिम विदाई देने के लिए उमड़ा जनसैलाब

'चिकित्सकीय सलाह का गंभीरता से करते थे पालन मनमोहन सिंह'

● पूर्व प्रधानमंत्री का इलाज करने वाले चिकित्सकों ने उन्हें बेहद विनम्र बताया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का उपचार करने वाले चिकित्सकों का कहना है कि वह बेहद विनम्र थे और सभी चिकित्सकीय सलाह का गंभीरता से पालन करते थे।

प्रधानमंत्री के चिकित्सा पैनल के अध्यक्ष रहे डॉ. श्रीनाथ रेड्डी ने याद करते हुए कहा प्रधानमंत्री बनने के तुरंत बाद डॉ. मनमोहन सिंह ने सफदरजंग लेन स्थित आवास पर घरेलू सहायकों को कहने के बजाय चाय रखने के लिए खुद ही छोटी सी मेज की व्यवस्था की, ताकि हम आराम से चाय पी सकें।

डॉ. रेड्डी ने मनमोहन सिंह को याद करते हुए कहा कि यह डॉ. सिंह के 7 रेसकोर्स रोड (अब लोककल्याण मार्ग) स्थित प्रधानमंत्री के आधिकारिक आवास में स्थानांतरित होने से कुछ ही दिन पहले की बात है, जिसे उस समय तैयार किया जा रहा था। वर्ष 2004 से 2014 के बीच दो बार प्रधानमंत्री रहे सिंह का बृहस्पतिवार को दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में निधन हो गया। वह 92 साल के थे। शनिवार को उनका अंतिम संस्कार किया गया। दिल्ली स्थित एम्स में हृदय रोग विभाग के पूर्व प्रमुख डॉ. रेड्डी मनमोहन सिंह को 2004 से जानते थे। डॉ. रेड्डी उन्हें ऐसे व्यक्ति के रूप में याद करते हैं, जो हमेशा चिकित्सकीय सलाह का पालन करते थे। पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया के संस्थापक अध्यक्ष ने कहा, जब डॉक्टर अपने तर्क समझाते थे, वह कभी उनकी सलाह पर आपत्ति नहीं जताते थे।

पूर्व प्रधानमंत्री नरसिंह राव के निजी चिकित्सक के रूप में काम कर चुके डॉ. रेड्डी ने कहा कि वह 2004 में प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुरोध के बावजूद मनमोहन सिंह के निजी चिकित्सक नहीं बन सके, क्योंकि तब तक वह दिल्ली एम्स में हृदय रोग विभाग के प्रमुख बन चुके थे। हालांकि, उन्होंने अग्रणी अस्पताल के बहुत सक्षम और कर्तव्यनिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञों डॉ. नीतीश नाइक और डॉ. अम्बुज रॉय के नामों की सिफारिश मनमोहन सिंह के निजी चिकित्सक और वैकल्पिक चिकित्सक के रूप में की।

इसके बावजूद, राव के समय से प्रधानमंत्री की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के बारे में डॉ. रेड्डी के अनुभव के कारण, उनके अधीन एक मेडिकल पैनल का गठन किया गया, जिसमें डॉ. नाइक, डॉ. रॉय और एम्स में एंडोक्राइनोलॉजी एवं मेटाबॉलिज्म विभाग के प्रमुख डॉ. निखिल टंडन सदस्य थे।

उन्होंने मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्री के रूप में दस वर्षों (2004-14) के कार्यकाल के दौरान आधिकारिक तौर पर तथा उसके बाद उनके अंतिम दिनों तक अनौपचारिक रूप से उनकी स्वास्थ्य आवश्यकताओं का ध्यान रखा। डॉ. रेड्डी ने कहा, वह बेहद विनम्र और सौम्य व्यक्ति थे। जब भी हम उनके निवास पर उनसे मिलने जाते थे, तो वह हमें कार तक छोड़ने आते थे। उन्होंने बताया कि जनवरी

2009 में जब सिंह को दोबारा कोरोनरी धमनी बाईपास ग्राफ्टिंग (सीएबीजी) करवानी पड़ी, तो पूर्व प्रधानमंत्री ने जोर दिया कि वह यह उपचार एम्स दिल्ली में ही करवाएंगे, न कि विदेश में किसी अस्पताल में। उस समय, डॉक्टरों में इस बात पर मतभेद था कि मनमोहन सिंह को दोबारा एंजियोप्लास्टी करवानी चाहिए या दोबारा बाईपास सर्जरी करवानी चाहिए। सिंह की पहली सीएबीजी 1990 में ब्रिटेन में की गई थी।

डॉ. रेड्डी ने कहा, जब मैंने उन्हें दोनों उपचार के फायदे और नुकसान के बारे में समझाया, तब वह कैथ लैब में थे। मुझे अच्छी तरह याद है कि उन्होंने 30 सेकंड का समय लिया और फिर कहा...चलो सर्जरी के लिए चलते हैं। उनकी सोच बिल्कुल स्पष्ट थी। उन्होंने याद किया कि यह घटना गणतंत्र दिवस समारोह से कुछ दिन पहले की है और प्रधानमंत्री के लिए उनका साहस असामान्य था। डॉ रेड्डी ने कहा, कोई भी प्रधानमंत्री समारोह खत्म होने का इंतजार करता और लोगों के सामने बीमार के रूप में नहीं दिखना चाहता। लेकिन उन्होंने चिकित्सा सलाह को स्वीकार किया और बहुत जल्दी एक सूचित निर्णय लिया।

संदीप दीक्षित जासूसी मामले में जांच के आदेश

● पूर्वी सांसद ने आप पर लगाया था चुनाव से पहले नकदी लाने का आरोप, एलजी ने मांगी तीन दिन के अंदर रिपोर्ट

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने जासूसी और अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले पंजाब से बड़ी मात्रा में नकदी दिल्ली लाए जाने के कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित के आरोप पर जांच के आदेश दे दिए हैं। दीक्षित ने 25 दिसंबर को लिखे पत्र में दिल्ली में अपने आवास के बाहर पंजाब सरकार के खुफिया कर्मियों की कथित मौजूदगी का जिक्र किया।

उन्होंने आरोप लगाया कि इन कर्मियों से जुड़े आधिकारिक वाहन अकसर उनके घर के बाहर देखे जाते हैं, जो कहीं न कहीं निगरानी का संकेत है। हालांकि, आम आदमी पार्टी (आप) की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिल पाई। दिल्ली और पंजाब दोनों जगह आप की सरकार है। सक्सेना ने आरोपों पर तीन दिन के भीतर रिपोर्ट मांगी है।

दीक्षित ने इसके अलावा पंजाब सरकार पर चुनाव से पहले मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए दिल्ली में बड़ी मात्रा में नकदी (करोड़ों में) भेजने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि हरियाणा और राजस्थान होकर कुछ निजी वाहन दिल्ली आ रहे हैं जो अकसर पंजाब पुलिस की सुरक्षा में होते हैं।

उपराज्यपाल कार्यालय ने दिल्ली पुलिस आयुक्त को शहर की सीमाओं पर वाहनों की जांच करने के लिए तत्काल कदम उठाने का आदेश दिया, खासकर ऐसे वाहन जो पंजाब से आते हैं। पंजाब, हरियाणा और राजस्थान के पुलिस महानिदेशकों को हाई अलर्ट पर रहने और किसी भी असामान्य गतिविधि पर नजर रखने की सलाह दी गई है। दिल्ली के मुख्य सचिव को निर्देश दिया गया कि वह मुख्य निर्वाचन अधिकारी को सूचित करें कि चुनाव की तारीख नजदीक आते ही सतर्कता बढ़ा दी जाए। दिल्ली में फरवरी में विधानसभा चुनाव होना है।

महिला सम्मान योजना से घबराई भाजपा : केजरीवाल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● जांच को खारिज करते हुए कहा आप प्रमुख ने कहा, योजना को रोकने की हो रही कोशिश

आम आदमी पार्टी (आप) प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) महिला सम्मान योजना के तहत महिलाओं को 2,100 रुपए देने की घोषणा से घबरा गई है और आगामी विधानसभा चुनाव में हार के डर से वह इस योजना को रोकने की कोशिश कर रही है।

केजरीवाल ने संवाददाताओं को संबोधित करते हुए योजना के तहत पंजीकरण के माध्यम से महिलाओं के विवरण एकत्र करने की जांच के लिए उपराज्यपाल द्वारा दिए गए आदेश को भी फर्जी करार दिया और कहा कि यह वादा एक चुनावी घोषणा थी। केजरीवाल ने कहा, हमने दिल्ली में सरकार बनाने के बाद महिला सम्मान योजना के तहत दिल्ली की सभी पात्र महिलाओं को 2,100 रुपए प्रति माह और संजीवनी योजना के तहत वरिष्ठ नागरिकों के मुफ्त इलाज की घोषणा की। वे (उपराज्यपाल) क्या जांच करने जा रहे हैं? केजरीवाल ने आरोप लगाया कि भाजपा, दिल्ली सरकार की इन योजनाओं को सिर्फ इसलिए रोकने की कोशिश कर रही है ताकि फरवरी में होने वाले चुनाव में उसे आप को हराने का मौका मिल सके।

इससे पहले दिन में उपराज्यपाल कार्यालय ने एक पत्र साझा किया, जिसमें महिला सम्मान योजना के नाम पर महिलाओं के निजी विवरण एकत्र करने वाले लोगों के खिलाफ जांच की घोषणा की गई थी।

पत्र के मुताबिक, दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव, मुख्य निर्वाचन कार्यालय के माध्यम से भारतीय निर्वाचन आयोग के संज्ञान में यह मामला ला सकते हैं क्योंकि कथित प्रचार चुनाव से पहले हो रहा है।

बिधूड़ी ने एलजी के निर्णय का किया स्वागत

● कहा, झूठ, फरेब और धोखे की राजनीति बंद होनी चाहिए

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दक्षिण दिल्ली से भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने आम आदमी पार्टी की महिला सम्मान और संजीवनी योजना की उपराज्यपाल द्वारा जांच कराने के आदेश का स्वागत किया है। उन्होंने कहा है कि आम आदमी पार्टी की झूठ, फरेब और धोखे की राजनीति बंद होनी चाहिए।

बिधूड़ी ने कहा कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार और अगर उनके मन में खोट नहीं होता तो वह सरकारी तौर पर इन योजनाओं का रजिस्ट्रेशन कराती लेकिन उसने ऐसा नहीं किया और आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं को घर-घर पर भेजकर गैरकानूनी रूप से रजिस्ट्रेशन का ढोंग किया। इसी वजह से दिल्ली सरकार के विभागों को ही यह सार्वजनिक नोटिस जारी करना पड़ा कि ये योजनाएं फर्जी हैं। इन योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को बरगलाया जा रहा है कि उन्हें 2100 रुपए की सम्मान राशि दी जाएगी जबकि योजना का नोटिफिकेशन तक नहीं हुआ। इसी तरह स्वास्थ्य विभाग ने भी कहा है कि संजीवनी योजना पूरी तरह से फर्जी है।

बिधूड़ी ने कहा कि दिल्ली विधानसभा चुनावों के दौरान पड़ोसी राज्यों और विशेषकर पंजाब में करोड़ों रुपए का काला धन दिल्ली आने की आशंका है। इसीलिए उपराज्यपाल महोदय ने दिल्ली पुलिस को इस बार में सजग रहने के लिए कहा है।

शीश महल का सच जनता को बताएं : विजेंद्र गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने शनिवार को एक बार फिर पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सरकारी आवास 6, फ्लैग स्टाफ रोड में किए गए अवैध निर्माण और उसमें लगे बेशकीमती संसाधनों को लेकर निशाना साधा। नेता प्रतिपक्ष ने आप प्रमुख को चुनौती देते हुए कहा कि वे खुद सामने आकर जनता को अपने इस शीश महल का काला सच बतायें। क्योंकि जनता जानना चाहती है कि आखिर इस शीश महल का सच क्या है। इसके अंदर ऐसे आखिर कौन से राज दफन हैं जिन्हें जनता से छुपाया जा रहा है।

गुप्ता ने केजरीवाल से सवाल किया कि आखिर उनकी ऐसी क्या योजना थी जिसमें 200 करोड़ रुपये की लागत से अवैध निर्माण करने की तैयारी की जा रही थी । गुप्ता 6, फ्लैग स्टाफ रोड से सटे 45 और 47 राजपुर रोड पर स्थित टाइप-5 के आठ फ्लैट तोड़कर व 8-ए और 8-बी के दो बंगलों को मिलाकर 50,000 वर्ग गज यानी 10 एकड़ के विशाल क्षेत्र में मुख्यमंत्री के लिए आलीशान शीश महल खड़ा कर दिया गया।

आप विस चुनाव में कराना चाहती है धांधली : सचदेवा

● दिल्ली भाजपा अध्यक्ष फर्जी मतदाता पहचान पत्र बनवाने का लगाया आरोप

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली भाजपा ने अरविंद केजरीवाल पर फर्जी योजनाओं को बढ़ावा देने और फर्जी आधार कार्ड के आधार पर फर्जी मतदाता पहचान पत्र बनवाकर आगामी विधानसभा चुनावों में धांधली करने का आरोप लगाया है।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने एक संवाददाता सम्मेलन में ये आरोप लगाते हुए उन हिंदू मकान मालिकों को भी पेश किया, जिनके पते का इस्तेमाल फर्जी मुस्लिम वोट बनाने के लिए किया गया। उन्होंने कहा कि पांच सदस्यों वाले घरों में अचानक 60 या उससे अधिक मुस्लिम मतदाता दर्ज किए गए। सचदेवा ने आरोप लगाया कि केजरीवाल अपने विधायकों के साथ मिलकर चुनाव जीतने के लिए पिछले 10 सालों से फर्जी मतदाता योजना चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि मतदाता इतिहास एक संदिग्ध प्रवृत्ति दिखाता है। 2015 के विधानसभा चुनावों से पहले, दिल्ली में मतदाताओं की संख्या केवल आठ महीनों में 14 लाख बढ़ी, जो 2014 के लोकसभा चुनावों में लगभग 1.19 करोड़ से बढ़कर 1.33 करोड़ हो गई।

इसके बाद, 2019 के लोकसभा चुनावों तक के अगले चार वर्षों के दौरान केवल छह लाख मतदाता जुड़े। लेकिन 2020 के विधानसभा चुनाव से ठीक आठ महीने पहले मतदाताओं की संख्या में नौ लाख का इज़ाफा हुआ और यह 1.48 करोड़ से ज़्यादा हो गई।

सचदेवा ने दावा किया कि उन्होंने फिर से इस चक्र को दोहराने की कोशिश की। भाजपा की जांच के कारण इस बार ऐसे ज़्यादातर मतदाता आवेदन खारिज कर दिए गए, लेकिन अब हाल ही में दिल्ली भर में कई फ़र्जी मतदाता फ़ॉर्म ऑनलाइन जमा किए गए हैं। भाजपा की मांग है कि चुनाव आयोग दिल्ली में इन नए मतदाता आवेदनों की गहन जांच करे।

संक्षिप्त समाचार

समर्पण उत्सव में शास्त्रीय नृत्य का आयोजन

नई दिल्ली। राजधानी के कमानी ऑडिटोरियम में शास्त्रीय नृत्य को समर्पित 'समर्पण उत्सव' में 100 से अधिक कलाकारों ने मन मोह लिया। समर्पण कला केंद्र द्वारा आयोजित इस उत्सव की स्थापना प्रसिद्ध कत्थक नृत्यांगना ऋतु गुप्ता ने की है। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पं. जयकिशन महाराज, रूबी मिश्रा (प्रसिद्ध कथक गुरु), और डॉ. राजरिशी कसूधन भी शामिल रहे। कार्यक्रम में छात्रों ने कथक और भरतनाट्यम जैसे शास्त्रीय नृत्य रूपों की शानदार प्रस्तुतियां दीं। संस्थान के अध्यक्ष बृजेश गुप्ता ने कहा कि समर्पण कला केंद्र का उद्देश्य भावी पीढ़ियों को शास्त्रीय नृत्य और संगीत की उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान करना है।

लाइसेंस के बिना इवेंट करने पर कार्रवाई

नई दिल्ली। नव वर्ष व अन्य आयोजनों पर लाउंज बारों में बिना लाइसेंस संगीत बजाने को लेकर कनॉट प्लेस और खान मार्किट में दिल्ली पुलिस ने फोनोग्राफिक परफॉर्मेंस लिमिटेड (पीपीएल) की शिकायत पर 12 लाउंज बारों पर एक साथ कार्यवाही की। पीपीएल एक संस्था है जिसमें करीब 450 राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय म्यूजिक कंपनियां शामिल हैं। इसी सिलसिले में पीपीएल के अधिकारी धर्मेन्दर कपूर ने कॉपीराइट कानून के उल्लंघन पर शिकायत दर्ज करवाई थी। पीपीएल ने बिना लाइसेंस म्यूजिक चलाने वाले 162 होटलों और बारों को भी नोटिस जारी किया है। ज्ञात रहे कि किसी भी कमर्शियल प्लेस जैसे की होटल, लाउंज बार, रेस्टोरेंट, बार, नाईट क्लब, मॉल्स, डीजे आदि पर संगीत का व्यावसायिक इस्तेमाल करने वालों को कॉपीराइट एक्ट के अंतर्गत लाइसेंस/एनओसी लेना अनिवार्य है। कॉपीराइट एक्ट का उलंघन अपराध है जिसके तहत सजा व जुर्माने का प्रावाधान है।

राकांपा ने 11 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की

नई दिल्ली। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने दिल्ली विधानसभा के आगामी चुनाव के लिए शनिवार को 11 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची जारी कर दी।

पार्टी ने बादली से मुलायम सिंह को दिल्ली कांग्रेस प्रमुख देवेंद्र यादव के खिलाफ टिकट दिया है। बुराड़ी से रतन त्यागी, चांदनी चौक से खालिद, बल्ली मारन से मोहम्मद हारुन और ओखला से इमरान सैफी को मैदान में उतारा है। छतरपुर से नरेंद्र तंवर, लक्ष्मी नगर से नमहा, गोकुलपुरी से जगदीश भगत, मंगोलपुरी से खेम चंद, सीमापुरी से राजेश लोहिया और संगम विहार से कमर अहमद को प्रत्याशी बनाया है। दिल्ली विधानसभा के लिए चुनाव अगले वर्ष फरवरी में होने की उम्मीद है।

आप ने मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार पर भाजपा को घेरा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● स्मारक के लिए राजघाट परिसर में जगह आवंटित न करने पर निंदा की

आम आदमी पार्टी (आप) ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार और स्मारक के लिए राजघाट परिसर में जगह आवंटित न करने पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कड़ी निंदा की है।

आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा, मैं यह सुनकर स्तब्ध हूं कि भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार निगमबोध घाट पर किया गया। अब तक भारत के सभी पूर्व प्रधानमंत्रियों का अंतिम संस्कार राजघाट पर ही किया गया है।

आप ने भाजपा से अपना रुख स्पष्ट करने और सिंह के परिवार और सिख समुदाय से माफी मांगने की मांग की। केजरीवाल ने आगे सवाल किया, डॉ. मनमोहन सिंह, जो सिख समुदाय से आते थे, जिन्होंने वैश्विक स्तर पर पहचान बनाई।

नव वर्ष की पूर्व संध्या के लिए यातायात पुलिस का परामर्श जारी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● समारोहों की व्यवस्था व पाबंदियों की दी जानकारी

दिल्ली पुलिस ने राष्ट्रीय राजधानी भर में (खासकर कनॉट प्लेस में) नव वर्ष की पूर्व संध्या पर आयोजित होने वाले समारोहों के दौरान लागू की जाने वाली व्यवस्था और पाबंदियों को लेकर यातायात परामर्श जारी किया है।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि शहर के विभिन्न इलाकों में पर्याप्त संख्या में यातायात कर्मी तैनात किए जाएंगे। मुख्य रूप से बाजारों, नजदीकी मॉल और कनॉट प्लेस तथा हौज खास जैसे उन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा जहां लोग समारोह में भाग लेने के लिए आते हैं। कनॉट प्लेस क्षेत्र के आसपास के क्षेत्रों के लिए विशेष यातायात व्यवस्था की है क्योंकि नए साल की पूर्व संध्या का जश्न मनाने के लिए इस क्षेत्र में भारी भीड़ के उमड़ने की उम्मीद है।

कनॉट प्लेस क्षेत्र में मंगलवार रात आठ बजे से नए साल के जश्न के खत्म होने तक पाबंदियां लागू रहेंगी। पुलिस उपायुक्त ढाल सिंह ने कहा कि यह परिवहन के सभी निजी और सार्वजनिक वाहनों पर लागू होगा। डीसीपी ने कहा कि नशे में गाड़ी चलाने, तेज गति से गाड़ी चलाने, बाइक से स्टंट करने, लापरवाही से गाड़ी चलाने, जिग-जैग और खतरनाक तरीके से वाहन चालाने समेत अन्य गतिविधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

गैस लीक होने से नमकीन फैक्ट्री में विस्फोट, छह झुलसे

● ओवन में बिस्कुट पकाते समय हुआ हादसा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के नजफगढ़ इलाके में शनिवार को नमकीन की एक फैक्ट्री में आग लगने से हुए विस्फोट में छह कर्मचारी झुलस गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के एक अधिकारी ने बताया कि सुबह आठ बजकर 16 मिनट पर आग लगने की सूचना मिली जिसके बाद दमकल की 17 गाड़ियों को मौके पर भेजा गया।

उन्होंने बताया कि आग मनु नमकीन फैक्ट्री द्वारा संचालित दो मंजिला विनिर्माण इकाई के भूतल पर लगी थी। उन्होंने बताया कि आग लगने से हुए विस्फोट में फैक्ट्री के अंदर मौजूद छह कर्मचारी झुलस गए, जिन्हें दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल ले जाया गया। अपराह्न 11:30 बजे आग पर काबू पा लिया गया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने

बताया, घायलों की पहचान शिवम (23), अमित (35), अमित सिंह (26), चंदन (22), जयपाल (40) और वासुदेव (50) के रूप में हुई है। बाद में उन्हें सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया। अधिकारी ने बताया कि उस समय भूतल पर कर्मचारी ओवन में बिस्कुट पका रहे थे।

गैस सिलेंडर का इस्तेमाल किया जा रहा था। अधिकारी ने बताया कि ऐसा प्रतीत होता है गैस सिलेंडर का पाइप लीक होने से आग लगी और बाद में विस्फोट हो गया। उन्होंने बताया कि मामले में जांच की जा रही है।

जेएनयू के गोदावरी हॉस्टल में लगी आग

नई दिल्ली। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के गोदावरी छात्रावास में आग लगने की जानकारी सामने आई है। हालांकि इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।जेएनयू छात्र संघ (जेएनयूएसयू) द्वारा साझा किए गए वीडियो में एक इलेक्ट्रिकल पैनल बोर्ड से आग की लपटें और धुआं निकलता हुआ दिखाई दे रहा है। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) ने कहा कि आग शुक्रवार रात एक एयर-कंडीशनिंग यूनिट में लगी थी। डीएफएस के एक अधिकारी ने कहा, हमें रात 10.18 बजे एक कॉल मिली। यह इलेक्ट्रिकल उपकरण में मामूली आग थी। एक दमकल गाड़ी को मौके पर भेजा गया और आग बुझाने में 15 मिनट लगे। जेएनयू की कुलपति शांतिश्री धुलीपुडी पंडित ने कहा कि आग पर तुरंत काबू पा लिया गया। उन्होंने कहा, मैंने सुबह गोदावरी हॉस्टल का दौरा किया। वेस्ट विंग की तीसरी मंजिल पर शॉर्ट सर्किट हुआ।

स्वस्थ जीवन के लिए खेलकूद अति आवश्यक-डॉ मनीषा कुलश्रेष्ठ

बीजपुर/सोनभद्र। सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए डीएवी पब्लिक स्कूल एनटीपीसी रिहंदनगर में आयोजित दो दिवसीय वार्षिक खेल उत्सव स्पर्धा का समापन शनिवार को किया गया। समापन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित धन्वंतरि चिकित्सालय, एनटीपीसी, रिहंदनगर की मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ मनीषा कुलश्रेष्ठ एवं विशिष्ट अतिथि अपर महाप्रबंधक मुकेश कुमार रहे। प्राचार्य राजकुमार ने वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य मुख्यअतिथि का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। इसके पूर्व शुक्रवार को इस दो दिवसीय खेल स्पर्धा का शुभारंभ एनटीपीसी रिहंद स्टेशन के मुख्य महाप्रबंधक पंकज मेदीरत्ता ने बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित होकर अन्य सह अतिथि वर्तिका महिला मंडल की अध्यक्षा अनिता मेदीरत्ता,महाप्रबंधक संजय असाटी,अपर महाप्रबंधक मानव संसाधन बी के पाण्डेय एवं केंद्रीय विद्यालय रिहंदनगर के प्राचार्य लालसा साह के साथ परंपरागत ढंग से करते हुए विद्यालय के प्रगति की प्रशंसा करके विद्यालय परिवार का मनोबल बढ़ाया था। समापन अवसर पर मुख्य अतिथि के समक्ष रस्सा कसी का फाइनल मुकाबला हुआ। दो दिवसीय वार्षिक खेल उत्सव में अरविंद सदन को विजेता तथा श्रद्धानंद सदन को उपविजेता घोषित किया गया। अरविन्द सदन की हाऊस मिस्ट्रेस मीना सिंह अपने सहयोगियों एवं प्रतिभागियों के साथ मुख्य अतिथि से सिल्ड प्राप्त किया। श्रद्धानंद सदन के हाऊस मास्टर सौरभ कुमार एवं ज्योत्स्ना यादव ने अपने सहयोगियों एवं प्रतिभागियों के साथ उपविजेता का सिल्ड प्राप्त किया। मुख्य अतिथि ने खेल ध्वज को उतार कर प्राचार्य राजकुमार को सौंप दिया। तत्पश्चात मुख्य चिकित्साधिकारी ने खेल उत्सव के समापन की घोषणा की। डॉ मनीषा कुलश्रेष्ठ ने विद्यार्थियों को बताया कि खेलकूद स्वस्थ जीवन के लिए अतिआवश्यक है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर में हीं स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है। मुकेश कुमार ने बताया कि डीएवी से मैं वर्षों से जुड़ा रहा हूं। यहां जो संस्कार दिया जाता है वह अपने आप में बेमिसाल है। प्राचार्य राजकुमार ने दो दिवसीय खेल स्पर्धा के दौरान आए हुए मुख्य अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका अभिनंदन करते हुए आभार व्यक्त किया। संचालन दीक्षा दुबे दीपाली केसरी एवं शैलजा यादव ने किया। धन्यवाद ज्ञापन कक्षा ग्यारहवीं का छात्र शादाब नैय्यर खान ने किया। कार्यक्रम में डॉ आर के झा वरिष्ठ शिक्षक अनंत मोहन सीसीए कोऑर्डिनेटर डॉ राजेश श्रीवास्तव प्रभा सिंह खेल शिक्षक मनोज पाण्डेय एस पी तिवारी समता सिंह डी सी शुक्ला रंजना सिंह शगुफ्ता सबनम आदि के साथ साथ पूरा विद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

एनटीपीसी के 50वर्षों की यात्रा पर आधारित, लगाई गई प्रदर्शनी

सोनभद्र। विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी एनटीपीसी विंध्याचल नें विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा आयोजित भोपाल विज्ञान मेला में भाग लिया। यह महोत्सव जंबूरी मैदान, भोपाल में आयोजित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य विज्ञान और नवाचार को जन-जन तक पहुंचाना है। इस मेले में विभिन्न क्षेत्रों में नवीनतम शोध, प्रौद्योगिकी और विकास के बारे में जानकारी प्रदान की जा रही है। इस महोत्सव में एनटीपीसी विंध्याचल के साथ साथ खरगोन परियोजना नें भी सयुंक्त रूप से भाग लिया। यह महोत्सव भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव का ग्यारहवाँ संस्करण है। एनटीपीसी पवेलियन इस मेले का मुख्य आकर्षण बना हुआ है। यहां पर प्रदर्शित कई नवाचारी प्रौद्योगिकियां और कार्यशील मॉडल दर्शकों को आकर्षित कर रहे हैं। पवेलियन में एनटीपीसी की पर्यावरणीय सततता, ऊर्जा उत्पादन, और सामुदायिक विकास के प्रयासों को प्रदर्शित करने वाले कई महत्वपूर्ण एलईडी डिस्प्ले और प्रदर्शनी लगाई गई हैं। इनमें खास तौर पर 10 टीपीडी कार्बन-टू-मेथेनॉल प्लांट का कार्यशील मॉडल शामिल है, जो पर्यावरणीय दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी का उदाहरण प्रस्तुत करता है। इसके अलावा, एनटीपीसी ने प्रदर्शनी में वीआर गेम्स पावर क्विज़ और एक कार्यशील डायोरामा पेश किया है, जो पारंपरिक ऊर्जा उत्पादन से लेकर नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में हो रही प्रगति को दर्शाता है। साथ ही एनटीपीसी के 50 वर्षों की गौरवमयी यात्रा पर आधारित एक प्रदर्शनी भी लगाई गई है, जिसमें कंपनी के विकास, नवाचार और समाज सेवा के क्षेत्र में किए गए कार्यों को दिखाया गया है। इस मौके पर एनटीपीसी विंध्याचल की टीम में शामिल किरण दीवाकर, शंकर सुब्रमणियम वी, दिनेश कुमार मीना ने दर्शकों से संवाद किया और उनके सवालों का जवाब दिया। भोपाल विज्ञान मेला ने एनटीपीसी को एक ऐसा मंच प्रदान किया है, जहां वह अपनी तकनीकी उत्कृष्टता, नवाचार और समर्पण को जन-जन तक पहुंचा सकता है और आगामी पीढ़ी को प्रेरित कर सकता है।

विजय राय अध्यक्ष, श्यामेन्द्र अग्रवाल सचिव मनोनीत

प्रयागराज। पदम इन्क्लेव रेजिडेंट वेलफेयर सोसाइटी डांडी नैनी की कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह शुक्रवार को संपन्न हुआ। पदम इन्क्लेव के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को महापौर उमेश चन्द्र गणेश केशरवानी अपर नगर आयुक्त अखिलेश त्रिपाठी ने सभी पद तथा निष्ठा की शपथ दिलाई। शपथ लेने वालों में अध्यक्ष विजय राय उपापक्ष कमल सिंह सचिव श्यामेन्द्र अग्रवाल कोषाध्यक्ष नीरज जायसवाल शामिल रहे। इस अवसर पर महापौर गणेश केसरवानी ने हर सम्भव मदद देने का भरोसा दिखाया। इस अवसर आशीष कुमार आशुतोष मिश्रा रत्नेश सिंह हर्ष परिहार विनय सिंह संदीप सिंह कमलेश श्रीवास्तव नवीन श्रीवास्तव अनुराग पाण्डेय सुनीता सिंह अशोक मालवीय उपस्थित थे।

महाकुम्भ में तैनात हुआ अत्याधुनिक मल्टी डिजास्टर रिस्पांस व्हीकल, आपदाओं से निपटने में होगा कारगर

आधुनिक उपकरणों से लैस व्हीकल प्राकृतिक आपदा से लेकर सड़क दुर्घटना तक किसी तरह की भी आपदा से निपटने में सक्षम

महाकुम्भ नगर। महाकुम्भ की तैयारियों के बीच एक और बड़ी पहल की गई है। अब महाकुम्भ के विशाल आयोजन में किसी भी प्रकार की आपदा से निपटने के लिए अत्याधुनिक मल्टी डिजास्टर रिस्पांस व्हीकल को मैदान में उतारा गया है। इस वाहन में कई आधुनिक सुविधाएं और उपकरण शामिल हैं जो आपात स्थिति में लोगों की जान बचाने और आपदा प्रबंधन को आसान बनाने में मदद करेंगे। महाकुम्भ के नोडल और मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रमोद शर्मा के अनुसार यह वाहन विभिन्न अत्याधुनिक उपकरणों से लैस है जो प्राकृतिक आपदाओं से लेकर सड़क दुर्घटनाओं तक हर परिस्थिति में उपयोगी साबित होंगे। दस से बीस टन क्षमता वाले लिफ्टिंग बैग के जरिए वाहन मलबे के नीचे दबे लोगों को आसानी से बाहर निकालने में सक्षम है। यही नहीं डेढ़ टन तक की भारी वस्तुओं को उठाने और स्थानांतरित करने के लिए इसमें विशेष मशीनें फिट की गई हैं। आपदा के दौरान मजबूत मलबे को काटने और फैलाने के लिए वाहन में विशेष टूल्स उपलब्ध हैं। इसके साथ ही यह विक्टिम लोकेशन कैमरा से भी लैस है जो मलबे या ध्वस्त संरचनाओं में फंसे लोगों को खोजने में अत्यंत मददगार है। उन्होंने बताया कि इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के संचालन के लिए इनबिल्ट जनरेटर की सुविधा है जो कठिन परिस्थितियों में भी काम करेगा। इसके अतिरिक्त वाहन में रेस्क्यूवर की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कई प्रकार के प्रोटेक्टिव इक्विपमेंट्स रखे गए हैं। इसमें लाइफ जैकेट लाइफ रिंग रेस्क्यू कांटा और लाइफ बाय जैसे उपकरण हैं जो इसे और उपयोगी बनाते हैं। अग्नि आपदाओं के दौरान तापमान की सही जानकारी के लिए वाहन में टेंपरेचर मेजरिंग डिवाइस उपलब्ध है।

आपदाओं से निपटने में मिलेगी मजबूती

प्रयागराज। इस मल्टी डिजास्टर रिस्पांस व्हीकल की तैनाती के बाद महाकुम्भ के दौरान संभावित आपदाओं से निपटने में प्रशासन को काफी मदद मिलेगी। यह वाहन न केवल कुम्भ मेले के लिए बल्कि अन्य आपदा प्रबंधन अभियानों के लिए भी उपयोगी साबित होगा। उन्होंने बताया कि महाकुम्भ के दौरान इस अत्याधुनिक व्हीकल के उपयोग से आपदा प्रबंधन को मजबूती मिलेगी और महाकुम्भ जैसे बड़े आयोजन में लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक बड़ी उपलब्धि होगी।

संतों के साथ बेजुबानों को भी रास आ रही है महाकुम्भ नगर की भव्य दुनिया

मनीष द्विवेदी। महाकुम्भ नगर

प्रयागराज में संगम की रेती पर आयोजित होने जा रहे महाकुम्भ में अभी से भक्ति साधना और अध्यात्म की त्रिवेणी प्रवाहित हो रही है। महाकुम्भ के अखाड़ा सेक्टर में नागा संन्यासियों के शिविर में इसके विभिन्न रंग देखने को मिल रहे हैं। यहां नागा संन्यासियों के पशु प्रेम ने सबका दिल जीत लिया है। महाकुम्भ नगर के अखाड़ों के शिविरों में संन्यासियों की एंट्री हो चुकी है। देश के कोने कोने से आए अद्भुत साधक और संन्यासी यहां दिखने लगे हैं। इनमें कुछ अपने पशु जीव प्रेम के लिए अलग नजर आ रहे हैं। मध्य प्रदेश के नरसिंह पुर से महाकुम्भ आए महंत श्रवण गिरी के एक हाथ में भगवान गणेश के नाम जाप की माला रहती है तो दूसरे हाथ में डॉगी लाली का पट्टा। लाली उनके लिए बेजुबान जानवर नहीं बल्कि उनके लिए उनकी साधना का हिस्सा है। महंत श्रवण गिरी बताते है कि 2019 के कुम्भ में प्रयागराज से काशी जाते समय रास्ते में उन्हें लाली मिली थी। दो महीने की लाली तब से उनके साथ है। जब वह साधनारत होते हैं तो लाली शिविर के बाहर उनकी रखवाली करती है। इतना ही नहीं लाली का हेल्थ कार्ड भी उन्होंने बनवाया है जिसमें उसे निशुल्क उपचार मिलता है।

हंत तारा गिरी की आंखों का तारा है सोमा

प्रयागराज। महाकुम्भ के अखाड़ा सेक्टर में महंत श्रवण गिरी अकेले पेट लवर नहीं हैं। गुड़गांव के खेटाबास आश्रम से महाकुम्भ आए जूना अखाड़े के श्री महंत तारा गिरी अपने पेट सोमा के साथ ही अखाड़े के बाहर धूनी रमा रहे हैं। श्री महंत तारा गिरी बताते हैं कि सोमवार के दिन सोमा का जन्म हुआ था इसलिए उसका नाम सोमा रखा गया। सोमा की देखभाल महंत तारा गिरी की शिष्या पूर्णा गिरी करती हैं। पूर्णा गिरी बताती हैं कि साधु संतों के कोई परिवार या बच्चे तो होते नहीं हैं ऐसे में यहीं सोमा जैसे पेट ही उनकी संतान है जिसे वो एक अतिथि की तरह रखती है। सोमा भी उनकी तरह तिलक लगाती है अपनी जटाएं बंधवाती हैं। सोमा भी पूरी तरह सात्विक भोजन ग्रहण करती है। पूर्णा गिरी बताती है कि जितना समय उन्हें अपनी साधना के लिए तैयार होने में नहीं लगता उससे अधिक सोमा को सजाने संवारने में लगता है।

पुलिस व राजस्व कर्मी टीम बनाकर भूमि सम्बन्धी विवादों का करें समाधान-डीएम

थाना समाधान दिवस पर जन समस्याओं का हुआ निस्तारण

सोनभद्र। महीने के द्वितीय शनिवार को थाना समाधान दिवस का आयोजन जिले के सभी थानों मे आयोजित किया गया, कोतवाली राबर्ट्सगंज में जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह व पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने थाना समाधान दिवस के मौके पर जनता की समस्याओं को बड़े सहज भाव से सुना और मौके पर मौजूद राजस्व विभाग के कर्मचारियों व पुलिस कर्मियों को को निर्देशित करते हुए कहा कि आपस में समन्वय स्थापित कर नागरिकों की समस्याओं का निस्तारण ससमय व गुणवत्ता पूर्ण तरीके से सुनिश्चित किया जाये। जिलाधिकारी ने लेखपालों को निर्देशित करते हुए कहा कि अतिक्रमण सम्बन्धी समस्याओं को तत्परता के साथ निस्तारण किया जाये, जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने थाना समाधान दिवस के मौके पर कोतवाली राबर्ट्सगंज के थाना समाधान दिवस के रजिस्टर का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि पुलिस कर्मी व राजस्व कर्मी टीम बनाकर मौके पर जाकर भूमि सम्बन्धी विवादों का समाधान करें, राबर्ट्सगंज कोतवाली में थाना समाधान दिवस के अवसर पर कुल 23 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिसमें से 9 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, शेष शिकायतों के निस्तारण के लिए राजस्व विभाग व पुलिस विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देशित किया गया। इस मौके पर अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह, कोतवाली प्रभारी सतेन्द्र कुमार राय सहित सम्बन्धित उपस्थिता रहें।

फार्मर रजिस्ट्री 31 दिसम्बर तक कराया जाये पूर्ण

सोनभद्र। जिलाधिकारी बी0एन0 सिह ने अगवत कराया है कि जिले के समस्त किसानों का फार्मर रजिस्ट्री 31 दिसम्बर 2024 तक शत-प्रतिशत किया जाना है। इससे किसानों को निम्नलिखित लाभ होगें। पी0एम0 किसान सम्मान निधि योजनान्तर्गत आगामी 31 दिसम्बर 2024 के बाद किस्त प्राप्त करने हेतु फार्मर रजिस्ट्री अनिवार्य है। बिना फार्मर रजिस्ट्री के अगली किस्त नही प्राप्त होगी। किसानों को फसली ऋण हेतु किसान क्रेडिट कार्ड एग्रीकल्चर इंन्फ्रास्टक्चर फण्ड एवं कृषि के विकास हेतु अन्य ऋण प्राप्त करने हेतु फार्मर रजिस्ट्री आवश्यक होगा। फसल बीमा का लाभ प्राप्त करने में सुगमता होगी इसके साथ ही आपदा प्रबन्धन के अन्तर्गत कृषकों को क्षति पूर्ति हेतु कृषकों का चिन्हांकन करने में सुगमता होगी। फार्मर रजिस्ट्री कराने से किसान भाईयों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने तथा कृषि एव सम्बद्ध विभागों को फार्मर रजिस्ट्री पर उपलब्ध ऑकडों के आधार पर योजनाओं का लाभ वितरण करने में सुगमता होगी। लाभार्थी कृषक भाईयो का बार-बार सत्यापन कराना आवश्यक नहीं होगा। जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से अपील कि है कि अपने ग्राम पंचायत के किसानों को फार्मर रजिस्ट्री हेतु कृषकों के आधार कार्ड, मोबाइल जिस पर ओटीपी आयेगा एवं खतौनी की छायाप्रति के साथ अपने नजदीकी जनसेवा केन्द्र सी0एस0सी0 ग्राम स्तर पर लगे कैम्प सेल्फ मोड में रजिस्ट्रेशन हेतु किसानों को प्रोत्साहित करते हुए शत-प्रतिशत फार्मर रजिस्ट्री सुनिश्चित करेंगें।

सीएम डैशबोर्ड की बैठक में गहन मंथन

अंबेडकर नगर ।जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में सीएम डैशबोर्ड की बैठक संपन्न हुई। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारीए जिला विकास अधिकारीए जिला अर्थ एवं संख्याधिकारीए उपनिदेशक कृषिए जिला पंचायत राज्य अधिकारीए डीसी मनरेगाए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सहित सिंचाईए पशुपालनए कृषिए विद्युतए उद्योगए परिवहनए समाज कल्याणए पिछड़ा वर्गए अल्पसंख्यक कल्याण एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि सभी विभागीय अधिकारी अपने अपने विभागों से संबंधित योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन करेंए जन सामान्य तक योजनाओं की पहुंच सुगमता से सुनिश्चित करें। जन सामान्य की समस्याओं का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी विभागों को ग्रेडिंग के साथ.साथ रैंकिंग पर भी विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता विद्युत को विद्युत बिलों में सुधार संबंधित जन सामान्य की समस्याओं के निस्तारण को समयबद्ध रूप से करने एवं विद्युत आपूर्ति में और सुधार लाने के निर्देश दिए। नहरों के कटान से जलमग्न हुए किसानों की फसलों का अधिशासी अभियन्ता सिंचाई को तत्काल स्तरीय निरीक्षण कर नियमानुसार फसल नुकसान का किसानों को मुआवजा प्रदान करने तथा नहरों को कटान से बचने हेतु विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए।

खूबसूरती और गरिमा का प्रतीक है परंपरा

लखनऊ। साड़ी केवल एक वेशभूषा नहीं है, यह परंपराए खूबसूरती और गरिमा का प्रतीक है। सन नियो के लोकप्रिय शो ?इश्क़ जबरियाश् में बोल्ड और आकर्षक मोहिनी का किरदार निभा रही अभिनेत्री काम्या पंजाबी ने साड़ियों के प्रति अपने गहरे जुड़ाव और इसे अपनी पहचान का हिस्सा बनाने के बारे में खुलकर बात की। काम्या पंजाबी ने बताएए ष्मैं अक्सर देश के अलग.अलग शहरों में इवेंट्स के लिए ट्रेवल करती हूं और जहां भी जाती हूंए लोग मेरी साड़ियों पर ध्यान देते हैं और उनकी तारीफकरते हैं। ष्साड़ी पहलना मेरे लिए खुद को व्यक्त करने और लोगों से जुड़ने का जरिया बन गया है। यह कमाल की बात है कि एक साधारण साड़ी अनजान लोगों के बीच भी चर्चा का विषय हो सकती है और यादें बना सकती है।

नन्हे मुन्ने बच्चों ने अपनी नृत्य कला से लोगों का मोहा मन

?प्रयागराज। केसरवानी वैश्य सभा प्रयागराज के तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय केसरवानी वैश्य साहित्य कला विज्ञान बाल नृत्य एवं फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में आज अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए नन्हे मुन्ने बच्चों ने अपनी मनभावन नृत्य से लोगों का मन मोह लिया। आज तीन वर्गों किशोर ए किशोर बी युवा वर्ग में आयोजित रंगोली एवं मेहंदी प्रतियोगिता में वैश्य समाज के बालक एवं बालिकाओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए बहुत ही सुंदर एवं मनमोहक रंगोली बनाई और बहुत ही सुंदर मेहंदी लगाकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इसके पश्चात दोपहर में आयोजित फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में नन्हे मुन्ने बच्चों ने अलग अलग थीम पर सुंदर ड्रेस पहनकर लोगों का मनमोहन तथा अपनी नृत्य प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए लोगों की वाह वाही लूटी। ?कल आयोजित वाद विवाद प्रतियोगिता के युवा वर्ग में अलीशा केसरवानी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। द्वितीय स्थान पर वैष्णवी केसरवानी तथा तीसरे स्थान पर जान्हवी केसरवानी रहे। ?वाद विवाद प्रतियोगिता के किशोर बी वर्ग में अन्वी केसरवानी प्रथम निष्ठा केसरवानी द्वितीय वैष्णवी केसरवानी तृतीय स्थान पर रहीं। ?वाद विवाद प्रतियोगिता के किशोर ए वर्ग में ?अनुप्रेक्षा गुप्ता प्रथम श्रेष्ठा गुप्ता एवम अनन्या केसरवानी द्वितीय तथा अंशिका तृतीय स्थान पर रहीं। रंगोली और मेहंदी प्रतियोगिता के निर्णायक रुचि इंस्टीट्यूट की निदेशक रुचि मित्तल रहीं तथा फैंसी ड्रेस नृत्य प्रतियोगिता के निर्णायक भी असिस्टेंट प्रोफेसर रहे।

मछली पालकों को सशक्त बनाने की रणनीति

वाराणसी। मत्स्य पालन सेक्टर सर्दियों के दौरान गंभीर चुनौतियों का सामना करता है। तापमान में गिरावट के साथ ही पानी का तापमान भी कम हो जाता हैए जिससे मछलियों की पाचन एंजाइम गतिविधियां घट जाती हैं और पोषक तत्वों का अवशोषण सीमित हो जाता है। इससे मछलियों में शारीरिक तनाव बढ़ता हैए जो न केवल उनके चयापचय और स्वास्थ्य पर असर डालता हैए बल्कि मछली पकड़ने वाले समुदायों की उत्पादकता को भी कम कर देता है। इन जटिल चुनौतियों को पहचानते हुएए गोदरेज एग्रोवेट लिमिटेड ;गोदरेज एग्रोवेटद्ध ने इस सर्दी के मौसम में वैज्ञानिक तरीके से इन समस्याओं का समाधान करने के लिए एक लक्षित शीतकालीन रणनीति तैयार की है।

विद्वानगणों व राजनेताओं का लगा जमावड़ा

कर्मवीर सत्यदेव सिंह की सातवीं पुण्यतिथि

गाजीपुर। जनपद की पावन धरती पर मां भागीरथी की गोंद में स्थानीय गाधिपुरम् बोरसिया पहनपुर के सुरम्य प्राकृतिक भूभाग पर स्थित सत्यदेव ग्रुप ऑफ़ कॉलेजेस के संस्थापक कर्मवीर सत्यदेव सिंह की सातवीं पुण्यतिथि हर वर्ष की भांति इस साल भी मनाया गया। एक दिन पूर्व 27 दिसंबर को राष्ट्रीय संगोष्ठी श्लोकतांत्रिक समाज के विकास में शिक्षा व्यवस्था के सरोकारश् विषय पर तथा सत्यदेव इंटरनेशनल स्कूल का पहला वार्षिकोत्सव उदयाचल .2024 का शानदार उद्घाटन किया गया। वार्षिकोत्सव उदयाचल. 2024 के मुख्य अतिथि के रूप में जननायक चंद्रशेखर यूनिवर्सिटी बलिया के वाइस चांसलर प्रोफेसर संजीत कुमार गुप्त तथा कार्यक्रम के अध्यक्ष सेवानिवृत्त न्यायाधीश कमल नयन पाडेय रहे। मंच पर विराजमान सत्यदेव ग्रुप ऑफ़ कॉलेजेस परिवार के आध्यात्मिक एवं मौलिक मार्गदर्शक योगी आदित्यनाथ के पावन सानिध्य में कार्यक्रम को पुष्प अर्पित एवं दीप प्रज्वलन के पश्चात प्रारंभ किया गया तत्पश्चात देश तथा देश से बाहर विदेशों से भी आए प्रबुद्ध प्रोफेसरए विद्वानगण तथा बड़े.बड़े राजनीतिज्ञ भी वार्षिकोत्सव के रंगारंग कार्यक्रम का साक्षी बने। 28 दिसंबर को राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन का कार्य कर्मवीर सत्यदेव सिंह की सातवीं पुण्यतिथि पर उनको पुष्पांजलि प्रदान करने के बाद किया गया। पुण्यतिथि के कार्यक्रम की अध्यक्ष वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर की कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह रहीं। मुख्य अतिथि के रूप में तिब्बत साहित्य मंच वाराणसी के कुलपति प्रोफेसर वांगचुक दोरजी नेगी थे। मंचासीन अतिथिगण में सेवानिवृत्त प्रोफेसर जीपिगरधरए डॉ अरविंद कुमारए प्रोफेसर प्रभाकर सिंह बी एच यू आईआईटी सेए गंगाधर सिंहए डॉ अशोक कुमार सिंह ए रामानुज सिंहए डॉक्टर काशीनाथ सिंहए विजेंद्र रायए लंदन से आए हुए डॉ प्रदीप सिंहए मीरा रायए डॉ राहुल सिंहए डॉक्टर शैलेंद्र सिंहए डॉक्टर निरंजनएडॉक्टर संतन कुमारए सुरेंद्र सिंह उपस्थित थे।

पृथक राज्य हर बुंदेलखंडी का सपना: राजा बुंदेला

गांव-गांव, पांव-पांव पदयात्रा को कोंच नगर में मिला अपार जनसमर्थन

संवाददाता। कोंच, जालौन

पृथक बुंदेलखंड राज्य की मांग लेकर बुंदेलखंड संयुक्त मोर्चा के नेतृत्व में विभिन्न संगठनों द्वारा बुंदेलखंड विकास बोर्ड के उपाध्यक्ष राजा बुंदेला के नेतृत्व में निकाली जा रही पदयात्रा ने जनपद जालौन के कोंच नगर सहित लौना, कुंवरपुरा, गोरा, बस्ती, तीतरा, क्योंलारी आदि गाँवों में भ्रमण किया। कोंच नगर में प्रवेश पर पदयात्रियों का भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर राजा बुंदेला के नेतृत्व में पदयात्रा में शामिल होने वालों में शिक्षक नेता अशोक राठौर, यात्रा संयोजक डॉ आश्रय सिंह, डॉ उमा शंकर सोनी, अमन सोनी (युवा मोर्चा), शिवम् चौहान सोनू (अध्यक्ष बुन्देली सेना जालौन), डॉ मुहम्मद नईम, अंकुर यादव, सुरेन्द्र पाल सिंह, प्रताप सिंह बुंदेला आदि सहित सैकड़ों ग्रामीण शामिल रहे। राजा बुंदेला इस पदयात्रा का नेतृत्व कर रहे हैं। सूरज ज्ञान महाविद्यालय, सरस्वती बालिका विद्या मंदिर, अमर चंद माहेश्वरी इंटर कॉलेज में राजा बुंदेला ने विद्यार्थियों व नगर के गणमान्यजनों को बुंदेलखंड राज्य की मांग का औचित्य समझाते हुए कहा कि यह उनके भविष्य की लड़ाई है।

मार्ग में अन्य जगह पर व्यापारियों व विभिन्न संगठनों ने इसका स्वागत किया। यहां आयोजित सभा में वक्ताओं ने कहा कि बुंदेलखंड राज्य अवश्य बनेगा। बुंदेलखंड राज्य बना तो तरक्की के नए मापदंड तय करेगा। अब उप्र का विभाजन होना ही चाहिए और जल्द बुंदेलखंड, पूर्वांचल, हरित प्रदेश राज्य का निर्माण हो। दो राज्यों में विभाजन के बाद भी बुंदेलखंड का गौरव कम नहीं हुआ है। बुंदेलखंड संयुक्त मोर्चा पृथक बुंदेलखंड के लिए गाँव गाँव काम कर रही है और यह यात्रा उसके उद्देश्यों से जुड़ी है। बुंदेलखंड हर बुंदेलखंडी की मांग है। इस पदयात्रा के माध्यम से सरकार भी यह बात समझेगी। अलग राज्य बनने पर बुँदेलखण्ड भारत का मुकुट बनेगा। इस अवसर पर राजा बुंदेला ने कहा कि बुंदेलखंड की लड़ाई को जनमानस तक ले जाने के लिए यह पदयात्रा आयोजित की गई है। उन्होंने कहा कि भाजपा छोटे राज्यों की समर्थक है। हमें आशा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नया बुंदेलखंड 2027 तक आकार लेगा और जल्द बुंदेलखंड की घोषणा होगी। लेकिन हमें सरकार तक बुंदेलखंड की बात पहुंचाना है और यह भी कि बुंदेलखंड राज्य बुँदेलियों की प्राथमिकता है। उन्होंने विभिन्न संगठनों का एक मंच पर आने का स्वागत किया और कहा इससे आंदोलन को बल मिलेगा। उन्होंने अन्य संगठनों से भी पदयात्रा से जुड़ने का आह्वान किया। संचालन डॉ आश्रय सिंह ने किया। यात्रा में नगर एवं ग्रामीणों ने भारी संख्या में समर्थन दिया और साथ ही साथ ग्राम प्रधानों ने प्रथक बुन्देलखण्ड राज्य निर्माण हेतु राजा बुंदेला को समर्थन पत्र सौंपा। साथ ही मिलने वाले जन समर्थन के प्रति सभी ने आभार व्यक्त किया।

बुलंदशहर में हथियारों की तस्करी में लिप्त पिता-पुत्र समेत दो गिरफ्तार

बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले के खुर्जा नगर और खुर्जा देहात थाना पुलिस ने अवैध तस्करी मे लिप्त पिता-पुत्र समेत दो आरोपियो को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से बड़ी मात्रा मे अवैध असलहे, कारतूस और वाहन बरामद किया है। पुलिस के अनुसार पकड़े गए अभियुक्तो की पहचान थाना खुर्जा नगर क्षेत्र अंतर्गत शेख साहिबान मोहल्ले के निवासी रिजवान अंसारी और उसके बेटे अदनान के रूप मे हुई है। उन्होने बताया कि दोनो के पास से 315 बोर के पांच अवैध तमंचे, 10 कारतूस, 12 बोर के दो अवैध तमंचे, छह कारतूस, 32 बोर के दो अवैध पिस्तौल, छह कारतूस और एक बलेनो गाड़ी बरामद की गई है। पुलिस ने बताया कि इस संबंध मे थाना खुर्जा नगर पर एक अन्य मामला दर्ज कराया गया है। उन्होने बताया कि रिजवान के खिलाफ बुलंदशहर मे पहले से पांच और दिल्ली मे एक मामला दर्ज है और उसके बेटे अदनान के ऊपर बुलंदशहर मे दो मामले दर्ज है।पुलिस अधीक्षक (देहात) रोहित मिश्र ने बताया कि थाना खुर्जा नगर क्षेत्र अंतर्गत खुर्जा निवासी रिजवान अवैध हथियारो का आपूर्तिकर्ता रहा है, जो जेल मे बंद था और वह 26 दिसंबर को जमानत पर रिहा हुआ और देर रात मे मोहल्ले मे जाकर उसके द्वारा जश्न मनाते हुए आतिशबाजी की गई, डीजे बजाया गया और अपने साथ के लोगो के साथ मिलकर हवाई फायरिंग भी की गई। मिश्र ने बताया कि इसकी सूचना जब स्थानीय पुलिस को मिली तो मौके पर जाकर जांच पड़ताल एवं छानबीन की गई और इस संबंध मे एक मुकदमा विभिन्न धाराओ मे दर्ज कराया गया। उस अभियुक्त की तलाश के लिए खुर्जा देहात और खुर्जा नगर की टीम शुक्रवार रात लगी हुई थी। एसपी ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि राजमार्ग पर एक गाड़ी के जरिए अभियुक्त जा रहा है, जिस पर दोनो थानो की टीम और दोनो थाना प्रभारी मौके पर पहुंच गए और जांच के दौरान उस कार को रोकने का प्रयास किया। उन्होने बताया कि इसके बाद दोनो आरोपियो को पुलिस ने पकड़ लिया और गाड़ी की तलाशी ली गई तो उसमे सात अवैध तमंचे और दो अवैध पिस्टल बरामद हुई है और विभिन्न बोर के दर्जनो कारतूस बरामद हुए है। इस संबंध मे संबंधित धाराओ मे मामला दर्ज कराया गया है। अधिकारी ने बताया कि दोनो अभियुक्तो को विधिक प्रक्रिया पूरी करके जेल भेजा जा रहा है।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद सीतापुर अवध प्रांत के 64 वें प्रांत अधिवेशन का भव्य शुभारंभ

सीतापुर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् सीतापुर अवध प्रांत के 64 वें प्रांत अधिवेशन का शुभारंभ सीतापुर शिक्षण संस्थान ए रस्यौरा में भव्य प्रदर्शनी उद्घाटन कार्यक्रम के साथ हुआ। प्रदर्शनी का उद्घाटन अब्दुल कलाम टेक्निकल यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. जे पी पांडेय ने किया । कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ की गई । मंच संचालन अभाविप सीतापुर नगर मंत्री अलख कांत श्रीवास्तव द्वारा किया गया । नगर मंत्री द्वारा प्रदर्शनी की जानकारी साझा की गई । स्वागत समिति उपाध्यक्ष राघवेंद्र सिंह श्बबलूश् ने कार्यक्रम की शुरुआत उद्बोधन से की एउद्बोधन के पश्चात् मुख्य अतिथि द्वारा प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया । अभाविप अवध प्रांत उपाध्यक्ष डॉ ऽ मंजुला उपाध्याय ने विद्यार्थी परिषद के इतिहास पर नजर डालते हुए अपने विचार व्यक्त किए । प्रांत उपाध्यक्ष ने सीतापुर की पौराणिक धरा की विशेषताओं और अध्यात्म के महत्व को बताया । अवध प्रांत सह मंत्री रोहित सिंह ने अपने विचार व्यक्त करते हुए बताया शिक्षा न केवल आर्थिक विकास का मार्ग प्रशस्त करती है वरन यह राष्ट्रीय चरित्र का निर्माण एवं सामाजिक संवेदना का विकास भी करती है । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ ए पी जे अब्दुल कलम टेक्निकल यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ जे पी पांडेय जी ने विद्यार्थी परिषद् की 75 वर्ष से अनवरत चली आ रही यात्रा के बारे में बताया । कुलपति महोदय ने युवाओं को लेकर स्वावलंबी भारत में युवाओं की भूमिका का महत्वपूर्ण योगदान को भी बताया। सशक्त भारत में युवा तरुणाई का बढ़ता रुझान को लेकर खुशी व्यक्त की । नगर अध्यक्षा आशा सिंह ने कार्यक्रम के अंत में समस्त युवा तरुणाई का आभार व्यक्त किया और आज के कार्यक्रम समापन की घोषणा की । कार्यक्रम में अवध प्रांत संगठन मंत्री अंशुल विद्यार्थीए विभाग संगठन मंत्री सीतापुर अजय प्रताप शुक्ल ए जिला संगठन मंत्री सीतापुर ऋषभ कात्यायन ए जिला संयोजक अभिषेक बाजपेईए जिला सह संयोजक दिव्यांशी बंगाली ए नगर सह मंत्री हर्षित पांडेय की उपस्थिति रही ।

सीसीएसयू के तिलक पत्रकारिता व जनसंचार स्कूल में लघु फिल्म महोत्सव का आयोजन पहली मार्च को

संवादाता। मेरठ

चलचित्र सोसाइटी एवं सीसीएसयू के तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय लघु फिल्म महोत्सव का आयोजन पहली मार्च से किया जायेगा। यह जानकरी मेरठ चलचित्र समिति के अध्यक्ष एवं तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल के निदेशक प्रो? प्रशान्त कुमार ने शुक्रवार को यहां आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। उन्होंने बताया कि इस लघु फिल्म महोत्सव का आयोजन आसपास के क्षेत्र के फिल्मों में रुचि रखने वाले युवाओं को एक प्लेटफार्म उपलब्ध कराने तथा उनके कौशल विकास में वृद्धि करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। उन्होंने बताया यह फिल्म फेस्टिवल गत वर्षों से कुछ अलग होगा क्योंकि इस बार कुछ नए विषयों पर फिल्में आमंत्रित की गई हैं। मुख्य रूप से उनका लक्षित समूह युवा एवं विद्यार्थी हैं। प्रेस वार्ता के दौरान प्रो? प्रशांत कुमार ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार का महत्वकांक्षी प्रोजेक्ट जो कि फिल्म सिटी के रूप में नोएडा में विकसित हो रहा हैए इसका लाभ मेरठ एवं आसपास के जिलों के प्रतिभाशाली कलाकारोंए फिल्म तकनीकी एवं फिल्म के विभिन्न आयामों से जुड़े लोगों को मिलेए ऐसा प्रमुख उद्देश्य है। इसके अतिरिक्त भारतीय संस्कृतिए सामाजिक समरसताए भारत की महान विभूतियों से आम जनता परिचित कराना भी इस फिल्म महोत्सव को आयोजित करने का यह उद्देश्य है।

चलचित्र समिति के सचिव अम्बरीश पाठक ने बताया कि इस फिल्म महोत्सव में आने वाली फिल्मों को दो श्रेणियां में रखा गया है। प्रथम श्रेणी की लघु फिल्म पांच मिनट तक की तथा दूसरी श्रेणी की पांच से 15 मिनट तक की होगी । पुरस्कृत फिल्मों को पांच से 15 मिनट तक वाली फिल्मों में प्रथम स्थान प्राप्तकर्ता को सम्मानित करने के साथ.साथ रुपये 21000ध् नकद तथा द्वितीय स्थान प्राप्तकर्ता को 11000ध् नकद प्रदान किये जायेंगे। इसी प्रकार पांच मिनट तक की लघु फिल्म के प्रथम स्थान प्राप्त कर्ता को 11000ध् व द्वितीय प्राप्तकर्ता को 5100ध् दिए जाएंगेए साथ ही दोनों श्रेणियों की फिल्मों में तीन.तीन सांत्वना पुरस्कार भी दिए जाएंगे। प्रेस वार्ता में सोसायटी के पूर्व अध्यक्ष डॉ? मनोज श्रीवास्तवए सुमन्त डोगराए नीता गुप्ताए डॉ? बीनम यादवए बंशीधर चतुर्वेदी आदि उपस्थित रहे।

अयोध्या में नववर्ष से पहले लगभग सभी होटल बुक, मंदिर ट्रस्ट ने दर्शन का समय बढ़ा दिया

अयोध्या। (भाषा) नए साल के आगमन के साथ ही भगवान श्री रामलला की जन्मभूमि अयोध्या मे आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटको के लिए जिला मुख्यालय के लगभग सभी होटल बुक हो गए है। इस बीच, राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने राम मंदिर के दर्शन का समय बढ़ा दिया है और अपेक्षित भीड़ को प्रबंधित करने के लिए व्यापक व्यवस्था लागू की है।इस साल 22 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व मे मंदिर मे रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हुई थी। अयोध्या जिला मुख्यालय मे लगभग सभी होटलो के कमरे बुक हो चुके है। अयोध्या मे एक स्थानीय होटल के मालिक अंकित मिश्रा ने कहा,`हम इस नए साल मे श्रद्धालुओं का स्वागत करने को लेकर उत्सुक है। हमारे सभी कमरे 15 जनवरी तक के लिए पहले से बुक हो चुके है।' शनिवार सुबह जब जांच की गई, तो एक ऑनलाइन बुकिंग प्लेटफॉर्म ने दिखाया कि कुछ होटलो और लॉज मे अब भी कमरे उपलब्ध है, हालांकि कुछ होटल मांग मे वृद्धि के कारण प्रति रात एक कमरे का 10,000 रुपए से अधिक शुल्क ले रहे है। इस साल की शुरुआत मे हुए प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बाद से अयोध्या मे धार्मिक पर्यटन मे वृद्धि देखी गई है, जबकि चैत्र (मार्च-अप्रैल) मे हिंदू नववर्ष का पारंपरिक महत्व है। स्थानीय पुजारी रमाकांत तिवारी ने कहा,`बड़ी संख्या मे भक्त धार्मिक स्थलो पर जाते है और एक जनवरी को पूजा-अर्चना करते है, ताकि साल की शुरुआत मे रामलला का आशीर्वाद प्राप्त कर सके। भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा सुनिश्चित करने के बारे मे अयोध्या के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) राजकरण नैयर ने कहा,`राम मंदिर, हनुमानगढ़ी, लता चौक, गुप्तार घाट, सूरजकुंड और अन्य लोकप्रिय स्थानो पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे। मंदिर ट्रस्ट ने भी खासकर 30 दिसंबर से जनवरी के पहले दो हफ्तो के बीच बढ़ती भीड़ को संभालने के लिए व्यापक तैयारी की है। ट्रस्ट के एक व्यक्ति ने कहा,`सभी भक्तो के लिए एक सहज अनुभव सुनिश्चित करने के लिए दर्शन का समय बढ़ाया गया है और विशेष व्यवस्था की गई है।' राम मंदिर मे प्राण प्रतिष्ठा समारोह मे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और सभी क्षेत्रो के सैकड़ो गणमान्य लोगो ने भाग लिया, जिससे अयोध्या और राज्य मे पर्यटन मे तेजी से बढ़ा। राज्य पर्यटन विभाग के अनुसार, 2022 मे 32.18 करोड़ पर्यटक उत्तर प्रदेश आए जबकि 2024 के पहले छह महीनो पर्यटको की संख्या 32.98 करोड़ रही। प्रदेश सरकार ने पिछले सप्ताह एक बयान में कहा था कि पर्यटन मे उल्लेखनीय वृद्धि अयोध्या और काशी (वाराणसी) के महत्वपूर्ण योगदान के कारण हुई है। सरकार ने कहा,`पिछले साल जनवरी मे भव्य राम मंदिर के उद्घाटन के बाद, उत्तर प्रदेश मे छह महीने के भीतर लगभग 11 करोड़ पर्यटको की आमद हुई। अकेले जनवरी मे, रिकॉर्ड तोड़ सात करोड़ पर्यटको ने दौरा किया, जो किसी एक महीने मे किसी भी स्थान पर आने वाले आगंतुको की सबसे अधिक संख्या है।

बाराबंकी में मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त तीन महिला तस्कर गिरफ्तार, स्मैक बरामद

बाराबंकी। बाराबंकी जिले की थाना रामसनेहीघाट पुलिस टीम ने मादक पदार्थों की तस्करी मे लिप्त तीन महिलाओ को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 750 ग्राम अवैध स्मैक बरामद किया है जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार मे कीमत 75 लाख रुपए आंकी गई है। पुलिस के एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) अखिलेश नारायण ने बताया कि मादक पदार्थों की तस्करी की रोकथाम एवं अभियुक्तो की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के क्रम मे शनिवार सुबह थाना रामसनेहीघाट पुलिस टीम द्वारा मैनुअल इंटेलिजेंस की मदद से मादक पदार्थों की तस्करी करने वाली तीन महिलाओ मीना, रोशनी और कुमारी शिवानी निवासी खेटवा सड़क थाना रामसनेहीघाट को खेटवा सड़क से गिरफ्तार किया गया। आरोपियो के कब्जे से कुल 750 ग्राम अवैध स्मैक एवं 5,170 रुपए नकद बरामद कर थाना रामसनेहीघाट पर संबंधित धाराओ मे मामला पंजीकृत किया गया है।

संभल की शाही जामा मस्जिद के पास बनने वाली पुलिस चौकी के लिए भूमि पूजन हुआ

संभल (उप्र) 28 दिसंबर (भाषा) संभल थाना क्षेत्र के कोट पूर्वी मोहल्ले मे शाही जामा मस्जिद के पास बनने वाली पुलिस चौकी का शनिवार को भूमि पूजन हुआ। प्रशासन ने हाल मे संभल हिंसा के मद्देनजर यहां पुलिस चौकी स्थापित करने का निर्णय लिया है। भूमि पूजन कराने वाले पुरोहित शोभित शास्त्री ने बताया कि आज पुलिस चौकी के निर्माण के लिए भूमि पूजन और शिलान्यास हुआ। शास्त्री ने कहा वास्तु दोष न रहे, इसके लिए भी पूजन किया गया। अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) श्रीश चंद्र ने पत्रकारो से कहा कि यह चौकी सुरक्षा की दृष्टि से स्थापित की जा रही है, यहां पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहता है और लोगो की मांग थी, इसलिए पुलिस चौकी स्थापित की गई है। संभल की जामा मस्जिद मे 24 नवंबर को अदालत के आदेश पर सर्वेक्षण के दौरान विशेष कर रहे प्रदर्शनकारी पुलिस से भिड़ गए थे। इस दौरान चार व्यक्तियो की मौत हो गई थी।

सिर्फ आयुर्वेद प्रदान कर सकता है सस्ता इलाज-परमार

जो वैद्य बिना बताये रोग पहचान ले, ईश्वर के समान है - अभय महाजन

चित्रकूट। दीनदयाल शोध संस्थान के स्वास्थ्य प्रकल्प आरोग्यधाम के द्वारा शनिवार को उद्यमिता विद्यापीठ के लोहिया सभागार में परंपरागत वैद्यों के दो दिवसीय सम्मेलन का शुभारंभ अनुसुइया आश्रम के संत पवन बाबा, मध्यप्रदेश के उच्च शिक्षा, तकनीकी एवं आयुष मंत्री इंदर सिंह परमार, प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक विजय अग्रवाल, महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो0 भरत मिश्रा, सतना के जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ एल के तिवारी, डॉ0 पूर्णिया विशेषज्ञ योग एवं रसाहार, दीनदयाल शोध संस्थान के राष्ट्रीय संगठन सचिव अभय महाजन सहित वैद्य लखन सिंह चौहान, बैद्य राजेंद्र पटेल द्वारा भगवान धनवंतरी की प्रतिमा पर दीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्पार्चन के पश्चात कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ हुआ।

इस अवसर पर डीआरआई के शोध शाला प्रभारी डॉ मनोज त्रिपाठी ने कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि परंपरागत वैद्यों द्वारा उपयोग किये जाने वाली पारंपरिक चिकित्सा पद्धति से रोगों का उपचार करने वाले ज्ञान का डेटा-वेस तैयार करना है। आरोग्यधाम के वैद्य राजेन्द्र पटेल ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में वैद्यो द्वारा पारंपरिक चिकित्सा पद्धति के ज्ञान की निरंतरता को बनाये रखना है जो बीमारी जिस क्षेत्र में होती है उसका इलाज भी वहीं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होता है हमे सिर्फ उसकी पहचान करने की आवश्यकता होती है। डॉ पूर्णिमा ने कहा कि हर व्यक्ति को हर मामले में स्वावलंबी बनाना नानाजी का लक्ष्य था। स्वस्थ व्यक्ति को सदैव स्वस्थ रखने एवं अस्वस्थ को शीघ्र स्वस्थ रखने का प्रयत्न करना है। वहीं मध्यप्रदेश के आयुष मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि भारत की परंपरागत चिकित्सा प्रणाली सबसे प्राचीन है जिससे सभी ने अपनी-अपनी चिकित्सा प्रणाली विकसित की है। प्रकृति के निकट रहने के कारण भारत सदैव स्वस्थ रहा है। जब अंग्रेज भारत आए तो उन्होंने देखा कि भारत की शिक्षा एवं स्वास्थ्य व्यवस्था समाज आधारित है, इसलिए यहां सभी शिक्षित और खुशहाल है। अंग्रेजों द्वारा ही सर्वेक्षण के दौरान यह पता लगाया गया कि उस समय शिक्षा एवं संस्कृति के आधार पर भारत की शिक्षा दर 80 से 92 प्रतिशत के आसपास थी। उस समय लगभग 7 लाख गुरुकुल संचालित हो रहे थे। तो फिर आज हमें क्यों बताया जाता है कि हमारे पूर्वज अशिक्षित थे, प्रकृति में पाई जाने वाली प्रत्येक वनस्पति हमारे लिए उपयोगी है। उसके प्रति विश्वास एवं श्रद्धा होनी चाहिए। मंत्री श्री परमार ने कहा कि हमें सबसे पहले स्वयं पर विश्वास करना होगा तभी दूसरे हम पर विश्वास करेंगे। हर क्षेत्र में शोध की आवश्यकता है। जिससे भारत के विशाल ज्ञान को संपूर्ण विश्व को दिखाया जा सके। सम्पूर्ण शिक्षा में भारतीय ज्ञान परंपरा का समावेश करना हमारा लक्ष्य होना चाहिए। परंपरागत चिकित्सा पद्धति हमारी शान बनेगा, भारत के ज्ञान को एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में स्थानांतरित करना होगा। अपनी धारणा में परिवर्तन करना होगा, भ्रांतियां हटाना होगा। परंपरागत ज्ञान आजीविका का संसाधन कैसे बने इसके लिए शासन प्रयत्नशील है। जिस ज्ञान का हम सदियों से उपयोग करते आ रहे हैं उसका सदैव प्रवाह बना रहे इसके लिए भारत सरकार इस दिशा में कार्य कर रही हैं। यह पद्धति सर्व समाज के कल्याण हेतु कैसे उपयोग हो इस पर चिंतन करना होगा।

बलिया में अलग-अलग घटनाओं में दो महिलाओं ने कथित तौर पर खुदकुशी की

बलिया। उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के दो थाना क्षेत्रों में अलग-अलग घटनाओं में दो महिलाओं ने फांसी लगाकर कथित रूप से खुदकुशी कर ली। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार दोकटी थाना क्षेत्र के शिवपुर गांव में शुक्रवार की रात्रि गीता देवी (26) का शव कमरे में फंदे से लटकता मिला। सूत्रों के अनुसार गीता की शुक्रवार रात पति से फोन पर कहासुनी हुई , जिसके बाद गीता ने फांसी लगाकर जान दे दी। पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) मोहम्मद उस्मान ने बताया कि घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उन्होंने बताया कि इस मामले में गीता के पिता की तहरीर पर सास, जेठानी और जेठ के विरुद्ध दहेज प्रताड़ना के आरोप में नामजद मुकदमा दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। उधर सिकंदरपुर थाना क्षेत्र के जलालीपुर गांव में रीना शर्मा (40) का शव शनिवार की सुबह घर के बगल के एक अहाते में छड़ में गमछे के सहारे लटकामिला।

उत्साह और सकारात्मकता का समागम

कानपुर। द दिसंबर शो हाल ही में एक शानदार समापन समारोह के साथ संपन्न हुआ। जेईसीसी में चार दिनों तक आयोजित इस इवेंट में लगभग 50 हजार विज़िटर्स और व्यापारियों ने भाग लिया। हर साल की तरह इस बार भी आयोजक और एक्सहिबिटर्स दोनों को उत्साही और सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली जिसने इस शो को एक और सफलतम संस्करण के रूप में साबित किया। अंततःए एक समापन सत्र के साथ शो का समापन हुआ। इस मौके पर स्वागत भाषण देते हुए जेजेएस के चेयरमैनए विमल चंद सुराना ने कहाए ज्यपुर ज्वेलरी शो ने इस वर्ष वाकई नए मुकाम हासिल किए हैए जिसमें सबसे अधिक बूथ और रिकॉर्ड संख्या में खरीदारों की उपस्थिति दर्ज की गई। हमेशा की तरह ही इसने खुद को एक अद्वितीय मंच के रूप में साबित किया है, जो सभी संबंधित लोगों के लिए बेहतरीन व्यापारिक अवसर सुनिश्चित कर रहा है।

जीआरपी के अपर पुलिस महानिदेशक ने लिया सुरक्षा व्यवस्था का जायजा

चित्रकूट। प्रयागराज में होने वाले महाकुंभ मेले 2025 को सकुशल संपन्न कराये जाने के उद्देश्य से राजकीय रेलवे पुलिस के अपर पुलिस महानिदेशक ने शनिवार को चित्रकूटधाम कर्वी रेलवे स्टेशन सहित मानिकपुर, शिवरामपुर व भरतकूप स्टेशन का भ्रमण कर यात्री सुविधाओं व सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। शनिवार को राजकीय रेलवे पुलिस के अपर पुलिस महानिदेशक प्रकाश डी ने पुलिस उपमहानिरीक्षक जीआरपी राहुल राज, पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह, जीआरपी पुलिस अधीक्षक झांसी विपुल कुमार श्रीवास्तव के साथ चित्रकूटधाम कर्वी रेलवे स्टेशन सहित मानिकपुर, शिवरामपुर व भरतकूप रेलवे स्टेशन का भ्रमण कर यात्री सुविधाओं व सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने रेलवे स्टेशनों का निरीक्षण कर सम्बन्धित अधिकारी व कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कहा कि प्रयागराज महाकुंभ मेला सकुशल सम्पन्न कराने के लिए उत्तर प्रदेश पुलिस, जीआरपी और आरपी,फसमेत सभी सुरक्षा बल सुरक्षा समेत सभी बिन्दुओं को दुरुस्त रखने के लिए कटिबद्ध है। आम जनमानस कहीं भी कोई संदिग्ध वस्तु या संदिग्ध व्यक्ति नजर आने पर निकटम थाने, चौकी, आरपी,फपोस्ट या कंट्रोल रूम को सूचित करें। साथ ही मेले को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए पुलिस टीम का सहयोग करें। बताया कि चित्रकूटधाम कर्वी रेलवे स्टेशन में श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए पुख्ता इंतजाम किए गये है।

श्री मंदिर ऐप ने महाकुंभ के लिए वेद आश्रम ट्रस्ट के साथ की साझेदारी

प्रयागराज। दुनिया का सबसे बड़ा आध्यात्मिक समागमए महाकुंभ मेलाए आस्थाए भक्ति और कालातीत परंपराओं का एक गहन उत्सव है। भारत के अग्रणी भक्ति ऐप श्री मंदिर ने दुनिया भर के भक्तों को महाकुंभ मेले में भाग लेने की अनुमति देने के लिए पवित्र श्री पंचायती महानिरावनी अखाड़े के तहत एक प्रतिष्ठित संस्था वेद आश्रम ट्रस्ट के साथ साझेदारी की है। यह सहयोग महाकुंभ मेले के परिवर्तनकारी आध्यात्मिक अनुभव को दुनिया भर के भक्तों के लिए सुलभ बनाने की साझा प्रतिबद्धता से प्रेरित हैए जो भौतिक दूरी को पार करता है। भारत की सबसे पुरानी और सबसे प्रतिष्ठित संस्थाओं में से एक श्री पंचायती महानिर्वाणी अखाड़ाए 12 साल में एक बार होने वाले इस आयोजन के आध्यात्मिक सार का प्रतीक है और इस साझेदारी का उद्देश्य आधुनिकए निर्बाध डिजिटल सेवाओं के साथ उस पवित्र अनुभव को जोड़ना है। वेदआश्रम ट्रस्ट के साथ साझेदारी रुद्र होममए नवग्रह होममए चंडी यज्ञए शिव पंचामृत रुद्राभिषेक और प्रतिष्ठित गंगा आरती जैसे पवित्र अनुष्ठानों तक बेजोड़ पहुँच सुनिश्चित करती है। समर्पित स्थानोंए विशेषज्ञ पंडितों की एक टीम और ट्रस्ट द्वारा प्रदान की गई सभी आवश्यक सामग्री के साथए श्री मंदिर प्रत्येक भक्त के लिए एक प्रामाणिक और पवित्र अनुभव सुनिश्चित करता है। इसके अतिरिक्तए 2 जनवरीए 2025 से पहले त्रिवेणी संगम से रेत खरीदी जाएगीए जिससे पवित्र स्थल से एक ठोस संबंध जुड़ जाएगा। यह सहयोग सुनिश्चित करता है कि महाकुंभ मेले की पवित्रताए परंपरा और आध्यात्मिक सार को संरक्षित किया जाए और हर भक्त के लिए सुलभ बनाया जाएए चाहे वे दुनिया में कहीं भी हों।

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक स्वास्थ्य सेवाओं की हुई समीक्षा

संवाददाता। संतकबीरनगर

जिलाधिकारी महेन्द्र सिंह तंवर की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ समिति (शासी निकाय) के कार्यक्रमों/संचालित योजनाओं की अद्यतन स्थिति एवं प्रगति की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी जयकेश त्रिपाठी उपस्थित रहे। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के तहत मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से टीवी कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु दिए गए दिशा-निर्देशों पर कार्य योजना बनाकर क्षय उन्मूलन की दिशा में पूरे जनपद में जनवरी माह 2025 में 100 दिवसीय सघन टीवी अभियान चलाने हेतु निर्देशित किया।

उन्होंने कहा कि टीवी मुक्त अभियान में जन भागीदारी बनाकर क्षय उन्मूलन को आंदोलन के रूप में सफल बनाने हेतु प्रभावशाली व्यक्तियों, प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधिगणों सहित विभिन्न विभागों, उद्योगों, गैर सरकारी संगठनों व निजी स्वास्थ्य क्षेत्र की भागीदारी सुनिश्चित करते हुए नि:क्षय मित्र बनाए जाने की कार्यवाही तेजी से की जाए तथा नि:क्षय मित्र बनने हेतु लोगों को प्रेरित भी किया जाए। उन्होंने कहा कि 100 दिवसीय सघन टीवी अभियान के दौरान टीवी के मरीजों का चिन्हीकरण, दवा की डोज, स्क्रीनिंग, जांच, आदि की रिपोर्टिंग साप्ताहिक तौर पर प्रस्तुत की जाए। जिलाधिकारी ने समीक्षा के दौरान जनपद में पात्र लाभार्थियों के आयुष्मान कार्ड बनने की प्रगति एवं 70 वर्ष या उससे अधिक की आयु के सभी व्यक्तियों का आयुष्मान कार्ड बनाए जाने की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि इस हेतु पेंशन विभाग एवं निर्वाचन विभाग से भी सहयोग लेकर डाटा प्राप्त कर सकते हैं।

थाना समाधान दिवस के दौरान डीएम व एसपी ने सुनी समस्याएं

अमेठी। शासन के निर्देश पर जन समस्याओं के त्वरित निस्तारण के उद्देश्य से आज माह के चतुर्थ शनिवार को जनपद के सभी थानों में थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें जिलाधिकारी निशा अनंत व पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक ने मुसाफिरखाना व भाले सुल्तान शहीद स्मारक थाने में आयोजित थाना समाधान दिवस में पहुंचकर जन समस्याओं को सुना एवं उनके गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया।

इसके अतिरिक्त जिलाधिकारी ने मौके पर मौजूद सभी राजस्व निरीक्षक व लेखपालों से उनके क्षेत्रों की समस्याओं के बारे में जानकारी ली तथा कहा कि जो भी शिकायतें हैं उनका जल्द से जल्द निस्तारण सुनिश्चित कराया जाए। उन्होंने सभी लेखपालों तथा कानूनगो को निर्देशित किया कि उनके क्षेत्रों में जो भी समस्याएं हैं चाहे भूमि विवाद से संबंधित हो तथा नाली, चकमार्ग पर कब्जे, सरकारी भूमि पर कब्जे, तालाबों पर कब्जे, अवैध अतिक्रमण इत्यादि से संबंधित शिकायतें हो उनको तत्काल संज्ञान में लेकर निस्तारण कराया जाए।

सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष के आह्वान पर पीडीए चर्चा कार्यक्रम का आयोजन

संवाददाता। मुसाफिरखाना, अमेठी

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के आवाह्न पर पार्टी द्वारा 25 जनवरी तक चलने वाले पीडीए चर्चा कार्यक्रम की शुरुआत गौरीगंज विधान सभा क्षेत्र मुसाफिरखाना के गंगेरवा गांव से हुई।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष व पूर्व विधान सभा प्रत्याशी प्रियंक हरि विजय त्रिपाठी धीरू व विशिष्ट अतिथि सपा के प्रदेश सचिव छोटेलाल यादव शामिल हुए। जहां मौजूद लोगों ने अतिथियों का फूल मालाओं से स्वागत किया।

गंगेरवा के पूरे ठकुराइन गांव स्थित मैदान में समाजसेवी जगजीवन यादव की अध्यक्षता में आयोजित पीडीए चर्चा कार्यक्रम में शामिल लोगों को संबोधित करते हुए सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष प्रियंक हरि विजय त्रिपाठी धीरू ने कहा कि भाजपा सरकार व उसके इशारे पर लगातार महापुरुषों का अपमान किया जा रहा है। प्रभुत्वादी ताकते कभी भी सभी वर्गों की एकजुटता को देख नहीं सकती है।उन्होंने संसद में गृह मंत्री अमित शाह के द्वारा दिए गए बयान की निंदा करते हुए कहा कि डॉ भीमराव अंबेडकर ने हमेशा सबको बराबरी का अधिकार देने की कोशिश करते रहे हैं। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी सभी वर्गों व धर्मों को साथ लेकर चलने का काम करती है।किसी भी महापुरुष का अपमान बर्दाश्त नहीं करेगी। सपा के प्रदेश सचिव पूर्व जिलाध्यक्ष छोटेलाल यादव ने कहा दलितों पिछड़ों व महिलाओं के हक अधिकार दिलाने में बाबा साहब अंबेडकर सहित अन्य महापुरुषों के योगदान को कभी भुलाया नही जा सकता है। सरकार पूरी तरह से मनमानी पर उतारू है और समाज के सभी वर्गों का अपमान कर रही है। क कार्यक्रम का आयोजन सपा के पूर्व जिला प्रवक्ता विजय यादव व संचालन विजय प्रकाश यादव जी ने किया।

सीएम से भेंट कर खलीलाबाद विधानसभा के विकास कार्यों पर विधायक ने की चर्चा

संतकबीरनगर। खलीलाबाद विधायक अंकुर राज तिवारी शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से लखनऊ में भेंट कर खलीलाबाद विधानसभा के विकास कार्यो पर चर्चा किये। विधायक ने मुख्यमंत्री से अफसरो के कार्यशैली व विकास कार्यो को भी बताया। जनता के दुख दर्द में समर्पित रहने वाले एवं खलीलाबाद विधानसभा के सजग प्रहरी विधायक अंकुर राज तिवारी अपने आवास पर जनता दर्शन लगाकर हमेशा जन समस्याओं का निस्तारण सुनकर कराते है। विधानसभा में हो रहे विकास कार्यो का स्थलीय सत्यापन भी स्वंय करते है। विधानसभा क्षेत्र के नगर पंचायत, नगर पालिका, ब्लाकों में हो रहे कार्यो की भी समीक्षा करते रहते है। विधायक अंकुर राज तिवारी के पहल पर जो जनपद सृजन होने के बाद अब तक नही हो सका शासन में स्वंय पैरोकार बनकर विधायक अंकुर राज तिवारी ने खलीलाबाद बस स्टैण्ड की व्यवस्था स्थान चिन्हित कर एवं बजट के साथ पूरा किया। शीघ्र ही खलीलाबाद बस स्टैण्ड का शिलान्यास किया जायेगा। विधायक अंकुर राज तिवारी जिले में और विकास कार्यो को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ बैठक कर अनुरोध करते हुए अवगत कराया है।

एनटीपीसी ऊंचाहार ने 30 युवाओं को सीपेट लखनऊ प्लास्टिक मोल्डिंग प्रशिक्षण हेतु भेजा

संवाददाता। ऊंचाहार

एनटीपीसी ने अपने नैगम सामाजिक दायित्व के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए आसपास के 15 ग्राम सभाओं से चयनित 30 युवाओं को प्लास्टिक मोल्डिंग के तकनीकी प्रशिक्षण हेतु सीपेट (सेंटर फॉर प्लास्टिक इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी) लखनऊ भेजा। इस अवसर पर परियोजना प्रमुख श्री मनदीप सिंह छाबडा ने एनटीपीसी और सीपेट के बीच हुए समझौता ज्ञापन के तहत बस को हरी झंडी दिखाकर युवाओं को रवाना किया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम सीपेट और एनटीपीसी के संयुक्त प्रयास का परिणाम है।

इस अवसर पर सीपेट के अकादमिक प्रमुख राजेश पांडा व उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन) डॉ. दिशा अवस्थी ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर ट्रेनिंग इंचार्ज के पी सिंह भी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि यह एक आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम है, जिसमें छह महीने तक युवाओं को तकनीकी कौशल प्रदान किया जाएगा। इस प्रशिक्षण के उपरांत उन्हें विभिन्न रोजगार अवसरों से जोडा जाएगा। परियोजना प्रमुख मनदीप सिंह छाबडा ने कहा कि एनटीपीसी ऊंचाहार अपने नैगम सामाजिक दायित्व के तहत स्थानीय युवाओं को कौशल विकास और रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

सीपेट के साथ यह साझेदारी न केवल युवाओं को तकनीकी ज्ञान प्रदान करेगी, बल्कि उनके उज्ज्वल भविष्य का मार्ग भी प्रशस्त करेगी। हमें विश्वास है कि इस प्रशिक्षण के माध्यम से ये युवा आत्मनिर्भर बनेंगे और अपने परिवारों और समाज के लिए प्रेरणा स्रोत बनेंगे।इस कार्यक्रम के लिए युवाओं का चयन आसपास के गांवों से किया गया। यह पहल एनटीपीसी की स्थानीय समुदायों के उत्थान की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। सीपेट के अकादमिक प्रमुख राजेश पांडा ने एनटीपीसी के इस प्रयास की सराहना की और कहा कि यह प्रशिक्षण युवाओं को प्लास्टिक मोल्डिंग के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकों से परिचित कराएगा और उन्हें कुशल पेशेवर बनाएगा।

पूर्व पीएम डॉ.मनमोहन सिंह के निधन पर शोकसभा

अमेठी। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का 92 वर्ष की आयु में दिल्ली स्थित एम्स में निधन हो गया। इस दुखद समाचार के बाद, केंद्रीय कांग्रेस कार्यालय गौरीगंज में शनिवार को शोकसभा का आयोजन किया गया। इस शोकसभा की अध्यक्षता कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंघल ने की। शोकसभा में सभी कांग्रेस नेताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इसके बाद, दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। इस दौरान कांग्रेस पार्टी का ध्वज भी पूर्व प्रधानमंत्री के सम्मान में झुकाया गया। कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंघल ने कहा, मनमोहन सिंह उन राजनेताओं में से थे, जिन्होंने शिक्षा और प्रशासन के क्षेत्र में सहजता से काम किया। कांग्रेस प्रवक्ता अनिल सिंह ने बताया कि पूर्व प्रधानमंत्री डॉ0 मनमोहन सिंह के निधन पर उनके सम्मान में पार्टी द्वारा स्थापना दिवस सहित अगले 7 दिन तक पार्टी के सभी अधिकारिक कार्यक्रम निरस्त कर दिये गये हैं।

क्विक न्यूज

पुलिस की पकड़ से दूर हैं गोलीकांड के आरोपी

जगदीशपुर, अमेठी। घटना के पांच दिन बीत जाने के बाद भी गोलीकांड के आरोपी पुलिस की पकड़ से दूर होने के चलते जहां घायल के परिजनो मे दहशत व्याप्त है तो वहीं क्षेत्रीय लोगो मे पुलिस की लचर कार्यशैली पर तरह तरह की चर्चाओं का बाजार गर्म है। थानाक्षेत्र के अंतर्गत स्थित महमदपुर गांव निवासी अनीत सिंह को चार दिन पूर्व अज्ञात हमलावर ताबड़तोड़ फायरिंग करके फरार हो गए थे ह्न घायल के पिता की तहरीर पर पुलिस मुकदमा पंजीकृत कर आरोपियो की तलाश मे चार दिनो से गली कूचो की खाक छान रही है। परंतु समाचार लिखे जाने तक आरोपियों का सुराग लगाने मे नाकाम साबित हो रही है, जिसके चलते घायल के परिजन खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। घायल के पिता ने बताया कि मेरे बेटे का उपचार लखनऊ के एक अस्पताल मे चल रहा है जिसकी हालत मे थोड़ा बहुत सुधार होने लगा है ह्न लेकिन आरोपी पुलिस की पकड़ में ना आने के चलते मेरा परिवार खौफ के साए मे जीने को मजबूर है। इस सम्बंध मे क्षेत्राधिकारी अतुल कुमार सिंह ने बताया कि गोलीकांड के आरोपियों को पकड़ने के लिए निरंतर पुलिस का प्रयास जारी है, जल्द ही गिरफ्तार कर जेल रवाना किया जाएगा।

गुरुकुल विद्यालय प्रबंधन ने वितरित किए कंबल

महराजगंज, रायबरेली। गुरुकुल ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन की ओर से समाज हित में लगातार कार्य किए जा रहे हैं, विद्यालय प्रबंधन द्वारा प्रत्येक वर्ष गरीब जरूरतमंदो को ठंड से बचाव के लिए कंबल वितरित किए जाते हैं।उसी क्रम में स्वर्गीय रामदत्त मिश्रा की पुण्यतिथि पर आज शनिवार को विद्यालय प्रबंधन द्वारा ग्राम पंचायत मुरैनी में कम्बल वितरण का आयोजन किया गया विद्यालय के प्रबंधक आर डी मिश्र व उपाध्यक्ष पूजा मिश्रा द्वारा मुरैनी ग्राम पंचायत के करीब 200 जरूरतमंदो को ठंड से निजात के लिए कम्बल वितरित किए।इस दौरान पूजा मिश्रा ने कहा कि गरीब और जरूरतमंद की सेवा करने पर ईश्वर पुण्य प्रदान करता है, और सेवाभाव के कारण एक अलग प्रकार की आत्मसंतुष्टि मिलती है।

वित्तीय अनियमितताओं में फंसे प्रांतीय खंड लोनिवि के एक्सईएन, सहायक व अवर अभियंता निलंबित

- अनुबंधित ठेकेदार को भी किया गया ब्लैकलिस्ट

संवाददाता। उरई, जालौन

प्रांतीय खंड लोनिवि में लंबे समय से चल रहे गड़बड़झाले से जुड़ी खबरों का प्रमुखता से उठाया और जब शासन स्तर से एसएलसी टीम की जांच में विभाग की वित्तीय अनियमितताओं का पिटारा खुलने के बाद विभागीय अधिकारियों पर कार्यवाही की गाज गिरने की चर्चायें चलनी शुरू हो गयी थी।

इसके बाद शासन स्तर से प्रांतीय खंड लोनिवि के एक्सईएन, सहायक अभियंता व अवर अभियंता को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का पत्र जारी होते ही विभाग में हड़कंप मच गया। वहीं उक्त संपर्क मार्ग के लिये अनुबंधित ठेकेदार को भी ब्लैकलिस्ट करते हुये संबंधित ठेकेदार से नियमानुसार वसूली की कार्यवाही सुनिश्चित कराते हुये शासन को अवगत कराया जाये।

शासन स्तर से प्रांतीय खंड लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत भेपता संपर्क मार्ग के किमी 1, 2, 3, 4 (850) एवं परेछा संपर्क मार्ग 1, 2, 3, 4 (350) में सामान्य मरम्मत से नवीनीकरण के कार्य में गलत आख्या उपलब्ध कराकर अधिक लंबाई में मार्ग की स्वीकृति कराने, गलत माप करने एवं निर्माण कार्य का भुगतान कर शासन को वित्तीय हानि पहुंचाने आदि गंभीर अनियमितताओं के लिये अमित सक्सेना अधिशासी अभियंता प्रांतीय खंड लोनिवि उरई को उप्र सरकारी सेवक अनुशासन एवं अपील नियमावली-1999 के नियम-4 (1) के अंतर्गत तात्कालिक प्रभाव से निलंबित किया गया।

एक्सईएन अमित कुमार सक्सेना निलंबन अवधि में कार्यालय प्रमुख अभियंता विकास एवं विभागाध्यक्ष लोक निर्माण विभाग लखनऊ से सम्बद्ध रहेंगे। निलंबन की अवधि में एक्सईएन अमित कुमार सक्सेना को वित्तीय नियम संग्रह खंड-2 भाग-2 से 4 के मूल नियम-53 के प्राविधानों के अनुसार जीवन निर्वाह भत्ते की धनराशि अर्द्धवेतन देय होगा।

इसी मामले में प्रांतीय खंड लोनिवि उरई के सहायक अभियंता क्षितिज विवके के विरुद्ध भी अनुशासनिक कार्यवाही संस्थित करने का आदेश जारी कर दिया। उक्त प्रकरण में जांच कार्यवाही के सम्पादनार्थ मुख्य अभियंता मध्य क्षेख् लोनिवि लखनऊं को पदनाम से जांच अधिकारी तथा नियम-7 (11) के अंतर्गत अधिशासी अभियंता निर्माण खंड-3 लोनिवि उरई को पदनाम से प्रस्तुतकर्ता अधिकारी नामित किया गया है। इसी प्रकरण में शासन को वित्तीय हानि पहुंचाने आदि गंभीर अनियमितताओं हेतु सुनील आनंद अवर अभियंता प्रांतीय खंड लोनिवि उरई के विरुद्ध भी उप्र सरकारी सेवक अनुशासन एवं अपील नियमावली-1999 के नियम-7 के अंतर्गत अनुशासनिक कार्यवाही एवं नियम-4 (1) के अंतर्गत निलंबन की कार्यवाही अमल में लायी गयी हैं।

उक्त मामले में शासकीय धनराशि को बगैर कार्य किये प्राप्त करने के कारण अनुबंधित ठेकेदार को ब्लैकलिस्ट करते हुये संबंधित ठेकेदार से नियमानुसार वसूली की कार्यवाही भी सुनिश्चित कराते हुये शासन को अविलंब अवगत कराने के निर्देश दिये गये।

शिवगढ़ कांग्रेस कार्यालय में पूर्व पीएम डॉ.मनमोहन सिंह को दी गई श्रद्धांजलि

शिवगढ़, रायबरेली। नगर पंचायत के भवानीगढ चौराहा स्थित कांग्रेस ब्लॉक कार्यालय में देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ.मनमोहन सिंह को भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। श्रद्धांजलि सभा का आयोजन कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष एडवोकेट गौरव मिश्रा के नेतृत्व में आयोजित किया गया। कांग्रेसियों ने मनमोहन सिंह की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि देने के साथ ही 2 मिनट का मौन धारण कर उनकी आत्मा की शान्ति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। एडवोकेट गौरव मिश्रा ने स्वर्गीय प्रधानमंत्री के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि1991 में जब डॉ. मनमोहन सिंह भारत के वित्त मंत्री बने, तब देश एक बहुत बडे आर्थिक संकट से घिरा हुआ था। अगर मनमोहन सिंह न होते तो आप दूरदर्शन ही देख रहे होते, क्योंकि 1991 तक भारत में महज एक टीवी चौनल मौजूद था, वो भी सरकारी चौनल दूरदर्शन। मनमोहन सिंह ने कहा था कि भविष्य को समझना है तो इतिहास कहा ये भी जाता है कि भविष्य का निर्धारण करने में इतिहास एक शिक्षक होता है। ये बातें उन्होंने अर्थशास्त्र के शिक्षक से आरबीआई गवर्नर, फिर वित्त मंत्री और प्रधानमंत्री पद तक पहुंचने से 9 साल 359 दिन पहले एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कही थी।

जीवन को खुली किताब बताने वाले देश के पूर्व प्रधानमंत्री को इतिहास कैसे याद करेगा। मनमोहन सिंह ने भ्रष्टाचार के आरोप से लेकर मजबूत प्रधानमंत्री होने तक की शंकाओं को लेकर उठते सवालों पर सिर्फ एक जवाब दिया था फैसला इतिहास करेगा।

भाईचारे को खण्डित करने का काम कर रही है मौजूदा सरकार: अब्दुल कलाम

संतकबीरनगर। भाजपा सरकार में प्रदेश और देश कर्ज के बोझ से दबता जा रहा है। सरकारें केवल हिन्दू-मुस्लिम को लड़ाने का काम कर रही हैं। विकास और युवाओं को रोजगार दिलाने को लेकर कोई कार्य नहीं हो रहा है। चीन लगातार देश की भूमि पर कब्जा कर रहा है, लेकिन भाजपा सरकार चुप बैठी है। कैलाश मानसरोवर पर भी चीन कब्जा जामाए है जबकि वह भारत का हिस्सा है। केन्द्र सरकार ने अभी तक इसको लेकर कोई पहल नहीं की है। उक्त बातें समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष और पूर्व विधायक अब्दुल कलाम ने शनिवार को पार्टी कार्यालय पर कहीं। वह पार्टी नेताओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सर्व प्रथम पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह निधन पर शोक प्रकट करते हुए श्रद्धासुमन अर्पित किया। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री ने देश की अर्थव्यवस्था को नए मुकाम पर पहुंचाया था। उनके 10 वर्ष के कार्यकाल में देश ने तरक्की किया, विकास कार्य तेजी से आगे बढ़े। लेकिन वर्तमान भाजपा सरकार ने केवल देश को कर्जदार बनाया है। भाजपा सरकार दंगा, हिन्दू-मुस्लिम और मन्दिर मस्जिद में फंसी हुई है। यूपी सरकार के कुल बजट से अधिक कर्ज हो गया है। बच्चे स्कूल छोड़कर मजदूरी करने को मजबूर हैं।

शुकुल बाजार प्रतापगढ़ ने ऊंचाहार को आठ विकेट से हराया

परशदेपुर, रायबरेली। नगर पंचायत परशदेपुर के गेवडे मैदान पर कारगिल शहीद किक्रेट प्रतियोगिता का उद्घाटन मैच शुकुलपुर प्रतापगढ ने ऊंचाहार को आठ विकेट से हराया। मुख्य अतिथि समाजसेवी अली अहमद व सभासद शम्सी रिजवी ने खिलाडियों से परिचय प्राप्त कर फीता काटकर प्रतियोगिता का शुभारंभ कराया। लोगों को संबोधित करते हुए अली अहमद ने कहा कि खेल को खेल की भावना से खेलना चाहिए। खेल में हार से भी सीख मिलती है।12 ओवर के उद्घाटन मैच में शुकुलपुर प्रतापगढ़ की टीम के कप्तान सैफने टास जीतकर फील्डिंग करने का निर्णय लिया।

गणमान्यजन क्षय रोगियों को गोद लेकर स्वस्थ होने तक करें देखभाल: जिलाधिकारी

संवाददाता। उरई, जालौन

जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय व पुलिस अधीक्षक डॉ दुर्गेश कुमार ने रेडक्रास सोसाइटी के तहत सिटी सेंटर पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने किया। जिलाधिकारी ने युवाओं, अधिकारियों, कर्मचारियों, गणमान्यजनों से अधिक से अधिक संख्या में रक्तदान करने की अपील की।

जिलाधिकारी ने कहा कि आपका रक्त किसी जरूरतमंद की जिंदगी बचा सकता है। अधिकांश महिलाओं को प्रसव के दौरान रक्त की आवश्यकता होती है, साथ ही सड़क दुर्घटनाओं में घायल लोगों और थेलेसीमिया के मरीजों को भी रक्त की जरूरत रहती है। आपका रक्त उन्हें नवजीवन प्रदान करने में सहायक होगा। टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत जिलाधिकारी ने क्षय रोगियों को गोद लेकर उन्हें प्रोटीन युक्त पोषण पोटली की किट दी। उन्होंने कहा कि जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ साथ गणमान्य व्यक्ति भी क्षय रोगियों को गोद लेकर उन्हें स्वस्थ होने तक उनकी दवा से लेकर स्वस्थ्य होने तक देखभाल करें।

जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया कि मरीज को टीबी की दवा समय से उपलब्ध हो व मरीज समय से पूरी दवा छह महीने तक खायें। दवा खाने के दौरान दो महीने से छह महीने पर फॉलोअप भी करवाएं, जिससे पता चल सके कि मरीज ठीक हो रहा है। जिलाधिकारी ने कहा कि मरीज को दवा खाने के दौरान मिलने वाली 06 हजार प्रति छह माह में दो किस्तों में 3-3 हजार की धनराशि डीबीटी के माध्यम से उसके खाते समय से पंहुचाई जा रही है, जिससे मरीज पोषण युक्त खाना अपने आहार में शामिल कर सके। इस दौरान उपस्थित लोगों को टीवी मुक्ति की शपथ दिलाई गई।

डीएम, एसपी ने एट थाने में की जन समस्याओं की सुनवाई

उरई, जालौन। माह के अंतिम शनिवार को जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय व पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्गेश कुमार द्वारा थाना एट पर आयोजित थाना समाधान दिवस पर जनता की समस्याएं सुनने के बाद उनका समाधान भी किया। जिन समस्याओं का मौके पर समाधान संभव नहीं हो सका ऐसी समस्याओं का जल्द समाधान करने के अधिकारियों को निर्देश दिए। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय व पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्गेश कुमार ने थाना एट पर आयोजित थाना समाधान दिवस पर फरियादियों की समस्याओं को सुना गया तथा सम्बन्धित अधिकारियों, कर्मचारियों को शिकायतों की गम्भीरता से लेकर शत-प्रतिशत निष्पक्ष निस्तारण करने हेतु निर्देशित किया गया। जिलाधिकारी ने सभी राजस्व कर्मियों को निर्देशित किया कि भूमि विवाद हेतु गठित संयुक्त टीम के द्वारा स्थलीय निरीक्षण कर विवाद निस्तारण करें। फैमिली आईडी और फार्मर रजिस्ट्री पर भी जोर दिया गया। पुलिस अधीक्षक डा. दुर्गेश कुमार ने पुलिस कर्मियों को निर्देशित किया गया कि थाना समाधान दिवस में प्राप्त शिकायती प्रार्थना-पत्रों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण जल्द से जल्द किया जाना चाहिए। पुलिस अधीक्षक ने ग्राम चौकीदारों से संवाद कर उनका मनोबल बढ़ाया।

आबकारी विभाग ने डेरों में दस्तक देकर लहन नष्ट किया, मचा हड़कंप

संवाददाता। कालपी, जालौन

आगामी नववर्ष तथा मकर संक्रांति के पर्वो को दृष्टिगत रखते हुए जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय तथा पुलिस अधीक्षक डॉ दुर्गेश कुमार के निर्देश पर आबकारी निरीक्षक मुकेश प्रताप सिंह के नेतृत्व में संयुक्त टीम द्वारा कालपी नगर तथा जोल्हूपुर मोड़ तथा कदौरा क्षेत्र में देशी, अंग्रेजी बियर तथा मदिरा की दुकानों में छापा मारकर चेकिंग अभियान चलाया गया। टीम के द्वारा मदिरा की दुकानों की चेकिंग करके लाइसेंस धारकों तथा संचालकों को ओवररेटिंग में मदिरा न बेंचने की सख्त हिदायत दी गई। इसीक्रम में आबकारी निरीक्षक मुकेश प्रताप सिंह ने अवगत कराया कि टीम द्वारा तहसील क्षेत्र के अंतर्गत कालपी डेरा, बबीना डेरा, बड़ागांव के संदिग्ध ठिकानों में छापेमारी की गई। छापे मारी के दौरान 100 किग्रा लहन नष्ट किया गया। आबकारी अधिनियम के अंतर्गत दो मुकदमे पंजीकृत कराए गए। इसके अलावा टीम के द्वारा होटल ढाबा तथा संदिग्ध ठिकानों पर चेकिंग की गई।

बीती शाम को उप जिलाधिकारी के साथ आबकारी अधिकारी मुकेश प्रताप सिंह की संयुक्त टीम में शामिल आबकारी विभाग जालौन इंस्पेक्टर तथा कर्मचारियों ने कालपी नगर के मोहल्ला बाईपास, सब्जी मंडी, टरनंनगंज टॉकीज रोड, खोवा मंडी के अलावा जोल्हूपुर मोड़,उसर गांव आदि स्थानों में स्थित देसी तथा अंग्रेजी ,वियर आदि शराब की दुकानों में गहनता से निरीक्षण किया। तथा गोपनीय तरीके से शराब की खरीदारी टेस्ट परचेसिंग भी कराई गई।चेकिंग अभियान के दौरान दुकानों में शराब के स्टॉक का निरीक्षण तथा गणना करके रजिस्टर तथा अभिलेखों से मिलान किया। इस दौरान बोतलों तथा पैकेटों की सील की चौकिंग तथा टेस्ट किया गया। टीम ने दुकानों तथा परिसर में स्वच्छता बनाए रखने के लिए सख्त निर्देश दिए। वहीं आबकारी अधिकारी मुकेश प्रताप सिंह ने लाइसेंस धारकों को हिदायत दी कि दुकानों में रेट लिस्ट का साइन बोर्ड में मोबाइल नम्बरो को जरूर अंकित करें। उन्होंने बताया कि लाइसेंस की शर्तो तथा विभागीय नियमों के तहत शराब की बिक्री करें।

मिशन शक्ति फेज के अंतर्गत नारी सुरक्षा के विषय में किया जागरूक

संवाददाता। रसूलाबाद, कानपुर देहात

मिशन शक्ति फेस 5 के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जहां बालिकाओं को नारी सुरक्षा के विषय में विस्तृत रूप से जानकारियां दी गई। शनिवार को उच्च प्राथमिक विद्यालय अंता में मिशन शक्ति फेस 5 के तहत जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विकास खंड रसूलाबाद के खंड शिक्षा अधिकारी अजब सिंह और विशिष्ट अतिथि के रूप में ब्लॉक प्रमुख शिवराजपुर शुभम बाजपेयी, नोडल शिक्षिका की भूमिका में प्रतीक्षा त्रिपाठी, विकास त्रिपाठी, प्राथमिक विद्यालय खेम निवादा की प्रधानाध्यापिका अर्चना मिश्रा, उच्च प्राथमिक विद्यालय अंता के प्रधानाध्यापक विनीत मिश्रा,सहायक अध्यापक नीरज सिंह पाल,आदेश अवस्थी आदि शिक्षकों की उपस्थिति में कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय की बालिकाओं ने नृत्य व संगीत के माध्यम से बालिकाओं को सशक्त करने के बारे में अभिनय प्रदर्शन किया। जिसकी सभी ने भूरि-भूरि प्रशंसा की।

खंड शिक्षा अधिकारी अजब सिंह ने कहा कि आज के परिवेश में बालिकाओं को सशक्त करना बहुत जरूरी है। जिसके लिए हम सभी को इसे एक अभियान के रूप में चलाना चाहिए। ब्लॉक प्रमुख शुभम बाजपेयी ने कहा कि बालिकाएं अगर सशक्त होंगी तभी हम एक सशक्त समाज का निर्माण कर पाएंगे। अत: हम सभी को मिलकर बालिकाओं की सशक्तिकरण के लिए कार्य करना चाहिए। विद्यालय के प्रधानाध्यापक विनीत मिश्रा ने बताया कि आज का दौर बालक और बालिका में भेद करने का नहीं है। हमें सभी को समान अवसर देना चाहिए और बालिकाओं को भी बालकों के समान शिक्षित करने के लिए आगे बढ़कर प्रयास करने चाहिए।

सपा ने मुराइनटोला में पीडीए चौपाल लगाकर किया जागरूक

फतेहपुर। समाजवादी पार्टी ने सदर विधानसभा के सेक्टर मुराइनटोला में पीडीए चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया। जिसको संबोधित करते हुए वक्ताओं ने पीडीए समाज को एकजुट होने की अपील की। ताकि निकम्मी सरकार को जड़ से उखाड़ फेका जा सके। चौपाल में बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया। चौपाल की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष सुरेंद्र यादव व संचालन सऊद अहमद ने किया। चौपाल में आए लोगों को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष ने चौपाल लगाने के उद्देश्य की विस्तृत चर्चा की। उन्होने कहा कि आज पीडीए समाज को संगठित होने की जरूरत है। संगठित होने से अपने हक की बात कहने व अधिकार पाने की आवश्यकता है। जिससे देश में खुशहाली आए गैरबराबरी, जातिवाद खत्म हो। सब मिलजुल रहेंगे तभी देश तरक्की करेगा।

चौपाल में मुख्य रूप से जिला महासचिव चौ. मंज़रयार, विधायक चंद्र प्रकाश लोधी, चेयरमैन राजकुमार मौर्या, मोती प्रधान, शनि लोधी, रिशु तिवारी, अकील अहमद, नफीसा बनो, सेक्टर प्रभारी नवाब मलिक, नागेंद्र यादव, दानिश, जुगनू, धीरेन्द्र मौर्या, बिलाल, सलमान, साकिब, सुमित, हिमांशु सिंह, धीरेन्द्र मौर्य टीकू आदि मौजूद रहे।

ओवरलोड वाहनों से असोथर तक की सड़कें ध्वस्त, हालत बिगाड़ रहे ट्रक व डम्पर

संवाददाता। असोथर, फतेहपुर

यमुना किनारे के गांवों को जोड़ने वाली सड़क पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों की अनदेखी का शिकार है। जरा से बारिश से दलदल व गड्ढों में तब्दील मार्ग से लोग कीचड़ में होकर निकलने के लिए मजबूर है। गांव से नगर पंचायत असोथर में पढ़ने आने वाले बच्चे कीचड़ में गिर जाते हैं जिससे बच्चो की स्कूल ड्रेस, बैग, पुस्तके खराब हो जाती हैं। असोथर जरौली रामनगर कौहन रोड लगभग 09 किलोमीटर गड्ढा युक्त है।

सड़क में बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैंजिनपर बारिश का पानी भर जाता है। जब से मरका घाट से मोरम की निकासी शुरू हुई है और ओवरलोड डंपर व ट्रक भारी मात्रा में निकलते हैं उससे रोड का कचूमर निकल गया है।रोड दलदल में तब्दील हो गयी है। यह रोड रामनगर कौहन मरका घाट को जोड़ता है। यह रोड 2018 में बनी थी। 07 साल में रोड पूरी तरह से ध्वस्त हो गई है। इस सड़क मे सिंघुतारा, जरौली, सवला का डेरा, दरियावपुर, कंसापुर, रामसोलेपुर, रामनगर कौहन, राजाराम का डेरा, मिश्रन डेरा जब से मरका पुल बना है बांदा व चित्रकूट तक लोग आवागमन करते हैं। स्थानीय एक विद्यालय के प्रधानाचार्य आदित्य कुमार अग्निहोत्री का कहना है कि यमुना किनारे गांव के बच्चे स्कूल में पढ़ने आते हैं। बारिश के समय मे रोड खराब हो जाती है परंतु एक माह से मरका घाट चलने लगा है। ओवरलोड ट्रकों व डंपरो के चलने से रोड और खराब हो गई है जिससे बच्चों को आने में बहुत दिक्कत हो रही है। रामनगर कौहन निवासी सुरेश सिंह का कहना है कि कई बार क्षेत्रीय विधायक व पूर्व केंद्रीय मंत्री से रोड के लिए मांग कर चुके हैं परंतु कोई सुनाई नहीं हुई। जिम्मेदार बोलेरू पीडब्लूडी के अवर अभियंता शिवकरन का कहना है कि ओवरलोड ट्रकों व डम्परों के चलने से रोड खराब हुई है। रोड का एस्टीमेट बनाकर भेज दिया गया है एस्टीमेट पास होते रोड के दुरुस्तीकरण का कार्य कराया जाएगा।

शनि देव मंदिर में हुआ भंडारा, भक्तों ने पाया प्रसाद

फतेहपुर। शनि देव मंदिर में भंडारे का आयोजन किया गया। कुं. राज किरन सिंह एवं रानू पटेल ने बताया कि दो वर्षों से साल के अंतिम शनिवार के दिन शनि देव मंदिर में यह भंडारा किया जाता है। तीसरे वर्ष भी भंडारा सुबह 10 बजे से किया गया। भंडारे का प्रसाद सर्वप्रथम शनिदेव को भोग लगाकर प्रसाद वितरण किया गया। पूड़ी, सब्जी और हलवे का प्रसाद वितरण किया। इस मौके पर रोहित, योगेंद्र सहाय, सुनील कुमार पटेल, अमित, प्रदीप, हर्षित, रवि, अजय, विजय, हर्ष बाबू, छोटू आदि लोग मौजूद रहे।

पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के निधन पर कांग्रेसियों ने दी श्रद्धांजलि

फतेहपुर। शहर के ज्वालागंज स्थित कार्यालय में जिला एवं शहर कांग्रेस के संयुक्त तत्वावधान में पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जी के निधन एक शोक सभा का आयोजन कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कांग्रेसियों ने उनके कृतित्व को याद करते हुए उन्हे सच्चे मायने में एक सफल प्रधानमंत्री एवं वित्त मंत्री माना। साथ ही उनकी ईमानदारी एवं देश भक्ति की भूरि भूरि प्रशंसा की। वरिष्ठ नेताओं में श्रवण गौड़, महेश द्विवेदी, सुधाकर अवस्थी, शेख एजाज अहमद, निवर्तमान जिलाध्यक्ष बीरेंद्र सिंह चौहान, शहर अध्यक्ष आरिफ गुड्डा, कैलाश द्विवेदी आदि ने उन्हें देश का सच्चा नायक करार दिया। साथ ही भाजपा द्वारा उनकी अंत्येष्टि पर किए जा रहे दुर्भाव को एक ओछी मानसिकता बताते हुए भविष्य में होने वाली ऐसी ही पुनरावृत्ति के लिए तैयार रहने को कहा। श्रद्धांजलि सभा में मुख्य रूप से हेमलता पटेल, बृजेश मिश्रा, अनुराग मिश्र, इशरत खान, सै. शहाब अली, शबनम, माधुरी रावत, रामनरेश महाराज, अकरम काले, एमएल श्रीवास, बीरेंद्र गुप्ता, सलीम खान, राशिद सिद्दीकी, अरुण जायसवाल, अजय बच्चा, सरला सिंह, अभय शुक्ला, रविकांत शुक्ला, मनोज सविता आदि मौजूद रहे।

समाधान दिवस में आईं नौ शिकायतें दो का मौके पर किया गया निस्तारण

गुरसहायगंज, कन्नौज। शासन के निर्देश पर कोतवाली परिसर में सीओ सदर व एसडीएम छिबरामऊ नें समाधान दिवस के अवसर पर संयुक्त रूप से शिकायत कर्ताओं की समस्याओं को सुनकर दो शिकायतों के निस्तारण पुलिस व राजस्व टीम के साथ मौके पर पहुचकर किये। जबकि अन्य शिकायतों के निस्तारण के लिये अधीनस्थों को आवश्यक निर्देश दिए। शनिवार को स्थानीय कोतवाली में आयोजित समाधान दिवस में पहुंचे एसडीएम छिबरामऊ उमाकान्त तिवारी एवं सीओ सदर कमलेश कुमार के समक्ष आठ राजस्व व एक पुलिस संबन्धित कुल नौ शिकायतें आई।

जिसपर उन्होनें दो शिकायतों का पुलिस व राजस्व टीम के साथ मौके पर पहुंचकर निरीक्षण के बाद निस्तारण सुनिश्चित किया। इसके बाद उन्होनें अन्य शिकायतों के निस्तारण के लिये अधीनस्थों को निर्देशित किया। समाधान दिवस के इस आयोजन से क्षेत्रीय लोगों में प्रशासन के प्रति भरोसा और संतोष देखने को मिला। शिकायतकर्ताओं ने अधिकारियों की त्वरित कार्रवाई की सराहना की। इस दौरान प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार दुबे, कानूनगों प्रेमकृष्ण मिश्रा, निरीक्षक विष्णुकांत, शैलेन्द्र सिंह सहित लेखपाल कौशल पाण्डेय, आदि मौजूद रहे।

बैरंग लौटी अतिक्रमण हटाने गई राजस्व और पुलिस टीम

सुमेरपुर, हमीरपुर। पाथामाई तालाब में अतिक्रमण हटाने के लिए पहुंची राजस्व टीम एवं पुलिस बल के सदस्यों को महिलाओं द्वारा आत्मदाह करने की धमकी देने पर बैक फुट में आना पड़ा और टीम चेतावनी देकर बैरंग लौट आई।

नगर पंचायत पाथामाई तालाब के सुंदरीकरण एवं पथवे निर्माण की तैयारी कर रही है। तालाब के पार में कुछ लोगों ने रिहायशी मकान बना रखे हैं। नगर पंचायत ने करीब एक दर्जन लोगों को नोटिस देकर तालाब की पार को खाली करने को कहा था लेकिन किसी ने जगह खाली नहीं की। शनिवार को समाधान दिवस में आए नायब तहसीलदार अखिलेश कुमारए कानूनगो छोटेलाल वर्मा कस्बे के लेखपाल और नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी दिनेश चंद्र आर्य व एसआई मनीष पटेल आदि को साथ लेकर तालाब में पहुंचेए बुलडोजर को सामने देखकर मुन्ना यादव के परिवार की महिलाएं सामने आ गई और बच्चों सहित बुलडोजर के सामने आत्मदाह कर लेने की धमकी दी। इससे राजस्व एवं पुलिस टीम के हाथ पैर फूल गए।

अधिकारियों से वार्ता के बाद टीम बैरंग लौट गई।नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी ने बताया कि रमेश अशोक मुन्ना यादव शंकर यादव गोपी यादव कैलाश संजय संतोष शिवरतन प्रेम यादव कमलेश सोनकर रमेश सोनकर आदि को नोटिस दी गई थी।

पाथामाई तालाब में सुंदरीकरण और पथवे का निर्माण किया जाना है। इसी के दृष्टिगत टीम मौके पर पहुंची थी। यहां की वस्तुस्थिति को देखकर मुन्ना यादव को निर्माण न करने की हिदायत दी गई है और मामले को उच्च अधिकारियों से अवगत कराया गया है।

क्विक न्यूज

थाना समाधान दिवस में 34 शिकायतें निस्तारित हुईं

फतेहपुर। जिले के सभी थानों पर शनिवार को संपूर्ण थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। अपर पुलिस अधीक्षक व अपर जिलाधिकारी ने मलवां व सीओ ने अपने-अपने क्षेत्रों के थानों पर फरियादियों की समस्याएं सुनकर निस्तारण किया। पंजीकृत शिकायतों में 34 का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। एएसपी ने हिदायत दिया कि पीड़ितों की समस्याओं का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए। पुलिस अधीक्षक धवल जायसवाल के निर्देशन में जनपद के समस्त थानों पर थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें अपर पुलिस अधीक्षक विजय शंकर मिश्र व अपर जिलाधिकारी अवनीश त्रिपाठी ने मलवां थाने पहुंचकर पीड़ितों की समस्याएं सुनकर निस्तारण कराने का काम किया। एएसपी ने निर्देशित किया कि पीड़ितों की शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण व समय से निस्तारण किया जाए। इस कार्य में हीलाहवाली न बरती जाए। उधर समस्त क्षेत्राधिकारीगण एवं थाना प्रभारी/थानाध्यक्षों ने प्राप्त जन शिकायतों की सुनवाई कर निस्तारण किया। थाना समाधान दिवस में कुल 116 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए। जिसमें राजस्व से संबंधित 82 व पुलिस से संबंधित 34 शिकायतें रहीं। जिसमें राजस्व टीम के साथ पहुंचकर पुलिस ने राजस्व से संबंधित 19 प्रार्थना पत्रों व पुलिस से संबंधित चौदह शिकायतों का निस्तारण कराया। शेष प्रार्थना पत्रों का निस्तारण किया जा रहा है।

मौरंग खदान में सरकारी गाड़ी में डीजल भरवाने वाले नायब तहसीलदार पर डीएम ने की कार्रवाई

राठ, हमीरपुर। मौरंग खनन में मजिस्ट्रेट लिखी टाटा सुमो सरकारी गाड़ी में डीजल डलवाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने पर जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने मामले को संज्ञान में लेते हुए नायब तहसीलदार को राठ से हटाकर जिलाधिकारी कार्यालय संबंध कर दिया है। शनिवार को टोला खंगारन मौरंग खदान के अंदर मजिस्ट्रेट लिखी टाटा सूमो सरकारी गाड़ी में डीजल डालने का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में असलहा लेकर कुछ लोग खड़े दिख रहे हैं। गाड़ी लेकर राठ तहसील के नायब तहसीलदार वीरपाल सिंह द्वारा बताई जा रही है। वीडियो वायरल होते ही जिलाधिकारी ने मामला संज्ञान में लेते हुए नायब तहसीलदार वीरपाल सिंह को जिलाधिकारी कार्यालय में संबंध कर दिया है। साथ ही इसकी जांच एसडीएम सरीला विपिन कुमार शिवहरे को सौंपी गई है। तीन दिन में जांच आख्या देने के एसडीएम को निर्देशित किया गया है। इस संबंध में नायब तहसीलदार वीरपाल सिंह ने बताया कि वीडियो दो माह पुराना है। डीजल खत्म होने पर संबंधित लेखपाल द्वारा गांव से डीजल मंगवाकर गाड़ी में डलवाया गया था।

तेज रफ्तार कंटेनर की चपेट में आने वाले एक व्यक्ति की मौत दूसरा गंभीर

सुमेरपुर, हमीरपुर। नेशनल हाईवे. पर कुंडौरा के पास तेज रफ्तार कंटेनर की चपेट में आने से बाइक सवार दो युवकों में से एक की मौत हो गई जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक को कानपुर रेफर किया गया है। शनिवार दोपहर ललपुरा थाना क्षेत्र के पौथिया गांव निवासी अशोक कुमार और धर्मेंद्र कुमार (22) बाइक से कस्बे से अपने गांव लौट रहे थे। कुंडौरा गांव के पास तेज रफ्तार कंटेनर ने उनकी बाइक को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर 112 पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और घायलों को एंबुलेंस की मदद से सदर अस्पताल भेजा। इलाज के दौरान धर्मेंद्र कुमार ने दम तोड़ दिया जबकि अशोक कुमार की हालत गंभीर होने के कारण उसे कानपुर रेफर किया गया। घटना के बाद कंटेनर चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने कंटेनर को कब्जे में लेकर फैक्टरी एरिया पुलिस चौकी में खड़ा कराया है और आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। युवक की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया है।

दलित युवक को जूते से पीटकर सिर मुड़वाने के मामले में कार्रवाई की मांग

संवाददाता। फतेहपुर

खागा थाना क्षेत्र के ग्राम एलई गांव के दलित युवक पर धर्मांतरण का आरोप लगाकर बाल मुड़वाकर पूरे गांव में मारपीट कर घुमाने व जबरन नारा लगाए जाने का मामला सामने आने के बाद पासी कल्याण समिति के बैनर तले बड़ी संख्या में लोगो ने कलक्ट्रेट पहुंचकर जमकर नारेबाजी व प्रदर्शन करते हुए दलित युवक के साथ हुई घटना पर नाराजगी जताते हुए दोषियों पर कार्रवाई की मांग किया।

शनिवार को पासी कल्याण समिति के बैनर के जिलाध्यक्ष वासुदेव पासी व पूर्व डीआईजी एव खागा बिधानसभा के पूर्व सपा प्रत्याशी रामतीर्थ परमहंस के नेतृत्व में पहुंचे लोगों ने बहलोलपुर एलई ग्राम में दलित युवक शिवबरन पुत्र स्व0 सुंदरलाल के साथ रोहित दीक्षित समेत कृष्ण कुमार मिश्रा, संदीप तिवारी, लवलेश सिंह, सोमकरण मौर्या, सत्यदेव कश्यप समेत 50-60 अज्ञात लोगों पर दलित युवक के बाल मुंडवाकर पूरे गांव में घमाकर मारपीट कर करने का आरोप लगाते हुए दोषियों पर कार्रवाई की मांग किया।

पीड़ित व्यक्ति शिवरन ने बताया कि उन्नाव से पुत्र की दवा लेकर गांव वापस आते ही आरोपियों ने उस पर धर्मांतरण कराने का झूठा आरोप लगाते मारपीट शुरू कर दी। सिर के बाल मुड़वाकर पूरे गांव में मारते पीटते घुमाया गया।

समिति के लोगो ने जिलाधिकरी को सम्बोधित शिकायती पत्र एसडीएम को देते हुए बताया कि पीड़ित शिवबरन की सूचना पर पहुँचे हलका दरोगा के द्वारा शिवबरन के पिता शिवपाल व शिवबरन की पत्नी निर्मला देवी पुत्र आशीष कुमार को आरोपी रोहित दीक्षित के घर पर बुलाकर मारपीट करने व समझौता न करने पर जान से मार देने की धमकी देने का भी आरोप लगाया।

समिति के लोगों ने घटना के विरोध में सार्वजनिक रूप से प्रदर्शन करते हुए जिला प्रशासन और स्थानीय पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की।

इस मौके पर रामदीन, प्रदीप कुमार पासवान, रामस्नेही पासी, राकेश पासवान, ब्रजेंद्र सिंह एडवोकेट, प्रदीप कुमार, सूरजपाल रावत, अखिलेश पासवान, रामबहादुर पासी, इन्द्रसेन पासी, भोला पासी, राजेश पासी, राजेश पाटिल आदि रहे।

प्रबंधक महासभा की बैठक में विभिन्न बिंदुओं पर मंथन

फतेहपुर। प्रबंधक महासभा की प्रबंधकरिणी की बैठक में जनपद के अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों के प्रबंधकों ने अहम मुद्दों के साथ साथ बताया कि कतिपय विद्यालयों में व्याप्त समस्याओं एवं संबंधित अधिनियम के तहत हो रहे बदलाव के संबंध में गंभीर विचार विमर्श विस्तार पूर्वक किया गया। विद्यालयों में मौजूदा सरकार द्वारा चलाए जा रहे पुनरुद्धार कार्यक्रम के तहत प्रोजेक्ट अलंकार की प्रक्रिया के संबंध में भी जिला विद्यालय निरीक्षक से वार्ता करने के क्रम में विभिन्न बिंदुओं पर आपसी विचार विमर्श हुआ। प्रबंधको ने विद्यालयों में शैक्षिक उत्थान एवं विद्यालयों में विभिन्न प्रक्रियाओं के तहत छात्रों के समुचित विकास हेतु प्रयास प्रारंभ करने पर भी गहनता से विचार विमर्श किया। बैठक में मुख्य रूप से महासभा के अध्यक्ष लखन सिंह, गजराज सिंह, महामंत्री अखिलेश त्रिपाठी, उपाध्यक्ष राजेश कुमार मिश्रा, कोषाध्यक्ष अभय सिंह आदि मौजूद रहे।

नेता जी ने जनता के हितों के लिये आजीवन संघर्ष किया: तहसीन

गुरसहायगंज, कन्नौज। छिबरामऊ विधानसभा के अंतर्गत ग्राम कटकैया में पूर्व मुख्यमंत्री स्व. मुलायम सिंह यादव की स्मृति में बनने वाले स्मारक की स्थापना का शिलान्यास पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष तहसीन सिद्दीकी ने ईंट रख पूजन कर किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश ही नहीं संपूर्ण भारतवर्ष में जनता एवं किसानों के हितों की लड़ाई लड़ने वाले श्रद्धेय मुलायम सिंह यादव जैसा कोई नेता नहीं है। क्षेत्र के ग्राम कटकैया पहुंचे पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष तहसीन सिद्दीकी ने शिलान्यास के उपरांत कहा कि स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव ही उत्तर प्रदेश में एक ऐसे नेता हुए। जिन्होंने किसानों एवं आम जनता के हितों की लड़ाई सडक से लेकर संसद तक लड़ी। उन्होंने कहा कि हर्ष का विषय है कि ऐसे महान नेता श्रद्धेय मुलायम सिंह की स्मृति में स्मारक का निर्माण हो रहा है। हमारे क्षेत्र के लोगों में इस बात की बेहद खुशी भी है। इससे पूर्व उन्होंने नेताजी मुलायम सिंह यादव के स्मारक निर्माण के लिए कार्यकर्ताओं के साथ पहली ईट रखकर शिलान्यास किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य रूप से एडवोकेट आफ्ताब हुसैन, पूर्व सभासद अयूब खान, डॉ बृजेंद्र सिंह यादव, मुजफ्फर खान, मोहम्मद खान, राजेश यादव सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

थाना समाधान दिवस पर डीएम एसपी ने सुनीं लोगों की समस्याएं

लखीमपुर खीरी। जिले के सभी थानों में शनिवार को समाधान दिवस का आयोजन हुआ। इसमें पुलिस और भूमि विवाद से जुड़े मामलों की सुनवाई हुई। पुलिस, प्रशासनिक अफसरों ने शिकायत सुनकर निस्तारण कराया। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल, एसपी गणेश प्रसाद साहा ने थाना खीरी में आयोजित थाना समाधान दिवस में पहुंचे, जहां दोनो अफसरों ने फरियादियों से रूबरू होकर समस्याएं सुनी। समाधान दिवस में डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने कहा कि राजस्व-पुलिस से सम्बन्धित शिकायतें का निस्तारण आपसी सामंजस्य से सुनिश्चित कराए। इसमें किसी भी स्तर पर हीलाहवाली क्षम्य नही होगी। पीड़ितों की समस्याओं को खुद समझ कर दूर करें। फोर्स के साथ राजस्वकर्मी मौके पर जाकर विवादित मामलों का निस्तारण करें। अगर मामला गंभीर है तो तत्काल एसडीएम, तहसीलदार को अवगत कराएं, ताकि अधिकारी मौके पर जाकर समाधान करें। डीएम-एसपी ने फरियादियों की समस्याओं को सुनकर संबंधित अधिकारियों को मौके पर जाकर जनशिकायतों की निष्पक्ष जाँच करके विधिक निस्तारण करने के निर्देश दिए।

अधिवक्ताओं का नवें दिन क्रमिक अनशन जारी

मौदहा, हमीरपुर। .एक सप्ताह से अधिक समय बीत जाने पर अधिवक्ताओं का गुस्सा सातवें आसमान पर दिखाई दे रहा है तहसीलदार के स्थानांतरण के अलावा कोई समझौता न होने की अपनी बात पर अडिग अधिवक्ताओ ने मुर्दाबाद के नारे लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किया। किसानो आम जनमानस गरीब की समस्याओं की लड़ाई लड़कर समाज को न्याय दिलाने वाले अधिवक्ता के अधिकारियों द्वारा अनदेखी किए जाने पर क्रमिक अनशन के नवे दिन पूरे हो जाने पर जोरदार तरीके से मुर्दाबाद के नारे लगाए और भाषण देते हुए अपने संकल्प को दोहराया अधिवक्ता बाबूराम मिश्रा ने कहा कि तहसीलदार छोटे.बड़े मामलों पर भारी रिश्वत लेते हैं और एकल खिड़की खोलकर आम जनमानस को पर प्रचार करते है की तहसील परिसर में निशुल्क काम किए जाते हैं जो कहीं ना कहीं उनकी प्रथम को दोहराता है वही अधिवक्ता जितेंद्र कुशवाहा ने बताया कि बार एसोसिएशन के सभी साथी जिलाधिकारी से मिलकर अपनी समस्याओं को रखेंगे।

खीरी के इतिहास में हमेशा अंकित रहेगा वर्ष 2024 का लखीमपुर महोत्सव

संवाददाता। लखीमपुर खीरी

दिन पर दिन बदल रहा, करिए नेक विचार, जो बीता वह सीख है, आने वाला सुधार।

ये चंद पंक्तियां बीतते हुए साल-2024 पर बिलकुल सटीक बैठती हैं, ये सिर्फ पंक्तियां नहीं है बल्कि वर्ष 2024 की खट्टी मिठी यादों का एक झरोखा है, जिसने हम सभी को पूरे साल नये अनुभव और खोज से रूबरू कराया है। हर साल की तरह इस बार भी वर्ष 2024 मुट्ठी से फिसलती हुई रेत की तरह हम सभी से अलविदा लेने को बेकरार है। भले ही वर्ष 2024 हम सभी से दूर हो रहा है, लेकिन यह हमारी स्मृतियों में सदैव जिंदादिली का अहसास कराएगा।

वर्ष 2024 में जिला लखीमपुर खीरी ने जहां एक ओर तेज-तर्रार जिलाधिकारी के रूप में दुर्गाशक्ति नागपाल की उपलब्धियों को देखा तो वहीं पहली बार अनूठी पहल पर हुए लखीमपुर महोत्सव-24 इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गया। चाहे नवरात्र में 1100 कन्याओं का एक साथ कन्या पूजन हो या फिर बाढ़ में लोगों की मदद को हर पल उनके साथ खड़ीं जिलाधिकारी दुर्गाशक्ति नागपाल की सेवा के प्रति निष्ठा हो।

इन सभी उपलब्धियों को वर्ष 2024 ने अपने शांत स्वभाव से निहारा और दिलों में यादों का गुलदस्ता समेटे हुए अलविदा लेने जा रहा है। आइये ऐसी ही कुछ उपलब्धियों से हम आप सभी को रूबरू कराने जा रहे हैं।

सीएम योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुरूप लखीमपुर खीरी की सांस्कृतिक, प्राकृतिक, ऐतिहासिक विरासत को जन-जन तक पहुंचाने के लिए डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल की अनूठी पहल पर पहली बार लखीमपुर महोत्सव-24 का भव्य आयोजन किया गया। प्रदेश में एक ही स्थान पर महोत्सव आयोजन कराने की परंपरा से हटकर सर्किट फेस्ट की परिकल्पना को साकार किया गया। महोत्सव के चार दिनों में दुधवा राष्ट्रीय उद्यान, लखीमपुर, कोटवारा, छोटी काशी गोला और ओयल में भव्य आयोजन हुए। लखीमपुर महोत्सव-24 को तराई की मिट्टी का उत्सव की थीम पर धरातल पर उतारा गया।

प्रभारी निरीक्षक ने समाधान दिवस पर सुनी जनसमस्याएं

रूरा, कानपुर देहात। प्रभारी निरीक्षक जेपी सिंह ने थाना समाधान दिवस के अवसर र फरियादियों की शिकायतों को सुना। इस मौके पर पुलिस बल के साथ राजस्व टीम भी मौजूद रही। शनिवारको थानेपर आयोजित समाधन दिवस पर फरियादियों की शिकायतें सुनते हुये प्रभारी निरीक्षक ने अधीनस्थों को निर्देश दिये कि शासन की मॅशा के मुताबिक त्वरित व गुणवत्तापूर्ण समाधान किया जाये, पीडित पक्ष की शिकायतों कोसँवेदनशीलता के साथ सुने तथा गुणदोष के अनुसार शिकायतों का निस्तारण करे। थाने पर कुल 9 शिकायतें आयी, गहोलिया गाँव के रामकुमार ने अपनी पट्टाशुदा जमीन पर राजस्व टीम द्वारा कब्जा दिलाये जाने के बाद दोबारा दबँग महिला शकुन्तला के नेतृत्व में उसके खेतों पर मेड बाँधकर कब्जा करने की शिकायत की। पीड़ित ने बताया कि शकुन्तला के खिलाफ वर्ष 2003 में मासूम की हत्या का मुकदमा दर्ज है, शकुन्तला मुझे व मेरे परिजनों को गाली गलौज कर मारपीट पर उतारू हो जाती है तथा जान से मार देने की धमकी देती है। थानाध्यक्ष जेपी सिंह ने लेखपाल तथा पुलिस बल को मौके पर जाकर जाँच करने व पीडित को न्याय उपलब्ध करवाने के निर्देश दिये। थाने पर आयी 9 शिकायतें राजस्व से सम्बन्धित थी, जिनके शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिये गये।

पायनियर
लखनऊ, रविवार, 29 दिसम्बर 2024

उत्तराखंड में हिमपात और बारिश से ठंड बढ़ी

देहरादून(भाषा)। उत्तराखंड में शनिवार को ऊंचाई वाले स्थानों पर हिमपात तथा कम ऊंचाई वाले क्षेत्रों में रुक रुक कर बारिश हुई, जिससे पूरे राज्य में ठंड बढ़ गई, जबकि हिमालई मंदिरों की ओर जाने वाले राजमार्ग अभी भी कई स्थानों पर बंद हैं। आपदा प्रबंधन अधिकारियों ने यहां बताया कि पहाड़ों के ऊपरी इलाकों में लगातार हिमपात और रुक-रुक कर हो रही हल्की बारिश तथा निचले इलाकों में चल रही ठंडी हवाओं के कारण अधिकांश पहाड़ी जिले भीषण ठंड की चपेट में हैं। औली, हर्षिल, हेमकुंड साहिब, चोपता, दयारा, लोखंडी, सुक्की टॉप, मुनस्यारी और पिथौरागढ़ की ऊंची चोटियां बर्फ से ढक गई हैं।

मौसम विभाग ने शनिवार को चमोली, उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, देहरादून, पौड़ी, पिथौरागढ़ और नैनीताल सहित पर्वतीय जिलों में 2,500 मीटर और उससे अधिक ऊंचाई वाले स्थानों पर कुछ जगहों पर भारी हिमपात की संभावना जताई है। अधिकांश स्थानों पर आसमान में बादल छाए रहे तथा रुक-रुक कर बूंदाबांदी भी हुई। अधिकारियों ने बताया कि बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग, पांडुकेश्वर और बद्रीनाथ के बीच बर्फ जमा होने के कारण बंद है, जिसे साफ किया जा रहा है। सीमा को चीन से जोड़ने वाला जोशीमठ-नीती राजमार्ग भी सुराईथोथा से आगे बंद है जबकि केदारनाथ और बद्रीनाथ को जोड़ने वाला चमोली-कुंड राष्ट्रीय राजमार्ग धोतीधार और मक्कू बेंड के बीच बंद है। जोशीमठ और औली के बीच एक बड़ा पेड़ उखड़ जाने से सड़क अवरुद्ध हो गई है जिसके कारण यातायात प्रभावित है।

चमोली जिला आपदा प्रबंधन केंद्र ने बताया कि हिमपात से 65 से अधिक गांव प्रभावित हुए हैं।

बारिश के कारण कर्णप्रयाग के नौटी क्षेत्र के 10 गांवों में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई है। 33 केवी लाइन में खराबी आने से देवाल विकासखंड के सभी गांवों में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई है। थराली विकासखंड के डुंगरी क्षेत्र के 20 गांवों और नारायणबाग के संकोट क्षेत्र के 21 गांवों में भी विद्युत आपूर्ति बाधित है। वहीं पहाड़ों पर हो रहा हिमपात पर्यटकों को उत्तराखंड की ओर आकर्षित कर रहा है। मसूरी होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने बताया कि नए साल के जश्न के लिए पसंदीदा स्थान मसूरी के होटलों में 31 दिसंबर के लिए लगभग 70 प्रतिशत बुकिंग हो चुकी है।

राजस्थान में कई जगह बारिश व ओलावृष्टि, कड़ाके की सर्दी जारी

जयपुर। राजस्थान के अनेक इलाकों में एक नए पश्चिमी विक्षोभ के असर से बीते 24 घंटे में बारिश व ओलावृष्टि हुई। इसके अलावा राज्य के अनेक इलाकों में शनिवार को भी कोहरा छाया रहा और कड़ाके की सर्दी जारी है। मौसम विभाग के प्रवक्ता ने शनिवार को बताया कि सुबह तक के 24 घंटे में पूर्वी और पश्चिमी राजस्थान में कई स्थान पर हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। इस दौरान सबसे अधिक बारिश झालावाड़ जिले में 86.0 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। इसके अलावा कोटा के सांगोद, बूंदी के नैनवा और बारां जिले के शाहाबाद में 40 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। अन्य स्थानों पर 10 से 30 मिलीमीटर तक बारिश दर्ज की गई। राज्य में कुछ स्थानों पर घना से बहुत घना कोहरा दर्ज किया गया। दौसा, हनुमानगढ़ और अलवर सहित कुछ जिलों में ओले गिरे। मौसम विभाग के बुलेटिन के अनुसार इस दौरान राज्य में सबसे अधिक अधिकतम तापमान 28.2 डिग्री सेल्सियस बारां के अंता में दर्ज किया गया। राज्य में सबसे कम न्यूनतम तापमान 6.4 डिग्री सेल्सियस जैसलमेर में दर्ज किया गया। न्यूनतम तापमान फलोदी में 6.8 डिग्री, सिरोही में 9.1 डिग्री, जोधपुर में 9.2 डिग्री, बीकानेर में 9.4 डिग्री और जयपुर में 13.2 डिग्री सेल्सियस रहा।

राजस्थान सरकार ने नौ नवगठित जिलों को खत्म करने का फैसला किया: पटेल

जयपुर। राजस्थान की भारतीय जनता पार्टी सरकार ने पिछली गहलोत सरकार द्वारा गठित नौ जिलों को खत्म करने का फैसला किया है। इसके साथ ही तीन नए संभागों को भी खत्म कर दिया है। राज्य कैबिनेट की बैठक के बाद विधि मंत्री जोगाराम पटेल ने यह जानकारी दी। पटेल ने कहा कि मंत्रिमंडलीय उपसमिति और विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट के आधार पर यह फैसला किया गया है। उन्होंने कहा, समिति ने पाया कि ए नवगठित जिले व्यावहारिक नहीं हैं, ए जिले जनहितार्थ पर नहीं है। ए जिले राजस्थान सरकार पर अनावश्यक बोझ डाल रहे हैं और इनकी उपयोगिता बिलकुल नहीं है। उन्होंने कहा कि इस फैसले के बाद अब राजस्थान में कुल सात संभाग एवं 41 जिले ही रहेंगे। पटेल ने बताया कि सरकार ने पिछली कांग्रेस सरकार द्वारा बनाए गए बालोतरा, डीग, ब्यावर, डीडवाना-कुचामन, कोटपूतली-बहरोड, खैरथल-तिजारा, फलौदी और सलूंबर को जिला बनाए रखने का फैसला किया है। उन्होंने कहा, हमारी सरकार ने तमाम परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर तय किया है कि ए जो नए जिले बनाए गए हैं उनको हम नहीं रखेंगे। इन जिलों की अभी आवश्यकता नहीं है। तीन नए संभाग की भी आवश्यकता नहीं है। पटेल ने कहा ए प्रशासनिक तंत्र को विधिवत करने एवं उसे प्रभावी बनाने तथा राजस्थान को समृद्ध और विकसित बनाने के लिए सभी पहलुओं पर विचार करने के उपरांत सरकार ने यह निर्णय किया है। उल्लेखनीय है कि गत अशोक गहलोत सरकार ने 17 नए जिले व तीन नए संभाग बनाने की अधिसूचना जारी की थी। इसके साथ ही तीन नए जिलों की घोषणा की थी लेकिन उसकी अधिसूचना जारी नहीं हुई थी। पटेल ने कहा कि कैबिनेट की बैठक में पुलिस उपनिरीक्षक (एसआई) भर्ती परीक्षा को रद्द करने पर कोई चर्चा नहीं हुई। उन्होंने कहा कि कैबिनेट ने राज्य में पंचायत, पंचायत समितियों और जिला परिषदों के पुनर्गठन का फैसला किया है।

कर्नाटक विश्वविद्यालय में अतिथि व्याख्याता के रूप में नियुक्त होकर ट्रांसजेंडर शिक्षक ने रचा इतिहास

बल्लारी। विजयनगर श्री कृष्णदेवराय विश्वविद्यालय में 27 वर्षीय केएन रेणुका पुजार की नियुक्ति के साथ ही वह कर्नाटक के किसी विश्वविद्यालय में अतिथि व्याख्याता के रूप में नियुक्त होने वाली पहली ट्रांसजेंडर बन गई हैं। अधिकारियों ने बताया कि पुजार ने विश्वविद्यालय में कन्नड़ में स्नातकोत्तर की पढ़ाई पूरी की और इस महीने की शुरुआत में अतिथि व्याख्याता के रूप में नंदीहल्ली परिसर (पीजी केंद्र) में कन्नड़ विभाग में शामिल हुईं। बल्लारी जिले के कुरुगोडु की रहने वाली पुजार ने पीटीआई-भाषा को बताया, मैं बहुत खुश हूं। काफी संघर्ष के बाद मैं इस मुकाम पर पहुंची हूं। विश्वविद्यालय ने मेरी बहुत मदद की है। मैंने 2018 में अपनी डिग्री पूरी की थी। मैंने 2022 में परास्नातक (एमए) पूरा किया और अतिथि व्याख्याता के रूप में काम कर रही हूं। पुजार ने कहा कि उन्हें अपने माता-पिता से समर्थन मिला, जिससे उन्हें इस मुकाम तक पहुंचने में मदद मिली। उन्होंने कहा कि उनका परिवार कृषि पृष्ठभूमि से है और उनके माता-पिता ने उन्हें जीवन में सफल होने के लिए शिक्षित किया। पुजार ने कहा, जब मैंने एमए में दाखिला लिया तो पढ़ाई के दौरान विश्वविद्यालय के शिक्षकों ने भी मेरी काफी मदद की। मुझे पढ़ाना पसंद है और मैं पीएचडी करना चाहती हूं और प्रोफेसर बनना चाहती हूं। मैं चाहती हूं कि ट्रांसजेंडर भी शिक्षा प्राप्त करें। विश्वविद्यालय के अधिकारियों के अनुसार, पद के लिए आवेदन करने वाले तीस उम्मीदवारों में से पुजार के पास आवश्यक योग्यताएं और अच्छे अंक थे तथा उसने व्याख्यान में अच्छा प्रदर्शन किया, जिसके कारण समिति ने उनका चयन किया।

बच्ची से बलात्कार-हत्या का मामला : बार एसोसिएशन ने वकीलों से कहा, आरोपी दंपति की पैरवी न करें

ठाणे। ठाणे जिला न्यायालय बार एसोसिएशन ने अपने सदस्य वकीलों से 12 साल की एक बच्ची से बलात्कार-हत्या के मामले के आरोपी विशाल गवली और उसकी पत्नी साक्षी की पैरवी नहीं करने का आह्वान किया है। विशाल ने 23 दिसंबर को अपनी पत्नी साक्षी की मदद से कल्याण के चक्की नाका इलाके से लड़की का अपहरण किया था और कथित तौर पर यौन उत्पीड़न के बाद उसकी हत्या कर दी थी। पुलिस के मुताबिक, दंपति ने इसके बाद लड़की का शव कल्याण-पडघा रोड पर बापगांव में फेंक दिया था। बार एसोसिएशन के एक पदाधिकारी ने शनिवार को बताया कि यहां बार कक्ष में एक नोटिस लगाया गया है, जिसमें वकीलों से अदालत में गवली दंपति की पैरवी नहीं करने को कहा गया है। विशाल और साक्षी को 25 दिसंबर को गिरफ्तार किया गया था। दोनों पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत हत्या या फिरौती हासिल करने के इरादे से अपहरण, बलात्कार, सबूतों को नष्ट करने और अन्य अपराधों के आरोप लगाए गए हैं। पुलिस के अनुसार, डोंबिवली के मानपाड़ा इलाके में काम करने वाले विशाल के खिलाफ पहले से आठ अपराध दर्ज हैं। दंपति को दो जनवरी तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है।

बेंगलुरु में नए साल के जश्न के लिए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम : पुलिस

बेंगलुरु (भाषा)। कर्नाटक पुलिस ने बेंगलुरु में नए साल के जश्न के लिए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए हैं। शहर के व्यस्त एवं भीड़भाड़ वाले इलाकों में लोगों की सुरक्षा और यातायात का सुचारू प्रवाह सुनिश्चित करने के लिए बड़े पैमाने पर पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के मुताबिक, वरिष्ठ अधिकारियों सहित 11,830 पुलिसकर्मी, नागरिक सुरक्षाकर्मी और अन्य कर्मी पूरे शहर में रेव पार्टियों और नशीले पदार्थों से संबंधित गतिविधियों पर नजर रखेंगे।

उन्होंने कहा कि सरकार ने केवल रात एक बजे तक नए साल का जश्न मनाने की अनुमति दी है और जनता को सिर्फ निर्धारित समय सीमा के भीतर ही जश्न मनाने की इजाजत होगी। बेंगलुरु के पुलिस आयुक्त बी दयानंद ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि हर साल की तरह इस बार भी पुलिस ने नए साल पर किसी अप्रिय घटना को टालने के लिए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए हैं।

उन्होंने कहा, पिछले साल की घटनाओं और अनुभवों के आधार पर हम सुरक्षा व्यवस्था में सुधार कर रहे हैं। हमने उन इलाकों की पहचान कर ली है, जहां लोग बड़ी संख्या में एकत्र होने वाले हैं। एमजी रोड, ब्रिगेड रोड जंक्शन, कोरमंगला, इंदिरानगर सहित अन्य क्षेत्रों में व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई है। दयानंद ने कहा, बृहद बेंगलुरु महानगर पालिका (बीबीएमपी), मेट्रो और अन्य निकायों के साथ बैठकें एवं विचार-विमर्श किया गया है। उनसे रोशनी की व्यवस्था, अवरोधकों और रात में मेट्रो सेवा की व्यवस्था करने का आग्रह किया गया है। उन्होंने बताया कि ओला और उबर के प्रतिनिधियों के साथ भी अलग-अलग बैठकें की गई हैं और पिकअप लोकेशन की व्यवस्था की गई है। दयानंद ने कहा, भगदड़ जैसी स्थिति न हो, इसके लिए एमजी रोड और ब्रिगेड रोड पर पैदल यात्रियों के लिए सिर्फ सड़क के एक तरफ चलने की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। लोग कावेरी एम्पोरियम से ओपेरा जंक्शन तक पैदल जा सकेंगे, लेकिन वे विपरीत दिशा में पैदल नहीं आ पाएंगे। हम लोगों से अपील करते हैं कि वे किसी भी तरह का फेस मास्क न पहनें। उन्होंने कहा, अगर उन्हें एमजी रोड पर वापस आना है, तो वे रेजीडेंसी रोड-रेजीडेंसी क्रॉस रोड (शंकरनाग सिनेमा) मार्ग से आ सकते हैं। एमजी रोड, ब्रिगेड रोड, रेस्ट हाउस रोड, चर्च स्ट्रीट, रेजीडेंसी रोड और सेंट मार्क्स रोड पर वाहन खड़ा करने वाले चालकोंमालिकों को 31 दिसंबर को शाम चार बजे तक क्षेत्र खाली करना पड़ेगा, वरना उन पर कार्वाई की जाएगी। यातायात पुलिस के अनुसार, हादसों और अप्रिय घटनाओं को रोकने के लिए 31 दिसंबर 2024 को रात 11 बजे से एक जनवरी 2025 को सुबह छह बजे तक शहर के सभी फ्लाईओवर (केआईए हवाई अड्डे की ओर जाने वाले एलिवेटेड एक्सप्रेसवे को छोड़कर) पर हर तरह के वाहन की आवाजाही पर प्रतिबंध रहेगा। इसने कहा कि कैंपागौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (केआईए) एलिवेटेड एक्सप्रेसवे पर 31 दिसंबर 2024 को रात 10 बजे से एक जनवरी 2025 को सुबह छह बजे तक दोपहिया वाहनों की आवाजाही पर रोक होगी।

नीतीश को उनके करीबी सहयोगियों ने बंधक बनाया, अब सहयोगी ले रहे फैसले: तेजस्वी

पटना (भाषा)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने शनिवार को दावा किया कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अब सामान्य रूप से काम करने में सक्षम नहीं हैं और मुट्ठी भर करीबी सहयोगियों ने उन्हें बंधक बनाकर रखा है। जनता दल-यूनाइटेड (जद-यू) प्रमुख की भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में अचानक वापसी से पहले तक कुमार के उपमुख्यमंत्री के रूप में कार्यरत रहे तेजस्वी ने संवाददाताओं के सवालों के जवाब में यह टिप्पणी की। उनसे 70-वर्षीय नेता द्वारा एक और पलटवार की अटकलों के बारे में पूछा गया था।उन्होंने कहा, इन सभी अफवाहों में कोई दम नहीं है। नीतीश कुमार अब अपने होश में नहीं हैं। वह बिहार चलाने में असमर्थ हैं। राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष यादव ने दावा किया, कुमार खुद निर्णय नहीं ले रहे हैं। उन्हें उनकी पार्टी के चार नेताओं ने बंधक बना लिया है, जिनमें से दो दिल्ली में और शेष यहां के हैं, जो फैसले ले रहे हैं। इंडियन नेशनल डेवलेपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) के घटकइंडियन नेशनल डेवलेपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) के घटक राजद के नेता ने अपनी बात की पुष्टि के लिए हाल ही में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री एवं आम आदमी पार्टी (आप) प्रमुख अरविंद केजरीवाल द्वारा लिखे गए एक पत्र के जवाब का हवाला दिया। केजरीवाल ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा बाबासाहेब आंबेडकर के कथित अपमान की पृष्ठभूमि में पत्र में कुमार से भाजपा का समर्थन करने पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया था। यादव ने कहा, पत्र स्पष्ट रूप से बिहार के मुख्यमंत्री एवं जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में

नीतीश कुमार को संबोधित था, लेकिन प्रतिक्रिया संजय झा की ओर से आई। वह कौन हैं? जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष और राज्यसभा सदस्य झा ने जवाबी पत्र में शाह का बचाव किया और कोविड महामारी के दौरान दिल्ली में बिहार के प्रवासियों को मुहैया कराए गए इलाज को लेकर गुस्सा निकालते हुए केजरीवाल की आलोचना की।

पटना प्रशासन ने बीपीएससी अधिकारियों के साथ प्रदर्शनकारियों की बैठक कराने की पेशकश रखी

पटना (भाषा)। पटना जिला प्रशासन ने शनिवार को कहा कि उसने बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की 13 दिसंबर को हुई परीक्षा को रद्द करने की मांग कर रहे अभ्यर्थियों की बैठक आयोग के अधिकारियों से कराने का प्रस्ताव रखा है, ताकि वे अपनी शिकायतें रख सकें। बीपीएससी द्वारा आयोजित 70वीं एकीकृत संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा (सीसीई), 2024 का प्रश्नपत्र लीक होने के आरोपों के कारण अभ्यर्थी एक सप्ताह से अधिक समय से परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। पटना के जिलाधिकारी चंद्रशेखर सिंह ने शनिवार को कहा कि प्रदर्शनकारियों को बातचीत के लिए अपने पांच प्रतिनिधियों को नामित करना होगा, जिसके बाद बीपीएससी (मुलाकात के लिए) उचित समय के भीतर निर्णय लेगा। सिंह ने शनिवार को पीटीआई-भाषा से कहा, जिला प्रशासन ने प्रदर्शनकारी अभ्यर्थियों को अपने प्रतिनिधियों (सभी परीक्षार्थी) की सूची देने को कहा है, ताकि हम इस मुद्दे पर बीपीएससी अधिकारियों के साथ उनकी बैठक करवा सकें।

उन्होंने कहा, वे बैठक में आयोग के अधिकारियों को अपनी शिकायतों से अवगत करा सकते हैं। जिला प्रशासन भी प्रदर्शनकारी अभ्यर्थियों को आश्वस्त करता है कि आयोग उचित समय के भीतर उचित निर्णय या रुख अपनाएगा। सिंह ने कहा कि आयोग एक स्वतंत्र निकाय है और वह अपने निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र है। बीपीएससी ने बापू परीक्षा परिसर केंद्र पर आयोजित प्रारंभिक परीक्षा को अभ्यर्थियों के एक समूह द्वारा उत्पन्न किए गए व्यवधान के कारण रद्द करने का निर्णय लिया था। पुनर्परीक्षा चार जनवरी को शहर के किसी अन्य केंद्र पर आयोजित की जाएगी। प्रदर्शनकारी कई दिन से गर्दनी बाग में धरने पर बैठे हैं। उनका कहना है कि सभी केंद्रों पर हुई परीक्षा रद्द करने का आदेश दिया जाना चाहिए, क्योंकि केवल एक केंद्र के लिए पुनर्परीक्षा समान अवसर के सिद्धांत के विरुद्ध होगी।

इस बीच, पटना पुलिस ने कोचिंग संस्थानों से जुड़े कुछ लोगों को नोटिस जारी किया है और कथित तौर पर प्रदर्शनकारी अभ्यर्थियों को भड़काने एवं शहर में विरोध प्रदर्शन आयोजित करने के लिए निर्धारित स्थल गर्दनी बाग में छात्रों को संबोधित करते हुए कथित भड़काऊ भाषण देने के मामले में स्पष्टीकरण मांगा है। जिलाधिकारी ने कहा, हां, इस संबंध में पटना पुलिस ने उन्हें नोटिस भेजे हैं। उन्हें आज गर्दनी बाग थाने में पुलिस के समक्ष पेश होने को कहा गया है... उन्हें प्रदर्शनकारी अभ्यर्थियों को संबोधित करते हुए सरकारी अधिकारियों पर लगाए गए आरोपों के संबंध में सबूत पेश करने होंगे।

सरकारी अधिकारियों पर हमला करने वाले नेताओं को बख्शा नहीं जाएगा : पवन कल्याण

कडपा। आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने शनिवार को चेतावनी दी कि जो भी नेता किसी सरकारी अधिकारी पर हमला या उसके काम में बाधा डालेगा उसके खिलाफ कड़ी कार्वाई की जाएगी। उन्होंने यह चेतावनी एक दलित सरकारी अधिकारी से मिलने के बाद दी, जिस पर स्थानीय वाईएसआरसीपी नेता सी. सुदर्शन रेड्डी ने कथित तौर पर हमला किया थाकल्याण ने कडपा रिम्स अस्पताल के बाहर संवाददाताओं से कहा, यदि आप (राजनीतिक नेता) अहंकार में अधिकारियों पर हमला करते हैं, तो हम सुनिश्चित करेंगे कि आपको उचित सजा मिले। कल्याण के अनुसार, सुदर्शन रेड्डी ने कई अन्य लोगों के साथ मिलकर अन्नामय्या जिले में गालीवेडु मंडल परिषद विकास अधिकारी (एमपीडीओ) जवाहर बाबू पर कथित तौर पर हमला किया और उनके साथ दुर्व्यवहार किया, क्योंकि उन्होंने सरकारी कमरे की चाबी देने से इनकार कर दिया था।

पेज 1 का शेष

मनमोहन...

एनडीए सरकार पर पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार और स्मारक को लेकर 'अनावश्यक विवाद' पैदा करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भारत सरकार एक सम्मानित व्यक्ति का अंतिम संस्कार किसी विशेष स्थान पर करने के बजाय निगमबोध घाट पर कर रही है। गहलोत ने याद दिलाया कि पूर्व उपराष्ट्रपति भैरों सिंह शेखावत की मृत्यु के बाद कांग्रेस के नेतृत्व वाली राजस्थान सरकार ने तुरंत उनके अंतिम संस्कार के लिए जयपुर में एक विशेष स्थान और एक स्मारक आवंटित किया और इसी तरह 2012 में महाराष्ट्र में बाल ठाकरे की मृत्यु के बाद कांग्रेस सरकार ने उनके अंतिम संस्कार के लिए मुंबई के शिवाजी पार्क में एक विशेष स्थान आवंटित किया।सिंह के पार्थिव शरीर को अग्नि में सुपुर्द-ए-खाक करने से पहले सुरक्षा बलों ने पूर्व प्रधानमंत्री को 21 तोपों की सलामी दी। सिख धर्मगुरुओं और सिंह के परिवार के सदस्यों ने उनके अंतिम संस्कार से पहले गुरबानी के श्लोक पढ़े। सिंह की पत्नी गुरशरण कौर और उनकी एक बेटी ने भी उनके पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि अर्पित की। सिंह की तीनों बेटियाँ उपिंदर सिंह, दमन कौर और अमृत कौर तथा अन्य रिश्तेदार मौजूद थे। धार्मिक भजनों के बीच निगमबोध घाट पर उनकी सबसे बड़ी बेटी उपिंदर सिंह ने सिंह की चिता को अग्नि दी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ-साथ मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी और राहुल गांधी सहित कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेताओं की मौजूदगी में अंतिम संस्कार किया गया। भूटान के राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक और मॉरीशस के विदेश मंत्री धनंजय रामफुल उन विदेशी गणमान्य व्यक्तियों में शामिल थे जिन्होंने सिंह को श्रद्धांजलि दी, जो 2004 से 2014 तक प्रधानमंत्री रहे।रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भी पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धांजलि दी और उनके पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि अर्पित की। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान और तीनों सेनाओं के प्रमुखों ने भी पुष्पांजलि अर्पित की। कई मुख्यमंत्री भी अंतिम संस्कार में शामिल हुए। मनमोहन सिंह की स्मृति विवाद के बीच, पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की बेटी शर्मिष्ठा ने अपने पिता की मृत्यु पर शोक व्यक्त करने के लिए कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक बुलाने में विफल रहने के बावजूद मनमोहन सिंह के लिए अलग स्मारक स्थल की मांग करने के लिए पार्टी की आलोचना की। इस चूक के खिलाफ बोलते हुए, उन्होंने खुलासा किया कि एक वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने इस विचार को खारिज कर दिया था, उनका दावा था कि पूर्व राष्ट्रपतियों के लिए ऐसी बैठकें प्रथागत नहीं थीं। शर्मिष्ठा ने कहा, 'जब बाबा का निधन हुआ, तो कांग्रेस ने शोक सभा के लिए सीडब्लूसी को बुलाने की भी जहमत नहीं उठाई। एक वरिष्ठ नेता ने मुझसे कहा कि राष्ट्रपतियों के लिए ऐसा नहीं किया जाता है। यह पूरी तरह से बकवास है। उन्होंने आगे खुलासा किया कि उनके पिता की डायरियों में दर्ज है कि कैसे पूर्व राष्ट्रपति केआर नारायणन की मृत्यु के बाद, ऐसी बैठक बुलाई गई थी, जिसमें प्रणब मुखर्जी ने खुद शोक संदेश का मसौदा तैयार किया था। हालांकि, उन्होंने कहा कि पूर्व पीएम मनमोहन सिंह एक अलग स्मारक स्थल के हकदार हैं।

आप की...

उपराज्यपाल सचिवालय ने कहा कि उपराज्यपाल ने नोट किया है कि दिल्ली सरकार के महिला एवं बाल विभाग ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि जब भी योजना अधिसूचित होगी, वह फॉर्म एकत्र करने के लिए एक डिजिटल पोर्टल लॉन्च करेगा। विभाग ने लोगों को सलाह दी है कि वे किसी अनाधिकृत व्यक्ति द्वारा दिए जा रहे फॉर्म को न भरें। इसके अतिरिक्त, उपराज्यपाल कार्यालय ने पुलिस आयुक्त को निर्देश दिया है कि वे फील्ड अधिकारियों को निर्देश दें कि वे ऐसे लोगों के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई करें जो लाभ देने की आड़ में भोले-भाले नागरिकों की निजी जानकारी एकत्र करके उनकी निजता का उल्लंघन कर रहे हैं। पुलिस उपायुक्तों (डीसीपी) को सरकारी योजनाओं के फर्जी नामांकन के लिए शिविर आयोजित करने वाले निजी व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई करने की सलाह दी जा सकती है। महिला एवं बाल विकास विभाग ने इस सप्ताह की शुरुआत में समाचार पत्रों में एक सार्वजनिक नोटिस प्रकाशित किया था जिसमें कहा गया था कि जब भी योजना अधिसूचित होगी, वह फॉर्म एकत्र करने के लिए एक डिजिटल पोर्टल लॉन्च करेगा। विभाग ने लोगों को सलाह दी है कि वे अनाधिकृत व्यक्तियों द्वारा दिए गए फॉर्म को न भरें। दीक्षित के इस आरोप के संबंध में कि पंजाब में आप सरकार 'पंजाब के विभिन्न स्थानों से दिल्ली में (करोड़ों में) नकदी स्थानांतरित कर रही है,' सक्सेना ने डीजीपी पंजाब और हरियाणा और राजस्थान की सरकारों से अनुरोध किया कि वे 'पंजाब से पंजाब पुलिस एस्कॉर्ट्स के साथ निजी कारों' को उनके राज्यों के माध्यम से दिल्ली भेजे जाने के बारे में सतर्क रहें।

डल्लेवाल...

का पालन करेगी। पीठ ने कहा कि डल्लेवाल अपने साथियों के दबाव में हैं और जो किसान नेता उन्हें अस्पताल नहीं ले जाने दे रहे, वे उनके शुभचिंतक नहीं लगते। इसने कहा, क्या उनकी प्राथमिकता उनका जीवन बचाना है या कुछ और? हम ज्यादा कुछ नहीं कहना चाहते और केवल यह उम्मीद करते हैं कि पंजाब सरकार हमारे निर्देशों का पालन करेगी। न्यायालय ने डल्लेवाल के जीवन और सुरक्षा को लेकर शुक्रवार को चिंता व्यक्त की थी और पंजाब सरकार को निर्देश दिया था कि वह उन्हें चिकित्सकीय सहायता सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए। उसने डल्लेवाल को चिकित्सकीय सहायता मुहैया कराने के संबंध में शीर्ष अदालत के आदेश का पालन नहीं करने के कारण पंजाब के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक के खिलाफ दायर अवमानना याचिका पर पंजाब सरकार को नोटिस जारी किया। डल्लेवाल फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी सहित किसानों की विभिन्न मांगों को लेकर केंद्र सरकार पर दबाव बनाने के लिए 26 नवंबर से खनौरी बॉर्डर पर आमरण अनशन कर रहे हैं। न्यायालय ने डल्लेवाल को अस्पताल में भर्ती करने का निर्णय 20 दिसंबर को पंजाब सरकार के अधिकारियों और चिकित्सकों पर छोड़ दिया था। न्यायालय ने कहा था कि 70 वर्षीय डल्लेवाल को पंजाब और हरियाणा के बीच खनौरी सीमा पर प्रदर्शन स्थल से 700 मीटर के भीतर स्थापित अस्थाई अस्पताल में ले जाया जा सकता है। उसने 19 दिसंबर को कहा था, नागरिक अधिकार कार्यकर्ता इरोम शर्मिला का मामला लें। उन्होंने चिकित्सकीय देखरेख में वर्षों तक अपना विरोध प्रदर्शन जारी रखा। इसी तरह, डल्लेवाल भी चिकित्सकीय देखरेख में अपना विरोध जारी रख सकते हैं। किसान सुरक्षाबलों द्वारा दिल्ली में प्रवेश से रोके जाने के बाद से संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा के बैनर तले 13 फरवरी से पंजाब और हरियाणा के बीच शंभू तथा खनौरी बार्डर पर डेरा डाले हुए हैं।

बर्फ से..

सेना के जवानों ने बर्फ से घिरे इलाकों से आठ बच्चों समेत कम से कम 68 नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकाला और कई अन्य यात्रियों को गर्म भोजन, आश्रय और दवा मुहैया कराई गई। गंदेरबल जिले के कंगन इलाके में एक परिवार ने भी बर्फ से घिरे इलाके में फंसे यात्रियों की रात में मेजबानी की। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कश्मीर घाटी में भारी बर्फबारी के बाद बर्फ हटाने के अभियान और आवश्यक सेवाओं की बहाली की समीक्षा के लिए जम्मू-कश्मीर के सभी जिलों के साथ एक वीडियो कांफ्रेंस बैठक की। विभिन्न जिला मुख्यालयों में पुलिस और नागरिक प्रशासन ने फंसे हुए पर्यटकों तक पहुंचना शुरू कर दिया है, उन्हें गर्म पेय और अन्य आवश्यक चीजें मुहैया कराई हैं। अधिकारियों ने कहा कि अधिकारियों ने संबंधित जिला मुख्यालयों में बर्फ हटाने का अभियान शुरू किया, जबकि अधिकांश मुख्य सड़कों और अस्पतालों की ओर जाने वाली सड़कों से बर्फ हटा दी गई, लेकिन कई आंतरिक सड़कें अभी भी अवरुद्ध हैं। उन्होंने कहा कि फिसलन भरी परिस्थितियों के कारण वाहन चालकों को वाहन चलाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। अधिकारियों ने कहा कि बर्फबारी ने घाटी के कई इलाकों में बिजली आपूर्ति को भी प्रभावित किया है। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला खुद स्थिति की निगरानी कर रहे हैं। एक्स पर एक पोस्ट में मुख्यमंत्री ने बताया, भारी बर्फबारी के कारण कश्मीर में खराब पड़े 41 33 केवी फीडरों में से 37 को बहाल कर दिया गया है और उन्हें चार्ज कर दिया गया है। इसी तरह, खराब पड़े 739 11 केवी फीडरों में से 639 को बहाल कर दिया गया है।

पायनियर

लखनऊ , रविवार, 29 दिसम्बर, 2024

पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के लिए विशेष प्रार्थनाएं आयोजित

भूटान नरेश अंतिम संस्कार में शामिल हुए, भारत में जगह-जगह दी गई पुष्पांजलि, उमड़ी भीड़

भाषा। नई दिल्ली

भूटान नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक शनिवार को पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार में शामिल हुए। इससे एक दिन पहले उन्होंने राष्ट्र की ओर से थिम्पू में एक बौद्ध मठ में सिंह के लिए प्रार्थना की थी। भूटान सरकार के अनुसार, भूटान के सभी 20 जोंगखाग या जिलों में सिंह के लिए अलग-अलग प्रार्थना समारोह आयोजित किए गए। भूटान की शाही सरकार के अनुसार, सिंह के सम्मान में, पूरे देश में तथा विदेशों में स्थित दूतावासों और वाणिज्य दूतावासों में भूटान का राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका दिया गया। थिम्पू के कुएनरे ऑफ ताशिचोदजोंग में नरेश के नेतृत्व में आयोजित समारोह में मक्खन के एक हजार दीपक जलाए गए। प्रार्थना में प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे, भारतीय राजदूत सुधाकर दलेला, शाही परिवार के कई सदस्य और भूटान सरकार के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। भूटान सरकार ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री के प्रति सम्मान प्रकट करने तथा भारत सरकार और भारत के लोगों के साथ एकजुटता दर्शाने के लिए, देश भर में तथा विदेशों में भूटान के दूतावासों, मिशन और वाणिज्य दूतावास में सभी राष्ट्रीय ध्वज आधे झुके रहेंगे। नरेश वांगचुक ने शनिवार को दिल्ली के निगमबोध घाट पर सिंह को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। वर्ष 2004 से 2014 तक प्रधानमंत्री रहे और भारत के आर्थिक सुधारों के वास्तुकार के रूप में जाने जाने वाले सिंह का बृहस्पतिवार रात अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में निधन हो गया। वह 92 वर्ष के थे। प्रधानमंत्री के रूप में सिंह के कार्यकाल में भूटान सहित कई प्रमुख देशों के साथ भारत के संबंधों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई। भारत और भूटान के बीच सद्भावना, विश्वास और पारस्परिक रूप से लाभकारी सहयोग पर आधारित मजबूत मैत्रीपूर्ण संबंध हैं। भारत-भूटान संबंधों का मूल ढांचा 1949 में हस्ताक्षरित मैत्री और सहयोग की संधि है। इसे फरवरी 2007 में नवीनीकृत किया गया था, जब सिंह प्रधानमंत्री थे। जलविद्युत क्षेत्र में सहयोग संबंधों की आधारशिला में से एक है। जलविद्युत क्षेत्र में भारत और भूटान के बीच जारी सहयोग 2006 के द्विपक्षीय सहयोग समझौते और 2009 में हस्ताक्षरित प्रोटोकॉल के अंतर्गत आता है। इस समझौते और प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर, प्रधानमंत्री के रूप में सिंह के कार्यकाल के दौरान किए गए थे।

मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार एवं स्मारक को लेकर राजग सरकार ने अनावश्यक विवाद खड़ा किया : गहलोत

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शनिवार को आरोप लगाया कि केंद्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ने डॉ. मनमोहन सिंह जैसे महान व्यक्तित्व के अंतिम संस्कार एवं स्मारक बनाने को लेकर अनावश्यक विवाद पैदा किया है।भारत में आर्थिक सुधारों के जनक कहने जाने वाले मनमोहन सिंह का बृहस्पतिवार रात को दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में निधन हो गया। वह 92 वर्ष के थे। शनिवार को निगम बोधघाट पर राजकीय सम्मान से अंतिम संस्कार किया गया। गहलोत ने एक्स पर लिखा, राजग सरकार ने डॉ. मनमोहन सिंह जी जैसे महान व्यक्तित्व के अंतिम संस्कार एवं स्मारक बनाने को लेकर अनावश्यक विवाद पैदा किया है। जिस व्यक्ति को दुनिया सम्मान दे रही है उसका अंतिम संस्कार भारत सरकार किसी विशेष स्थान की जगह निगम बोध घाट पर करवा रही है। गहलोत ने लिखा, 2010 में हमारी सरकार ने भाजपा द्वारा मांग किए बिना ही पूर्व उपराष्ट्रपति भैरों सिंह शेखावत के निधन के बाद उनके परिवार से बात करके जयपुर में उनके अंतिम संस्कार के लिए तुरंत विशेष जगह आवंटित की एवं वहीं स्मारक निर्माण करवाया। कांग्रेस सरकार ने 2012 में महाराष्ट्र में बाल ठाकरे के निधन के बाद मुंबई के शिवाजी पार्क में विशेष स्थान आवंटित कर अंतिम संस्कार करवाया था। गहलोत ने लिखा, कांग्रेस ने हमेशा सभी पार्टियों के नेताओं को सम्मानजनक विदाई दी परन्तु भाजपा द्वारा डॉ मनमोहन सिंह जी के साथ ऐसा व्यवहार दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा, आज उनके निधन पर पूरा देश शोक में है और देश के लोगों ने सरकार के इस कदम पर नाराजगी जताई तो जनभावना के दबाव में भाजपा सरकार भविष्य में स्मारक बनाने की घोषणा कर रही है।

फलस्तीन के लिए मनमोहन सिंह के समर्थन की सराहना करता हूं: प्रभारी राजदूत

नई दिल्ली। भारत में फलस्तीन दूतावास के प्रभारी राजदूत अबेद एलराजेग अबू जाजर ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि दी और फलस्तीन के प्रति उनके समर्थन की सराहना की। जाजर ने कहा कि सिंह ने फलस्तीन को दिल्ली में अपने दूतावास के लिए जमीन दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। जाजर ने फलस्तीन की ओर से यहां पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धांजलि अर्पित की। जाजर ने कांग्रेस मुख्यालय के बाहर संवाददाताओं से कहा, हमारे बीच संबंधों का इतिहास रहा है। जब वह (सिंह) वित्त मंत्री थे, उन्होंने 1991 में यासिर अराफात से मुलाकात की थी। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान कई बार (फलस्तीन के) राष्ट्रपति महमूद अब्बास से मुलाकात की। जाजर ने कहा, हमारे उनके (सिंह) साथ अच्छे संबंध थे। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान कई बार हमारे राष्ट्रपति से मुलाकात की। उन्होंने दिल्ली में फलस्तीनी दूतावास की स्थापना के लिए जमीन भी उपलब्ध कराई, दूतावास के निर्माण में सहायता दी और 2012 में इसका उद्घाटन भी किया। हम फलस्तीन के प्रति उनके समर्थन की सराहना करते हैं, हम उनके योगदान को याद कर रहे हैं।

नई दिल्ली में पूर्व पीएम मनमोहन सिंह की शवयात्रा में उमड़े लोग, निगमबोध घाट पर पीएम, गृहमंत्री, रक्षामंत्री भी उपस्थित रहे, वहीं कांग्रेस नेता खरगे व पटोले ने पुष्पांजलि दी

भाजपा ने राहुल गांधी पर मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार पर राजनीति करने का आरोप लगाया

भुवनेश्वर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस और इसके नेता राहुल गांधी पर पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार को लेकर राजनीति करने का आरोप लगाया। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं सांसद संबित पात्रा ने शनिवार को यहां संवाददाताओं से बातचीत में गांधी पर यह कहने के लिए कड़ा प्रहार किया कि नरेन्द्र मोदी सरकार ने निगमबोध घाट पर सिंह का अंतिम संस्कार करके सिंह का अपमान किया है, जबकि अन्य पूर्व प्रधानमंत्रियों का अंतिम संस्कार उन स्थलों पर किया गया जहां बाद में स्मारक बनाने की अनुमति थी। पात्रा ने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि भाजपा को डॉ. सिंह के अंतिम संस्कार से संबंधित विषय पर संवाददाता सम्मेलन करना पड़ रहा है... उनके निधन के बाद से ही केंद्र सरकार उनके लिए एक स्मारक बनाने की तैयारी कर रही है। पात्रा ने कहा, कैबिनेट की बैठक बुलाई गई और शोक संदेश जारी किया गया। पूर्व प्रधानमंत्री को उनके कद के अनुरूप उचित सम्मान देने का भी निर्णय लिया गया। कैबिनेट ने डॉ. सिंह के परिवार और कांग्रेस, दोनों को सूचित किया कि एक स्मारक बनाया जाएगा ताकि हर कोई उनके सकारात्मक योगदान को याद रख सके। हालांकि भूमि अधिग्रहण, ट्रस्ट बनाने और अन्य औपचारिकताओं के लिए समय चाहिए, वहीं अंतिम संस्कार में भी देरी नहीं की जा सकती।

असम में करीब छह करोड़ के मादक पदार्थ जब्त, पांच लोग गिरफ्तार : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। असम में पुलिस ने दो अलग-अलग अभियानों में करीब छह करोड़ रुपए मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किए और पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने यह जानकारी दी। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि गुवाहाटी शहर में विशेष कार्य बल (एसटीएफ) के कर्मियों ने शुक्रवार रात पलटन बाजार में एक होटल में छापेमारी कर 416 ग्राम हेरोइन जब्त की, जिसकी अनुमानित कीमत 2.75 करोड़ रुपए है। शर्मा ने कहा कि होटल से चार लोगों को गिरफ्तार किया गया। मुख्यमंत्री ने बताया कि शुक्रवार रात को नगांव जिले में एक अन्य अभियान के दौरान 3.5 करोड़ रुपए से अधिक कीमत के मादक पदार्थ जब्त किया गया। उन्होंने बताया कि इस मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है।

ईडी ने धनशोधन मामले में कांग्रेस विधायक कवासी लखमा, उनके बेटे के यहां छापेमारी की

रायपुर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छत्तीसगढ़ में कथित शराब घोटाले से जुड़ी धनशोधन जांच के तहत शनिवार को राज्य के कांग्रेस विधायक और पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा, उनके बेटे और कुछ अन्य के परिसरों पर छापेमारी की। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि धन शोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत कुल सात परिसरों की तलाशी ली जा रही है। इनमें रायपुर स्थित लखमा का आवास और सुकमा जिले में उनके बेटे हरीश लखमा के परिसर के अलावा कुछ संबंधित व्यक्तियों के परिसर भी शामिल हैं। कांग्रेस की प्रदेश इकाई ने आरोप लगाया कि ए छापे शहरी निकाय और पंचायत चुनावों से पहले विपक्षी पार्टी के नेताओं को परेशान करने की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की साजिश का हिस्सा हैं। कवासी लखमा (71) कोंटा विधानसभा सीट से छह बार के विधायक हैं और पिछली कांग्रेस सरकार में आबकारी मंत्री रह चुके हैं।

त्रिशूर के महापौर ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष से मुलाकात को उचित ठहराया, भाकपा नेता की आलोचना की

त्रिशूर (केरल)। वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) समर्थित त्रिशूर के महापौर एम के वर्गीज ने शनिवार को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के नेता वी एस सुनील कुमार पर आरोप लगाया कि वह उनके खिलाफ हास्यास्पद बयान दे रहे हैं। वर्गीज ने पूछा कि क्या पूर्व मंत्री का इरादा उन्हें भाजपा में शामिल कराना है। वर्गीज ने आरोप लगाया कि सुनील कुमार सत्तारूढ़ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के साथ मिलकर एलडीएफ के साथ सहयोग करने और नई परियोजनाओं को लागू करके त्रिशूर में बदलाव लाने में रुचि नहीं रखते हैं। वर्गीज की यह टिप्पणी सुनील कुमार द्वारा क्रिसमस के दिन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष के सुरेंद्रन के साथ उनकी मुलाकात को लेकर उन पर जोरदार हमला करने के एक दिन बाद आई है। पूर्व मंत्री सुनील कुमार ने शुक्रवार को दावा किया था कि सुरेंद्रन से केक प्राप्त करना एक सुनियोजित राजनीतिक कदम का हिस्सा था। शनिवार को पत्रकारों से बातचीत के दौरान महापौर ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि भाकपा नेतृत्व ने इस मुद्दे पर उनसे अभी तक कोई स्पष्टीकरण नहीं मांगा है।

मंदिरों में आतिशबाजी की अनुमति न मिलने पर विवाद

त्रिशूर (केरल)। यहां के प्रसिद्ध परमेक्कावु और थिरुवम्बाडी मंदिरों में पारंपरिक अनुष्ठान वेला एजुन्नालिप्पु के दौरान आतिशबाजी के प्रदर्शन की अनुमति देने से जिला प्रशासन द्वारा इनकार करने पर विवाद पैदा हो गया है। अतिरिक्त जिलाधिकारी (एडीएम) ने शुक्रवार को एक आदेश जारी कर वार्षिक अनुष्ठान में आतिशबाजी की अनुमति देने से इनकार कर दिया। इसके लिए केंद्र सरकार के विस्फोटक पदार्थ नियमों में नए संशोधन और उसके अनुरूप विभिन्न राज्य सरकार के विभागों की रिपोर्ट का हवाला दिया गया है। वेला एजुन्नालिप्पु अनुष्ठान और दोनों मंदिरों में आतिशबाजी का प्रदर्शन जनवरी के पहले सप्ताह में निर्धारित है। आदेश में जिला प्रशासन ने कहा कि क्षेत्र में आतिशबाजी का प्रदर्शन करने के लिए कोई भौतिक परिस्थिति नहीं है और इससे जनता के जीवन और संपत्ति को खतरा हो सकता है।

रोपवे परियोजना के खिलाफ कटरा में बंद चौथे दिन भी जारी, जेसीसीआई ने समर्थन जताया

रियासी, जम्मू। जम्मू कश्मीर के रियासी जिले की त्रिकुटा पहाड़ियों में प्रस्तावित रोपवे परियोजना के खिलाफ बंद शनिवार को चौथे दिन भी जारी रहा। प्रदर्शनकारी कटरा में पुलिस द्वारा हिरासत में लिए गए कई लोगों की रिहाई की मांग को लेकर भूख हड़ताल पर रहे। जम्मू चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज (जेसीसीआई) ने श्री माता वैष्णो देवी संघर्ष समिति को अपना समर्थन दिया है और प्रशासन से बातचीत के जरिए मुद्दे को सुलझाने का आग्रह किया है। श्री माता वैष्णो देवी संघर्ष समिति द्वारा इस सप्ताह के प्रारंभ में क्षेत्र में सभी व्यावसायिक गतिविधियों को बंद करने की घोषणा की गई थी। शुक्रवार रात को समिति ने बंद को 72 घंटे के लिए बढ़ा दिया। बुधवार से सभी दुकानें, रेस्तरां और व्यावसायिक प्रतिष्ठान बंद हैं।

गुणवत्ता मानकों पर खरे नही उतरे 111 दवाओं के नमूने

नई दिल्ली। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने नवंबर में केंद्रीय औषधि प्रयोगशालाओं में जांचे गए 41 दवा नमूने मानक गुणवत्ता के नहीं (एनएसक्यू) पाए हैं। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इसके अलावा, राज्य औषधि परीक्षण प्रयोगशालाओं द्वारा जांचे गए 70 औषधि नमूनों को भी नवंबर में एनएसक्यू के रूप में चिन्हित किया गया है। एक या उससे ज्यादा निर्दिष्ट गुणवत्ता मानकों पर खरा नहीं उतरने पर किसी औषधि को एनएसक्यू माना जाता है। एक अधिकारी ने कहा, सरकारी प्रयोगशाला में जिन औषधियों का परीक्षण किया गया, केवल वे मानकों पर खरी नहीं उतरीं और इससे बाजार में उपलब्ध अन्य औषधि के संबंध में किसी प्रकार की चिंता की आवश्यकता नहीं है। नवंबर में दो औषधि नमूनों की पहचान नकली दवाओं के रूप में की गई थी।

172 छात्र नेशनल स्टैंडर्ड एग्जामिनेशन में उत्तीर्ण

नोएडा। परीक्षा तैयारी सेवाओं में राष्ट्रीय अग्रणी, आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड -एईएसएल ने गर्व के साथ घोषणा की है कि 172 छात्रों ने प्रतिष्ठित नेशनल स्टैंडर्ड एग्जामिनेशन-एनएसई 2024 को सफलतापूर्वक उत्तीर्ण किया है। आईएपीटी ;इंडियन एसोसिएशन ऑफ फिजिक्स टीचर्स ने 25 दिसंबर 2024 को खगोल विज्ञान एस्ट्रोनॉमी, भौतिकी फिजिक्स, रसायन विज्ञान केमिस्ट्री, जीव विज्ञान बायोलॉजी और जूनियर विज्ञान में एनएसई नेशनल स्टैंडर्ड एग्जामिनेशन के स्कोर की घोषणा की। छात्रों को शानदार नतीजों पर बधाई देते हुए आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड के डीके मिश्रा रीजनल डायरेक्टर ने कहा कि एनएसई,नेशनल स्टैंडर्ड एग्जामिनेशनद्ध 2024 में सफल होने वाले हमारे सभी छात्रों को बधाई। यह इन छात्रों के निरंतर प्रयासों, हमारे शिक्षकों के समर्पण और आकाश द्वारा प्रदान की जाने वाली गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का प्रमाण है।

उत्कर्ष बैंक ने किया विस्तार किया

बलिया। उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड ने उत्तर प्रदेश के ठेकमाए बलिया में अपने नए बैंकिंग आउटलेट के उद्घाटन की घोषणा की। इस लॉन्च के साथए बैंक ने उत्तर प्रदेश में 213 बैंकिंग आउटलेट और देश भर में 1014 आउटलेट खोल दिए हैं। थिकामा बलिया के निवासियों को बचत खाते, चालू खात, सावधि जमा और आवर्ती जमा सहित बैंकिंग उत्पादों के व्यापक सूट से लाभ होगा। बैंक विभिन्न ऋण उत्पाद भी प्रदान करता हैए जैसे कि आवास ऋण व्यवसाय ऋण संपत्ति के खिलाफ ऋण ऋण बीमा और निवेश उत्पाद। बैंक का बुनियादी ढांचाए डिजिटल बैंकिंग क्षमताएं और एटीएम नेटवर्क एक सहज बैंकिंग अनुभव सुनिश्चित करते हैं। उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड के एमडी और सीईओ गोविंद सिंह ने कहा कि थेकामा में हमारा नया बैंकिंग आउटलेट उत्तर प्रदेश में हमारे नेटवर्क को मजबूत करने के लिए हमारे समर्पण को दर्शाता है। अपने मजबूत सामुदायिक संबंधों और ऐतिहासिक महत्व के लिए जाना जाने वाला बलिया में थेकामा इस क्षेत्र का एक अभिन्न अंग है। बलिया को क्रांतिकारियों की भूमिश् के रूप में जाना जाता है, जो भारत की स्वतंत्रता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले स्वतंत्रता सेनानियों का सम्मान करता है। जिनकी वित्तीय सेवाओं तक सीमित पहुँच है। समूह ऋण के जेएलजी मॉडल में एक सहकर्मी.गारंटी ऋण मॉडल शामिल है, जो व्यक्तियों को व्यक्तिगत आधार पर संपार्श्विक या सुरक्षा प्रदान किए बिना ऋण लेने में सक्षम बनाता है।

मनमोहन को श्रद्धांजलि देने 30 को तेलंगाना विस की बैठक बुलाई गई

हैदराबाद। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि देने के लिए तेलंगाना विधानसभा की बैठक 30 दिसंबर को आयोजित की जाएगी। आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को बताया कि विधानसभा अध्यक्ष जी प्रसाद कुमार ने 30 दिसंबर को सुबह 10 बजे विधानसभा की बैठक बुलाई है। उन्होंने बताया कि यह सत्र 2014 में तेलंगाना राज्य के गठन में मनमोहन सिंह द्वारा निभाई गई भूमिका के लिए आभार व्यक्त करने को लेकर आयोजित किया जा रहा है। तेलंगाना का गठन सिंह के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के दूसरे कार्यकाल के दौरान हुआ था। सूत्रों ने बताया कि सत्र के एक दिन के लिए आयोजित होने की संभावना है।

मॉरीशस ने मनमोहन सिंह के सम्मान में ध्वज आधा झुकाने की घोषणा की

नई दिल्ली। मॉरीशस ने घोषणा की है कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के सम्मान में शनिवार को सूर्यास्त तक सभी सरकारी कार्यालयों और संस्थानों में उसका राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा। प्रधानमंत्री नवीन रामगुलाम के कार्यालय ने एक विज्ञप्ति में निजी क्षेत्र से भी झंडे को आधा झुका कर फहराने का आग्रह किया। मॉरीशस के विदेश मंत्री धनंजय रामफुल ने दिल्ली आकर पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धांजलि अर्पित की। भारत गणराज्य के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन के बाद, जनता को सूचित किया जाता है कि उनके अंतिम संस्कार के दिन, आज शनिवार को सूर्यास्त तक सभी सरकारी भवनों पर मॉरीशस का ध्वज आधा झुका रहेगा।

महाराष्ट्र एटीएस ने 16 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया

मुंबई। महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने भारत में अवैध रूप से घुसने और वैध दस्तावेजों के बिना रहने के आरोप में छह महिलाओं सहित 16 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बताया कि एटीएस द्वारा शुरू किए गए विशेष अभियान के दौरान इन लोगों को गिरफ्तार किया गया।

सिंधिया का लक्ष्य 2029 तक डाक विभाग को लाभप्रद बनाना, वित्त मंत्री से धन मांगा

भाषा। नई दिल्ली

केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने डाक विभाग को 2029 तक मुनाफे में लाने के लिए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से धन मांगा है। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। डाक विभाग (डीओपी) एक लॉजिस्टिक कंपनी के रूप में उभरने की योजना पर काम कर रहा है।एक आधिकारिक सूत्र ने कहा, मंत्री (ज्योतिरादित्य सिंधिया) ने भारतीय डाक विभाग के मुनाफे की राह पर चर्चा करने के लिए नई दिल्ली में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की। उन्होंने और डाक विभाग की उनकी टीम ने शुक्रवार को वित्त मंत्री के समक्ष अपनी पूंजीगत व्यय मांगें प्रस्तुत कीं, ताकि विभाग को 2029 तक लाभ का केंद्र बनाया जा सके। सूत्र ने यह नहीं बताया कि डाक विभाग ने लाभप्रदता की राह तैयार करने के लिए कितना पूंजीगत व्यय मांगा है। एक अन्य अधिकारी ने कहा कि डाक विभाग के अधिकारियों ने भारतीय डाक को लाभ कमाने वाली लॉजिस्टिक्स कंपनी बनाने के लिए अपनी पूंजीगत व्यय को लेकर मांगें पेश कीं। सिंधिया ने इस बात पर जोर दिया कि विभाग का लक्ष्य अधिक ग्राहक अधिग्रहण, ग्राहक प्रतिधारण और परिचालन दक्षता हासिल करना है।

मनमोहन के अंतिम संस्कार के दौरान आधिकारिक कार्यक्रम में शामिल होने पर विजयन की आलोचना

कोच्चि। केरल में कांग्रेस ने शनिवार को पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर शोक व्यक्त किए जाने के दौरान यहां अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक आधिकारिक उद्घाटन समारोह में शामिल होने के लिए मुख्यमंत्री पिनराई विजयन की आलोचना की। राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष वीडी सतीशन ने यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री के इस कदम को अपमानजनक और अनुचित करार दिया। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि दस वर्ष तक भारत के प्रधानमंत्री रहे मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार नई दिल्ली में हो रहा है जबकि मुख्यमंत्री जैसे किसी व्यक्ति का कोच्चि हवाई अड्डे पर आधिकारिक कार्यक्रम में भाग लेना और उद्घाटन करना अपमानजनक व अनुचित है।उन्होंने कहा कि केरल के मुख्यमंत्री को ऐसे कार्यक्रम में शामिल नहीं होना चाहिए था और हवाई अड्डा प्रबंधन से अनुरोध किया गया था कि वह समारोह को स्थगित कर दें तथा एक दिन पहले मुख्यमंत्री को इस बारे में सूचित करें। सतीशन ने मुख्यमंत्री द्वारा दिखाए गए अनादर पर अपना दुख और विरोध जताया। इससे पहले दिन के समय विजयन ने ताज कोचीन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन किया, जिसे कोचीन इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (सीआईएएल) द्वारा विकसित किया गया है।

सरपंच हत्या: बीड में प्रदर्शन, महायुति के विधायकों ने भी धनंजय मुंडे को बर्खास्त करने की मांग की

भाषा। बीड

महाराष्ट्र के बीड शहर में मसाजोग के सरपंच संतोष देशमुख की हत्या के विरोध में शनिवार को हजारों लोग एकत्र हुए और मार्च निकाला। इस दौरान सत्तारूढ़ महायुति के कई विधायकों ने भी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के मंत्री धनंजय मुंडे को बर्खास्त करने की मांग की। मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे, कोल्हापुर राजपरिवार के छत्रपति संभाजी, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक सुरेश धास और अभिमन्यु पवार, राकांपा विधायक प्रकाश सोलंके और राकांपा (शरदचंद्र पवार) के विधायक जितेंद्र आव्हाड तथा संदीप क्षीरसागर ने विरोध मार्च में भाग लिया। प्रदर्शनकारियों ने बीड जिले से ताल्लुक रखने वाले धनंजय मुंडे के सहयोगी वाल्मीक कराड की गिरफ्तारी की मांग की। संतोष देशमुख का नौ दिसंबर को अपहरण कर लिया गया और इसके बाद यातना देकर उनकी हत्या कर दी गई थी। इस मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। विपक्षी दलों के नेताओं ने शीतकालीन सत्र के दौरान राज्य विधानमंडल में दावा किया कि वाल्मीक कराड हत्याकांड का मास्टरमाइंड है। मृतक सरपंच की बेटी वैभवी देशमुख ने विरोध प्रदर्शन के दौरान अपने पिता के लिए न्याय की मांग की। दलित समुदाय के एक व्यक्ति को बचाने के लिए उन्होंने अपनी जान गंवा दी। लातूर जिले के औसा से विधायक बनने से पहले मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के सहयोगी रहे अभिमन्यु पवार ने कहा कि देशमुख की हत्या से उत्पन्न पीड़ा महाराष्ट्र के विभिन्न हिस्सों में महसूस की गई है। भले ही मैं (सत्तारूढ़) दल का हिस्सा हूं, मैं सरकार को बताना चाहता हूं कि अगर आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया गया, तो विरोध प्रदर्शन राज्य के अन्य हिस्सों तक पहुंच जाएगा। हम संतोष देशमुख के परिवार के लिए न्याय चाहते हैं। भाजपा विधायक धास ने आरोप लगाया कि खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री मुंडे ने फर्जी वोटों की मदद से बीड जिले के परली से विधानसभा चुनाव जीता।

आरबीआई गवर्नर रहते हुए दोपहर के खाने के समय किताबें खरीदने जाते थे मनमोहन

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर रहने के दौरान मनमोहन सिंह महीने में एक या दो बार, मुंबई के फोर्ट इलाके में स्थित प्रसिद्ध स्ट्रैंड बुक स्टॉल पर जाते थे और वहां आई अपनी पसंद की नई किताबें खरीदते थे। किताब की इस दुकान के कर्मचारियों ने शायद ही कभी सोचा होगा कि यह मृदुभाषी पुस्तक प्रेमी देश का प्रधानमंत्री बनेगा। कुछ साल पहले बंद हो चुके बुकस्टोर स्ट्रैंड के एक पूर्व कर्मचारी ने डॉ. मनमोहन सिंह से जुड़ी यादें ताजा कीं। सिंह का बृहस्पतिवार रात 92 साल की उम्र में दिल्ली में निधन हो गया। सिंह 1982 से 1985 के बीच आरबीआई गवर्नर थे। कभी-कभी, वह बंद गला सूट या कुर्ता-पायजामा पहनकर पैदल ही किताब की दुकान पर जाते थे। स्ट्रैंड में दो दशक तक काम करने वाले टी. जगत ने कहाहममें से कई लोगों ने उन्हें उन दिनों दोपहर के भोजन के समय दुकान पर देखा है। अब किताब खाना बुकस्टोर के मुख्य परिचालन अधिकारी जगत पूर्व प्रधानमंत्री सिंह के विनम्र व्यवहार को याद करते हैं। जगत ने कहा, मैं प्रबंधन और साहित्य

अनुभाग संभालता था। वह प्रबंधन, वित्त और अर्थव्यवस्था से संबंधित किताबें मांगते थे। उन्होंने कहा, कभी-कभी मैं शेल्फ से उनके लिए कोई किताब निकाल लेता था। जगत ने बताया कि सिंह उन्हें उनके नाम से बुलाते थे। कभी-कभी स्ट्रैंड के मालिक टी. एन. शानबाग व्यक्तिगत रूप से उनकी मदद करते थे और नई पुस्तकें दिखाते थे। जगत ने कहा, हम दोपहर में उनका इंतजार करते थे क्योंकि हमें पता था कि वह किसी भी दिन आ सकते हैं। उन्होंने कहा कि भारत ने एक महान अर्थशास्त्री और एक अच्छे इंसान को खो दिया है। जगत ने कहा, स्ट्रैंड में अपने कार्यकाल के दौरान मैंने सात से आठ आरबीआई गवर्नर देखे हैं। लेकिन मनमोहन सिंह उनमें से एक बहुत ही अलग व्यक्तित्व के थे। उन्होंने कहा, "बहुत महान व्यक्ति, बहुत मृदुभाषी और व्यावहारिकअ वह हम सभी के साथ विनम्रता से पेश आते थे। जगत ने कहा, कोई भी अन्य राजनीतिक व्यक्ति डॉ. सिंह के कद की बराबरी नहीं कर सकता।

पायनियर

लखनऊ , रविवार, 29 दिसम्बर, 2024

भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय साझेदारी एवं मौजूदा वैश्विक मुद्दों पर व्यापक बातचीत

जयशंकर ने एनएसए पद के लिए नामित वाल्ट्ज से मुलाकात की

भाषा। सैन फ्रांसिस्को

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) पद के लिए नामित किए गए सांसद माइकल वाल्ट्ज से मुलाकात कर उनसे भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय साझेदारी एवं मौजूदा वैश्विक मुद्दों पर व्यापक बातचीत की। जयशंकर 24 दिसंबर से 29 दिसंबर तक आधिकारिक यात्रा पर अमेरिका में हैं। यह भारत सरकार और भावी ट्रंप प्रशासन के बीच उच्चतम-स्तर की पहली व्यक्तिगत बैठक थी। जयशंकर ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, वाल्ट्ज से मुलाकात कर बहुत खुशी हुई। उन्होंने कहा, हमने द्विपक्षीय साझेदारी के साथ-साथ मौजूदा वैश्विक मुद्दों पर व्यापक बातचीत की। उनके साथ काम करने के लिए उत्साहित हूं। वाल्ट्ज (50) जेक सुलिवन की जगह राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बनेंगे।फ्लोरिडा के छठे कांग्रेशनल डिस्ट्रिक्ट से तीन बार सांसद चुने गए वाल्ट्ज कांग्रेशनल इंडिया कॉकस के रिपब्लिकन सह-अध्यक्ष हैं। यह अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में सबसे बड़ा देश-विशिष्ट कॉकस है। वाल्ट्ज ने पिछले साल अगस्त में भारत में अमेरिकी संसद के प्रतिनिधिमंडल का सह-नेतृत्व भी किया था और वह लाल किले में स्वतंत्रता दिवस समारोह में भी शामिल हुए थे। वह प्रतिनिधि सभा में कई भारत-हितैषी विधेयकों के प्रायोजक रहे हैं। ट्रंप ने 12 नवंबर को घोषणा की थी कि वाल्ट्ज उनके राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार होंगे। इससे पहले, दिन में जयशंकर ने बताया कि उन्होंने वाशिंगटन डीसी में भारतीय दूतावास और भारतीय महावाणिज्यदूतों की टीम के साथ अत्यंत सार्थक दो दिवसीय सम्मेलन में भाग लिया। उन्होंने एक्स पर लिखा, विचार-विमर्श के बाद मुझे विश्वास है कि भारत-अमेरिका साझेदारी के निरंतर मजबूत होने की गति में तेजी आएगी।

पुतिन ने अजरबैजान के नेता से विमान हादसे की घटना के लिए माफी मांगी

भाषा। मॉस्को

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कजाकिस्तान में एक अजरबैजानी विमान हादसे की त्रासदपूर्ण घटना के लिए शनिवार को अजरबैजान के राष्ट्रपति से माफी मांगी। इस दुर्घटना में 38 लोगों की मौत हो गई थी। विमान ने बुधवार को अजरबैजान की राजधानी बाकू से चेचन्या की राजधानी ग्रोजनी के लिए उड़ान भरी थी। उड़ान भरने के कुछ देर बाद इसका मार्ग परिवर्तित कर दिया गया और कजाकिस्तान में उतरने का प्रयास करते हुए विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दुर्घटना में 38 लोगों की मौत हो गई और 29 लोग घायल हो गए। पुतिन की यह माफी ऐसे समय में आई है जब यह आरोप लगाया जा रहा है कि विमान यूक्रेनी ड्रोन हमले को विफल करने के प्रयास में रूसी वायु रक्षा प्रणाली द्वारा की गई गोलीबारी की चपेट में आ गया। शनिवार को एक आधिकारिक बयान में रूसी राष्ट्रपति कार्यालय क्रेमलिन ने कहा कि बुधवार को यूक्रेनी ड्रोन हमले के कारण ग्रोजनी के निकट वायु रक्षा प्रणालियों ने गोलीबारी की। हालांकि यह कहने से परहेज किया कि विमान रूसी वायु रक्षा प्रणाली की गोलीबारी का निशाना बना। क्रेमलिन ने रूस के राष्ट्रपति और अजरबैजान के राष्ट्रपति के बीच फोन पर हुई वार्ता के विवरण का हवाला देते हुए बताया कि पुतिन ने अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलीएव से इस तथ्य के लिए माफी मांगी कि यह दुखद घटना रूसी हवाई क्षेत्र में हुई। बयान में कहा गया कि रूस ने इस घटना की जांच शुरू कर दी है तथा अजरबैजान के वरिष्ठ अधिकारी भी इसमें भाग लेने के लिए ग्रोजनी पहुंच चुके हैं। क्रेमलिन ने यह भी कहा कि रूस, अजरबैजान और कजाकिस्तान की संबंधित एजेंसियां संयुक्त रूप से कजाकिस्तान के अक्तौ शहर के पास दुर्घटना स्थल की जांच कर रही हैं।इस बीच, अलीएव के प्रेस कार्यालय ने दोनों नेताओं की वार्ता का विवरण साझा करते हुए बताया कि अजरबैजान के राष्ट्रपति ने पुतिन से कहा कि विमान को बाहरी भौतिक और तकनीकी हस्तक्षेप का सामना करना पड़ा। हालांकि, अलीएव ने सीधे तौर पर रूसी वायु रक्षा प्रणाली पर आरोप नहीं लगाया।

खैबर पख्तूनख्वा में आतंकवाद विरोधी अभियान में दो सुरक्षाकर्मियों की मौत

पेशावर (पाकिस्तान)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में आतंकवाद के खिलाफ एक अभियान के दौरान दो सुरक्षाकर्मियों की मौत हो गई और 11 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह अभियान शुक्रवार को बाजौर जिले के मुल्ला सैद बंदा इलाके में चलाया गया। पुलिस ने बताया कि आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में दो सुरक्षाकर्मी मारे गए और मेजर रैंक के एक अधिकारी समेत 11 अन्य सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। सुरक्षा अधिकारियों ने बताया कि कुछ आतंकवादी भी हताहत हुए है लेकिन उनकी सटीक संख्या का अभी पता नही चल पाया है।

नाइजीरिया में हवाई हमले के दौरान हुई गलती से 10 आम लोगों की मौत

डकार (सेनेगल)। नाइजीरिया में हथियारबंद समूह को निशाना बनाकर किए गए हवाई हमले के दौरान हुई चूक के कारण कम से कम 10 असैन्य नागरिकों की मौत हो गई। नाइजीरियाई रक्षा प्रवक्ता एडवर्ड बूबा ने शुक्रवार को संवाददाता सम्मेलन में बताया कि क्रिसमस के दिन सोकोतो राज्य के सिलामे इलाके में लकुरावा चरमपंथी समूह के अड्डे को निशाना बनाकर किए गए वायुसेना के हमले में ग्रामीणों की मौत हो गई। बृहस्पतिवार को सोकोतो राज्य की सरकार ने कहा था कि इलाके से चरमपंथियों को खदेड़ने के प्रयास के तहत वायुसेना ने बुधवार तड़के गलती से ग्रामीणों पर बम गिरा दिए। बूबा ने हालांकि शुक्रवार को कहा कि लकुरावा चरमपंथियों पर प्रत्यक्ष रूप से हमला किया गया और आम लोगों की मौत हमले के बाद हुए दूसरे विस्फोटों के कारण हुई।

मेक्सिको की खाड़ी के तट पर बस और ट्रक की टक्कर में आठ लोगों की मौत

मेक्सिको सिटी। मेक्सिको की खाड़ी के तट पर शुक्रवार को एक बस और ट्रक के बीच टक्कर हो जाने से आठ लोगों की मौत हो गई और 27 अन्य घायल हो गए। वेराक्रूज राज्य के अभियोजकों ने बताया कि यह दुर्घटना राज्य की राजधानी जालापा के पास राजमार्ग पर तड़के हुई।उन्होंने बताया कि हादसे में हताहत हुए अधिकतर लोग बस में सवार यात्री थे। मृतकों में तीन पुरुष, चार महिलाएं और एक लड़की शामिल है। अभियोजकों ने बताया कि हादसे में घायल हुए 27 लोगों का स्थानीय अस्पतालों में इलाज जारी है लेकिन उनकी हालत के बारे में तत्काल कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। अभी यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि दुर्घटना किस वजह से हुई लेकिन इस पहाड़ी इलाके में सड़कों पर कई खतरनाक मोड़ है।

सिंगापुर भारतीय उच्चायोग श्रद्धांजलि देने लिए शोक पुस्तिका उपलब्ध कराएगा

सिंगापुर। सिंगापुर में स्थित भारतीय उच्चायोग पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए एक शोक पुस्तिका उपलब्ध कराएगा। उच्चायोग ने बताया कि शोक पुस्तिका 30 और 31 दिसंबर को सुबह साढ़े 10 बजे से दोपहर साढ़े 12 बजे तक तथा दोपहर ढाई बजे से शाम चार बजे तक हस्ताक्षर के लिए उपलब्ध रहेगी। सिख एडवाइजरी बोर्ड के अध्यक्ष मलमिंदरजीत सिंह ने पूर्व प्रधानमंत्री के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि मनमोहन सिंह ने दुनिया भर में सिखों की कई पीढ़ियों को प्रेरित किया है और वह उनके प्रेरणा स्रोत बने रहेंगे। वर्ष 2012 में सिंगापुर के तत्कालीन प्रधानमंत्री ली सीन लूंग के साथ भारत आए प्रतिनिधिमंडल में शामिल रहे मलमिंदरजीत ने मनमोहन सिंह के साथ हुई मुलाकात को याद करते हुए कहा कि सिंह मृदुभाषी, धैर्यवान और दयालु व्यक्ति थे।

संरा प्रमुख एंतोनियो गुतारेस ने मनमोहन सिंह के निधन पर दुख जताया

भाषा। संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंतोनियो गुतारेस ने भारत के पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर शोक व्यक्त किया है। गुतारेस ने सिंह के परिवार, सरकार और भारत के लोगों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है। सिंह के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए गुतारेस ने भारत और संयुक्त राष्ट्र में पूर्व प्रधानमंत्री के योगदान का उल्लेख किया। संरा महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक द्वारा जारी एक बयान में कहा गया, भारत के पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन की खबर सुनकर महासचिव दुखी हैं। सिंह ने भारत के हालिया इतिहास में, विशेष रूप से इसकी आर्थिक राह को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बयान में कहा गया, प्रधानमंत्री के रूप में सिंह ने भारत में महत्वपूर्ण आर्थिक प्रगति और विकास के लिए कार्य किया। उनके नेतृत्व में भारत ने संयुक्त राष्ट्र के साथ अपने सहयोग को भी मजबूत किया और वैश्विक पहलों तथा साझेदारी में सक्रिय योगदान दिया। इसमें कहा गया, महासचिव ने सिंह के परिवार और भारत सरकार तथा भारत के लोगों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है।

संबंध मजबूत करने में मनमोहन की अहम भूमिका : बाइडन

भाषा। सैन फ्रांसिस्को

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए उन्हें एक सच्चा राजनेता कहा और भारत एवं अमेरिका के बीच द्विपक्षीय सहयोग के अभूतपूर्व स्तर का श्रेय उनकी रणनीतिक समझ और राजनीतिक साहस को दिया।भारत के 2004 से 2014 तक प्रधानमंत्री रहे सिंह का बृहस्पतिवार रात नई दिल्ली में निधन हो गया। वह 92 वर्ष के थे। बाइडन और प्रथम महिला जिल बाइडन ने पूर्व प्रधानमंत्री के निधन पर शोक व्यक्त किया।बाइडन ने एक बयान में कहा, अमेरिका और भारत के बीच सहयोग का आज जो अभूतपूर्व स्तर है, वह (पूर्व) प्रधानमंत्री की रणनीतिक समझ और राजनीतिक साहस के बिना संभव नहीं हो पाता। उन्होंने कहा, अमेरिका-भारत असैन्य परमाणु समझौता करने से लेकर हिंद प्रशांत क्षेत्र के सहयोगियों के बीच क्वाड (चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद) की शुरुआत में मदद करने तक, उन्होंने पथ-प्रदर्शक प्रगति की रूपरेखा तैयार की जो भावी पीढ़ियों के लिए हमारे राष्ट्रों और विश्व को मजबूत बनाती रहेगी। वह एक सच्चे राजनेता, एक समर्पित लोक सेवक थे और सबसे बढ़कर, वह एक दयालु और विनम्र व्यक्ति थे। अमेरिका के निवर्तमान राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें 2008 में अमेरिकी ऊपरी सदन सीनेट की विदेश संबंध समिति के अध्यक्ष के रूप में तथा 2009 में सिंह की अमेरिका की आधिकारिक राजकीय यात्रा के दौरान उपराष्ट्रपति के रूप में उनसे मुलाकात करने का अवसर मिला था। बाइडन ने कहा, उन्होंने 2013 में भी नई दिल्ली में मेरी मेजबानी की थी। जैसा कि हमने तब चर्चा की थी, अमेरिका एवं भारत के संबंध दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण संबंधों में से एक हैं।

मनमोहन सिंह ने अमेरिका-भारत संबंधों को मूलभूत रूप से नए स्तर पर पहुंचाया: कोंडोलीजा राइस

सैन फ्रांसिस्को। अमेरिका की पूर्व विदेश मंत्री कोंडोलीजा राइस ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को एक महान नेता बताते हुए कहा कि उन्होंने दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक असैन्य परमाणु समझौते के माध्यम से अमेरिका-भारत संबंधों को मौलिक रूप से नए स्तर पर लाने में मदद की। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह (92) का बृहस्पतिवार रात नई दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में निधन हो गया था। राइस (70) ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मुझे भारत के पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन के बारे में जानकर बहुत दुख हुआ है। वह एक महान व्यक्ति और महान नेता थे, जिन्होंने 2008 के ऐतिहासिक अमेरिका-भारत असैन्य परमाणु समझौते के साथ अमेरिका-भारत संबंधों को मौलिक रूप से नए स्तर पर लाने में मदद की थी। राइस 2005 से 2009 तक विदेश मंत्री रहीं और उससे पहले 2001 से 2005 तक राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रहीं। उन्होंने यह दोनों ही पद तत्कालीन राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश के कार्यकाल में संभाले थे। उन आठ वर्षों को भारत-अमेरिका संबंधों को बदलने वाले वर्षों के रूप में देखा जाता है, खास तौर पर ऐतिहासिक असैन्य परमाणु समझौते के रूप में, जिसकी शुरुआत सिंह और बुश ने मिलकर की थी। राइस ने कहा, प्रधानमंत्री सिंह ने अपने राजनीतिक भविष्य को जोखिम में डाला और उसके बाद अपनी सरकार को फिर से बनाया ताकि एक ऐसे समझौते को सुरक्षित करने के लिए आवश्यक समर्थन प्राप्त किया जा सके जो अंतत: क्षेत्र की भू-राजनीतिक दिशा को बदल देगा और आने वाले दशकों के लिए दूरगामी प्रभाव डालेगा। मैं इस भारी क्षति के लिए भारत के लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करती हूं - ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दें। इस बीच भारतीय अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने भी सिंह के निधन पर शोक व्यक्त किया।

इजराइल ने उत्तरी गाजा के अस्पतालों में से एक के निदेशक को हिरासत में लिया: फलस्तीनी अधिकारी

दीर अल-बलाह। फलस्तीनी चिकित्सा अधिकारियों ने शनिवार को कहा कि इजराइली सेना ने उत्तरी गाजा के अंतिम कार्यरत अस्पतालों में शामिल एक अस्पताल के निदेशक को हिरासत में ले लिया है। इस क्षेत्र में रातभर हुए हमलों में बच्चों सहित नौ लोग मारे गए हैं।गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि कमाल अदवान अस्पताल के निदेशक डॉ. हुसाम अबू साफिया को दर्जनों अन्य कर्मचारियों के साथ शुक्रवार को इजराइली सुरक्षा बलों ने गिरफ्तार कर लिया और उन्हें एक पूछताछ केंद्र में ले गए। मंत्रालय के अनुसार, इजराइली सैनिकों ने अस्पताल पर धावा बोलकर कई कर्मचारियों और मरीजों को जबरन बाहर निकाल दिया और उन्हें सर्दियों के मौसम में कपड़े उतारने के लिए कहा।इजराइल की सेना ने निदेशक के बारे में सवालों का जवाब नहीं दिया। इजराइल ने शुक्रवार को इस बात से इनकार किया कि उसने अस्पताल परिसर में प्रवेश किया था या आग लगाई थी, लेकिन यह स्वीकार किया कि उसने लोगों को बाहर जाने का आदेश दिया था। इजराइल ने यह भी कहा कि वह क्षेत्र में हमास के बुनियादी ढांचे और आतंकवादियों के खिलाफ अभियान चला रहा था। इजराइली सेना ने बार-बार दावा किया है कि हमास के आतंकवादी कमाल अदवान के अंदर काम करते हैं, लेकिन कोई सबूत नहीं दिया। हालांकि, अस्पताल के अधिकारियों ने इससे इनकार किया है। मानवतावादी संगठन मेडग्लोबल ने शुक्रवार को कहा कि वह साफिया के बारे में गंभीर रूप से चिंतित है। मेडग्लोबल के लिए अबू साफिया काम करते हैं। इजराइल के लगभग 15 महीने पुराने बमबारी और जमीनी हमलों के अभियान ने गाजा के स्वास्थ्य क्षेत्र को तबाह कर दिया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा है कि कमल अदवान पर कार्रवाई ने उत्तरी गाजा की आखिरी प्रमुख स्वास्थ्य सुविधा को यहां पहुंचने पर लगाए गए प्रतिबंधों को बढ़ाकर सेवा से बाहर कर दिया है। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि भयावहता समाप्त होनी चाहिए और स्वास्थ्य देखभाल की रक्षा की जानी चाहिए।स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि इजराइली गोलीबारी में पिछले 24 घंटे में 48 लोग मारे गए हैं। इस बीच, इजराइल ने कहा कि उसके सैनिकों ने उत्तरी शहर बेत हनून में अभियान शुरू कर दिया है। इजराइल ने इस क्षेत्र में हमास के लड़ाकों और उसके बुनियादी ढांचे की मौजूदगी का हवाला दिया।

अफगानिस्तान का पलटवार: हवाई हमले के जवाब में पाकिस्तान के कई स्थानों को बनाया निशाना

काबुल। अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि उसके बलों ने पिछले हफ्ते देश पर हुए घातक हवाई हमलों के जवाब में पाकिस्तान के अंदर कई स्थानों पर हमले किए। पाकिस्तान ने गत मंगलवार को अफगानिस्तान के पूर्वी पक्तिका प्रांत में एक प्रशिक्षण केंद्र को नष्ट करने और विद्रोहियों के खिलाफ एक अभियान शुरू किया था। पाकिस्तान के हवाई हमलों में कई लोग मारे गए, जिनमें अधिकतर महिलाएं और बच्चे थे। तालिबान के रक्षा मंत्रालय की ओर से शनिवार को एक्स पर पोस्ट की गई टिप्पणियों में कहा गया कि उसकी सेनाओं ने पाकिस्तान के उन स्थानों को निशाना बनाया, जिन्हें अफगानिस्तान पर हमलों की योजना और समन्वय से जुड़े तत्वों एवं उनके समर्थकों के लिए ठिकाने के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा था। मंत्रालय के प्रवक्ता इनायतुल्ला ख्वारजामी ने हमलों के बारे में और कोई जानकारी नहीं दी, साथ ही यह भी नहीं बताया गया कि हमलों को कैसे अंजाम दिया गया। उन्होंने यह भी नहीं बताया कि दोनों तरफ से कोई हताहत हुआ है या नहीं। तालिबान समर्थक मीडिया संगठन हुयित डेली न्यूज ने मंत्रालय के सूत्रों के हवाले से बताया कि हमलों में 19 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए और हिंसा में तीन अफगान नागरिकों को भी जान गंवानी पड़ी। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं मिल पाई। आयोजक रशीदुल्लाह हमदर्द के अनुसार, लोगों ने देश के दक्षिणपूर्वी खोस्त प्रांत में अफगानिस्तान की जवाबी कार्रवाई का जश्न मनाया। अपनी खुशी का इजहार करने और पाकिस्तान के खिलाफ अफगान सेना के प्रति अपने समर्थन को व्यक्त करने के लिए हजारों लोग एकत्र हुए। खोस्त के पड़ोसी पक्तिका को पिछले सप्ताह निशाना बनाया गया था।

सिंगापुर के प्रधानमंत्री ने मनमोहन सिंह के निधन पर शोक व्यक्त किया

सिंगापुर। सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर शनिवार को अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने भारत की अर्थव्यवस्था को नया स्वरूप दिया और इसके उल्लेखनीय विकास के लिए मंच तैयार किया। सिंह का बृहस्पतिवार को 92 वर्ष की आयु में निधन हो गया। सिंह वर्ष 2004 से 2014 तक 10 वर्ष देश के प्रधानमंत्री रहे। वोंग ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लिखे पत्र में कहा, सिंह एक ऐसे राजनेता थे, जिन्होंने अपनी दूरदर्शिता और दृढ़ संकल्प के माध्यम से भारत की अर्थव्यवस्था को नया स्वरूप प्रदान किया और उदार बनाया। इसने भारत के उल्लेखनीय विकास और एक प्रमुख क्षेत्रीय और वैश्विक खिलाड़ी के रूप में उभरने के लिए मंच तैयार किया। सिंह के कार्यकाल में सिंगापुर-भारत संबंधों में उल्लेखनीय वृद्धि होने का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि सिंह के कार्यकाल के दौरान ऐतिहासिक व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते (सीईसीए) पर हस्ताक्षर किए गए थे। वोंग ने लिखा, यह हमारे संबंधों में एक मील का पत्थर था और इसने आज हमारे बीच मौजूद मजबूत आर्थिक साझेदारी की नींव रखी। उन्होंने यह भी कहा कि सिंह ने आसियान के साथ भारत के जुड़ाव को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके नेतृत्व में, भारत 2005 में पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में शामिल हुआ और एक मजबूत क्षेत्रीय ढांचे के निर्माण में आसियान के प्रयासों का सक्रिय रूप से समर्थन किया। वोंग ने पत्र में लिखा, इस दुख की घड़ी में हमारी संवेदनाएं भारत के लोगों के साथ हैं। शनिवार को दिल्ली के निगमबोध घाट पर सिंह का अंतिम संस्कार किया गया। सिंह को उनकी सबसे बड़ी बेटी उपिंदर सिंह ने मुखाग्नि दी।

चीनी जासूसी अभियान की शिकार हुई नौवीं टेलीकॉम कंपनी: व्हाइट हाउस

वाशिंगटन। व्हाइट हाउस की एक शीर्ष अधिकारी ने कहा है कि नौवीं अमेरिकी दूरसंचार कंपनी को चीनी जासूसी अभियान के तहत हैक कर लिया गया है, जिससे बीजिंग में बैठे अधिकारियों को अज्ञात संख्या में अमेरिकियों के निजी संदेशों और फोन पर हुई बातचीत के बारे में जानकारी मिल गई है। कम से कम आठ दूरसंचार कंपनियां और दर्जनों देश साल्ट टाइफून के नाम से जाने जाने वाले चीनी हैकिंग हमले से प्रभावित हुए हैं। इस बीच, उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ऐनी न्यूबर्गर ने शुक्रवार को पत्रकारों को बताया कि चीनी हमले की शिकार नौवीं दूरसंचार कंपनी की पहचान हुई है। अधिकारियों ने कहा है कि हैकरों ने दूरसंचार कंपनियों के नेटवर्क में सेंध लगाकर ग्राहकों के कॉल रिकॉर्ड हासिल किए और सीमित संख्या में व्यक्तियों के निजी संचार तक पहुंच बनाई है।हालांकि एफबीआई ने सार्वजनिक रूप से किसी भी पीड़ित की पहचान नहीं की है, लेकिन अधिकारियों का मानना है कि वरिष्ठ अमेरिकी सरकारी अधिकारी और प्रमुख राजनीतिक हस्तियां उन लोगों में शामिल हैं जिनके संचार तक पहुंच बनाई गई थी। न्यूबर्गर ने कहा कि अधिकारियों को अभी तक सटीक जानकारी नहीं मिली है कि कुल मिलाकर कितने अमेरिकी साल्ट टाइफून से प्रभावित हुए हैं।

यमन हवाई अड्डे पर इजराइल ने किए हवाई हमले: संयुक्त राष्ट्र

भाषा। संयुक्त राष्ट्र

इजराइल ने यमन के एक प्रमुख हवाई अड्डे पर उस समय हवाई हमले किए जब सैकड़ों यात्रियों को ला रहा एक असैन्य एयरबस 320 विमान उतर रहा था और संयुक्त राष्ट्र का एक प्रतिनिधिमंडल वहां मौजूद था। यमन में मानवीय कार्यों के लिए संयुक्त राष्ट्र के शीर्ष अधिकारी जूलियन हार्नेइस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।हार्नेइस ने संयुक्त राष्ट्र के संवाददाताओं को बताया कि बृहस्पतिवार को किए गए दो हवाई हमलों की सबसे भयावह बात यह नहीं थी कि इन हमलों का उन पर और यमन की राजधानी सना के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के वीआईपी लाउंज में मौजूद संयुक्त राष्ट्र विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के प्रमुख समेत लगभग 15 अन्य लोगों पर क्या प्रभाव पड़ा, बल्कि सबसे खतरनाक बात यह थी कि हवाई अड्डे के नियंत्रण टावर के नष्ट होने की यह घटना उस समय हुई, जब यमेनिया एयरवेज का विमान वहां उतर रहा था। हमलों के समय डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस एडनोम घेब्रेएसस के साथ लाउंज में मौजूद हार्नेइस ने कहा, सौभाग्य से, विमान सुरक्षित रूप से उतर गया और यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल दिया गया। उन्होंने कहा कि एक हवाई हमला वीआईपी लाउंज के लगभग 300 मीटर दक्षिण में तथा दूसरा हमला लगभग 300 मीटर उत्तर में शाम पौने पांच बजे हुआ। हमले के समय संयुक्त राष्ट्र के दल के लगभग पांच सदस्य इमारत के बाहर थे। संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि हमले में कम से कम तीन लोग मारे गए और दर्जनों लोग घायल हो गए। उसने बताया कि घायलों में संयुक्त राष्ट्र मानवीय वायु सेवा विमान के चालक दल का एक सदस्य भी शामिल है। यह विमान संयुक्त राष्ट्र के लगभग 20 लोगों के प्रतिनिधिमंडल को सना से बाहर ले जाने वाला था।

महिलाओं के लिए इंटरनेट को सुरक्षित बनाने के छह तरीके

भाषा। लंदन

महिलाएं ऑनलाइन सुरक्षा पर ज्यादा ध्यान नहीं देतीं, जबकि उनके लिए साइबर अपराधों और सोशल मीडिया पर उत्पीड़न का शिकार होने का जोखिम ज्यादा होता है। एक अध्ययन में हर पांच में से एक महिला ने माना कि उसे ऑनलाइन धोखाधड़ी और उत्पीड़न का सामना करना पड़ा है। ब्रिटेन का ऑनलाइन सुरक्षा अधिनियम भले ही महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ साइबर हिंसा से निपटने के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन समाधान सीधे नहीं हैं। महिलाओं के लिए रोकथाम, प्रशिक्षण और जागरूकता सभी आवश्यक हैं। वेस्टमिंस्टर विश्वविद्यालय की मैगडेलिन एनजी के साथ किए गए सर्वेक्षण में मैंने पाया कि महिलाएं ऑनलाइन सुरक्षा सलाह और प्रौद्योगिकी को ज्यादा गंभीरता से नहीं लेतीं। लोगों को ऑनलाइन सुरक्षित रखने वाले सुरक्षा फीचर और गोपनीयता उपायों का इस्तेमाल करने तथा उनके बारे में जानकारी रखने के मामले में पुरुष महिलाओं से कहीं आगे हैं। सर्वे में हमने 600 से अधिक वयस्कों (50 फीसदी महिलाएं और 50 फीसदी पुरुष) से उनके पसंदीदा ऑनलाइन गोपनीयता और सुरक्षा उपायों के बारे में पूछा। प्रतिभागियों ने ऑनलाइन सुरक्षा के बारे में सूचित रहने को अपना पसंदीदा उपाय बताया, जिसमें आधिकारिक निकायों से औपचारिक प्रशिक्षण लेना, वेब पेज के जरिए जानकारी जुटाना, साइबर सुरक्षा सॉफ्टवेयर को डाउनलोड करना और उनका इस्तेमाल करना तथा परिवार के सदस्यों एवं दोस्तों से मौखिक रूप से अनौपचारिक सलाह हासिल करना शामिल है। हमारे सर्वे से पता चलता है कि पुरुषों और महिलाओं के ऑनलाइन सुरक्षा सलाह लेने के तरीके में बड़ा अंतर है। मिसाल के तौर पर, 76 फीसदी महिलाओं ने कहा कि वे परिवार के सदस्यों और दोस्तों से साइबर सुरक्षा के उपाय पूछने पर जोर देती हैं, जबकि पुरुषों के मामले में यह संख्या 24 प्रतिशत थी। वहीं, ऑनलाइन स्रोतों से साइबर सुरक्षा एवं गोपनीयता के उपायों के बारे में जानकारी जुटाने की बात करें, तो ऐसा करने वाले पुरुषों की संख्या 70 फीसदी और महिलाओं की तादाद 38 प्रतिशत थी। हालांकि, यह जरूरी नहीं कि परिवार के सदस्यों और दोस्तों से मार्गदर्शन लेना जोखिम भरा हो, लेकिन इस बात की कोई गारंटी नहीं रहती कि उनके पास उचित जानकारी एवं सलाह मुहैया कराने का कौशल है।

बीएनपी ने मतदान की न्यूनतम आयु घटाकर 17 साल करने के यूनुस की सिफारिश की आलोचना की

ढाका। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस की इस सिफारिश की शनिवार को आलोचना की कि मतदान की न्यूनतम आयु घटाकर 17 साल की जानी चाहिए। बीएनपी ने कहा कि इससे निर्वाचन आयोग पर दबाव पड़ेगा और चुनाव प्रक्रिया में देरी हो सकती है। द ढाका ट्रिब्यून की खबर के मुताबिक, अगस्त में शेख हसीना नीत सरकार के पतन के बाद अंतरिम सरकार के प्रमुख नियुक्त किए जाने वाले यूनुस (84) ने शुक्रवार को मतदान की न्यूनतम आयु घटाकर 17 साल किए जाने की सिफारिश की थी। एक चुनाव संवाद में प्रसारित वीडियो मैसेज में यूनुस ने कहा था, मुझे लगता है कि (युवा) अपने भविष्य के बारे में राय दे सकें, इसके लिए मतदान की न्यूनतम उम्र घटाकर 17 साल तय की जानी चाहिए। बीएनपी महासचिव मिर्जा फखरूल इस्लाम आलमगीर ने ढाका में जातीय प्रेस क्लब में एक चर्चा के दौरान कहा कि मतदान की उम्र घटाकर 17 साल करने के मुख्य सलाहकार के सुझाव का मतलब है कि एक नई मतदाता सूची तैयार करनी होगी। उन्हें कहा, अब लोगों को यह डर सताएगा कि और भी अधिक समय बर्बाद होगा तथा (चुनाव प्रक्रिया में) और देरी होगी। आलमगीर ने कहा कि लोगों के बीच यह धारणा है कि अंतरिम सरकार जानबूझकर चुनाव प्रक्रिया में देरी करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा, लेकिन मैं ऐसा नहीं सोचता हूं। बीएनपी नेता ने कहा कि मुख्य सलाहकार को हितधारकों से परामर्श किए बिना इस मुद्दे को नहीं उठाना चाहिए था। उन्होंने कहा, आप मुख्य कार्यकारी हैं और आपने कहा है कि 17 साल उपयुक्त आयु है। जब आप यह कहते हैं, तो यह निर्वाचन आयोग के लिए बाध्यकारी हो जाता है। आलमगीर ने कहा कि सरकार को यह मुद्दा निर्वाचन आयोग पर छोड़ देना चाहिए था, ताकि वह उचित फैसला ले सके। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में देश में मतदान के लिए न्यूनतम आयु 18 वर्ष सभी को स्वीकार्य है। बीएनपी नेता ने कहा, अगर आप इसे एक साल कम करना चाहते हैं, तो नए निर्वाचन आयोग को इसका प्रस्ताव देने दें और राजनीतिक दलों के साथ चर्चा करें। यूनुस ने 16 दिसंबर को विजय दिवस पर अपने संबोधन के दौरान संकेत दिया था कि चुनाव 2026 की शुरुआत में हो सकते हैं। उन्होंने कहा था, मोटे तौर पर कहूं तो चुनाव 2025 के अंत और 2026 की पहली छमाही के बीच निर्धारित किया जा सकता है।

रेड्डी के पहले टेस्ट शतक ने जगाई भारत की उम्मीदें

- चौथे टेस्ट के तीसरे दिन नाबाद शतक लगाकर आस्ट्रेलिया की जीत की उम्मीदों को झटका दिया
- नौ विकेट पर 358 रन बनाए, भारत अभी भी 116 रन पीछे

भाषा। मेलबर्न

टेस्ट क्रिकेट में शुरुआती कदम रखने वाले नीतिश कुमार रेड्डी ने भारत के लिए संकटमोचक की भूमिका निभाते हुए चौथे टेस्ट के तीसरे दिन नाबाद शतक लगाकर आस्ट्रेलिया की जीत की उम्मीदों को झटका दिया है। रेड्डी के नाबाद 105 रन की मदद से भारत ने बारिश के कारण तीसरे दिन का खेल जल्दी समाप्त किए जाने तक नौ विकेट पर 358 रन बना लिए हैं। आस्ट्रेलिया के पहली पारी के 474 रन से भारत अभी भी 116 रन पीछे है। एमसीजी की सपाट पिच पर गेंदबाजों को कोई मदद नहीं मिलती देख अब टेस्ट बचाना भारत के लिए बहुत मुश्किल नहीं होना चाहिए। इस श्रृंखला में भारत की खोज रहे रेड्डी को इसका पूरा श्रेय जाता है। उन्होंने जुझारूपन की मिसाल पेश करते हुए वॉशिंगटन सुंदर (162 गेंद में 50 रन) के साथ 127 रन की अहम साझेदारी की जो भारत के लिए निर्णायक मोड़ रही। महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने रेड्डी की पारी को सर्वश्रेष्ठ टेस्ट पारियों में से एक बताया। ऋषभ पंत के गैर जिम्मेदाराना शॉट खेलकर विकेट गंवाने के समय भारत का स्कोर छह विकेट पर 191 रन था। आंध्र के युवा बल्लेबाज का स्कोर 99 रन था जब जसप्रीत बुमराह आउट हो गए। इस समय रेड्डी और आखिरी बल्लेबाज मोहम्मद सिराज क्रीज पर थे। सिराज के आने पर दर्शकों ने फिर उनकी हूटिंग की लेकिन उन्होंने मेजबान कप्तान पैट कमिंस की तीन गेंद संभलकर खेली। हर गेंद के बाद रेड्डी और दीर्घा में बैठे उनके पिता के चेहरे के भाव बदल रहे थे लेकिन सिराज ने तीन गेंद संभलकर खेली और रेड्डी को वह पल दिया जिसका सपना वह हजारों बार देख चुके थे। स्कॉट बोलैंड को सीधे चौका लगाकर रेड्डी ने अपना शतक पूरा किया और घुटने के बल बैठकर बल्ले पर हेलमेट रखकर भारतीय डगआउट के प्रति आभार व्यक्त किया। भारतीय खिलाड़ियों ने खड़े होकर उनका अभिवादन किया। एक दशक पहले जब रेड्डी के पिता मुथियाला ने अपनी नौकरी छोड़कर साहूकारी का काम शुरू किया और नुकसान उठाया तो परिवार ने उन्हें अपने बेटे के सपनों को पर नहीं देने की सलाह दी लेकिन उन्होंने किसी की नहीं सुनी। सीमारेखा के पास बैठे रेड्डी के पिता अपने आंसू नहीं रोक सके जब उनके बेटे ने शतक पूरा किया। उन्हें वह दिन याद आ गया होगा जब उनके बेटे को 2017 में बीसीसीआई से सर्वश्रेष्ठ अंडर 16 क्रिकेटर का पुरस्कार मिला था। उस समय रेड्डी ने अपने आदर्श क्रिकेटर विराट कोहली और उनकी पत्नी अनुष्का के साथ सेल्फी ली थी। अपनी पारी में रेड्डी ने दस चौके और एक छक्का लगाया। सुबह के सत्र में जहां ऋषभ पंत का गैर जिम्मेदाराना शॉट खेलकर अपना विकेट गंवाना भारत को भारी पड़ा वहीं दूसरे सत्र में रेड्डी ने जबर्दस्त संयम का प्रदर्शन किया। भारत ने पहले सत्र में 80 रन बनाए। पंत 37 गेंद में 28 रन बनाकर खराब शॉट खेलकर आउट हुए। एमसीजी पर तीसरा दिन बल्लेबाजी के लिए शानदार था चूंकि घास हट चुकी थी और कूकाबूरा से गेंदबाजों को कोई मदद नहीं मिल रही थी। पंत अगर टिककर खेलते तो बड़ी पारी खेल सकते थे। जडेजा (51 गेंद में 17 रन) और पंत ने दिन की अच्छी शुरुआत की। पंत ने कुछ चौके भी लगाए लेकिन लांग लेग पर गैर जरूरी रिवर्स लैप पुल शॉट खेलकर अपना विकेट गंवा दिया। बोलैंड की गेंद पर जब उन्होंने पहली बार यह शॉट खेलने का प्रयास किया तो गेंद नाभि के पास लगी और वह दर्द में दिखे। वह उठे और उन्हें समझ में नहीं आया कि पैट कमिंस ने डीप फाइन लेग और डीप थर्डमैन पर फील्डर लगा दिया है ताकि रिवर्स और रिवर्स लैप शॉट रोक सकें। पंत ने फिर वही शॉट खेला और अतिरिक्त उछाल के कारण गेंद सीधे थर्डमैन पर फील्डर के हाथ में गई। इसके बाद रेड्डी ने संभलकर खेला और कुछ अच्छे स्ट्रोक्स लगाए। इस बीच जडेजा को नाथन लियोन ने पगबाधा आउट कर दिया।

नीतिश इस पारी को हमेशा याद रखेंगेः वाशिंगटन

मेलबर्न। वाशिंगटन सुंदर ने नीतिश रेड्डी की शतकीय पारी की प्रशंसा करते हुए कहा कि वह उन्हें मानसिकरूप से मजबूत व्यक्ति के तौर पर जानते है जिनके जीवन का फलसफा अपना 120 प्रतिशत देना है, फिर चाहे वह मैदान पर हो या मैदान के बाहर। वाशिंगटन ने रेड्डी के शतक की तारीफ करते हुए कहा, एक अविश्वसनीय शतक। मेरा मतलब है कि इस शतक के बारे में बहुत लंबे समय तक बात की जाएगी और इसे याद रखा जाएगा। बॉक्सिंग डे शतक, मुझे लगता है कि वह इसे हमेशा याद रखेंगे। रेड्डी के नाबाद 105 रन और वाशिंगटन (50) के साथ आठवें विकेट के लिए उनकी 127 रन की साझेदारी से भारत एमसीजी में आस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टेस्ट के तीसरे दिन नौ विकेट पर 358 रन के स्कोर पर पहुंच गया। वाशिंगटन ने दिन का खेल समाप्त होने के बाद कहा, एक बात तो पक्की है। वह मानसिक रूप से बहुत मजबूत है। मेरा मतलब है कि मैं उसे काफी वर्षों से जानता हूं। आज जिस तरह से उसने पारी खेली है, वह अद्भुत था। उसने सुनिश्चित किया कि वह खेल में उस चरण को पूरे जहां से वह लगता था कि वह कुछ बाउंड्री लगा सकता है। वह इस बात से अवगत था कि स्थिति हमारे लिए कब थोड़ी चुनौतीपूर्ण हो जाती है। वाशिंगटन ने सनराइजर्स हैदराबाद में रेड्डी को खेलते हुए देखा है और उनकी कार्यनीति से काफी प्रभावित हुए है।नीतिश के बारे में एक बात यह है कि चाहे वह मैदान पर हो या मैदान के बाहर, वह अपना 120 प्रतिशत देते है। यह जीवन के प्रति उनका दृष्टिकोण है, ऐसा नहीं है कि यह केवल क्रिकेट के प्रति है।

स्कोरबोर्ड

आस्ट्रेलिया : 474 रन,भारत पहली पारी : जायसवाल रन आउट 82, रोहित का बोलैंड बो कमिंस 3,राहुल बो कमिंस 24,कोहली का कैरी बो बोलैंड 36, दीप का लियोन बो बोलैंड 0,पंत का लियोन बो बोलैंड 28, जडेजा पगबाधा बो लियोन 17, रेड्डी नाबाद 105,सुंदर का स्मिथ बो लियोन 50, बुमराह का ख्वाजा बो कमिंस 0, सिराज नाबाद 2, **अतिरिक्त** : 11 रन, **योग** : 116 ओवर में नौ विकेट पर 358 रन, विकेट पतन :1-8, 2-51, 3-153, 4-154, 5-159, 6-191, 7-221, 8-348, 9-350, **गेंदबाजी** : स्टार्क 25-2-86-0, कमिंस 27-6-86-3,बोलैंड 27-7-57-3, लियोन 27-4-88-2, मार्श 7-1-28-0, हेड 3-0-11-0

रेड्डी को 25 लाख रुपए का नकद पुरस्कार देगा आंध्र क्रिकेट संघ

नई दिल्ली। आंध्र क्रिकेट संघ (एसीए) ने शनिवार को मेलबर्न में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टेस्ट मैच के तीसरे दिन अपने करियर का पहला शतक लगाकर भारत को वापसी दिलाने वाले युवा ऑलराउंडर नीतिश रेड्डी को 25 लाख रुपए पुरस्कार देने की घोषणा की।रेड्डी तीसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय 105 रन बनाकर खेल रहे थे। आंध्र क्रिकेट संघ के अध्यक्ष केसिनेनी शिवनाथ ने कहा, यह आंध्र क्रिकेट संघ के लिए भाग्यशाली दिन और खुशी का पल है। हमें बहुत खुशी है कि आंध्र के एक खिलाड़ी को टेस्ट क्रिकेट और टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए भारतीय टीम में चुना गया। आंध्र क्रिकेट संघ इस उपलब्धि के लिए नीतिश रेड्डी के सम्मान के तौर पर 25 लाख रुपए की पुरस्कार राशि देगा।

नीतिश : एक मध्यमवर्गीय परिवार के बलिदान की मिसाल

भाषा। मेलबर्न

नीतिश रेड्डी को 21 वर्ष के किसी भी अन्य युवा की तरह अपने टैटू बहुत पसंद हैं जो उन्हें उन तमाम कठिनाइयों की याद दिलाते हैं जो उनके परिवार ने उनके क्रिकेट खेलने के सपने को पूरा करने के लिए पिछले 10 वर्षों में सहन की हैं। रेड्डी के लिए क्रिकेटर बनना पसंद और मजबूरी दोनों थी। वह अपने माता–पिता के लिए कुछ करना चाहते थे, जिन्होंने अपने बेटे के भारत की तरफ से खेलने के सपने को पूरा करने के लिए काफी कड़ी मेहनत की। इस मध्यमवर्गीय परिवार ने रेड्डी को ऊंची उड़ान भरने की खुली छूट दी। इसके लिए उन्होंने अपनी आमदनी का बड़ा हिस्सा बेटे के सपने को पूरा करने पर लगाने का दाव खेला लेकिन अब उन्हें इसका कोई गिला नहीं है रेड्डी को इस साल जब भारतीय टीम में चुना गया था तो उन्होंने तब पीटीआई से कहा था, मैं उन लोगों की आंखों में अपने पिता के लिए सम्मान देखना चाहता हूं जिन्होंने मेरी प्रतिभा पर विश्वास करने के लिए उनका मजाक उड़ाया था। रेड्डी ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यहां चौथे टेस्ट मैच में अपने करियर का पहला शतक पूरा करने के बाद सालार शैली में इसका जश्न मनाया। यह उनका अपने पिता मुत्याला के प्रति सम्मान था जो भारतीय टीम के डग आउट के पीछे से अपने बेटे को यह बेहतरीन पारी खेलते हुए देख रहे थे। यह सफर सिर्फ रेड्डी का ही नहीं बल्कि उनके पिता के बलिदान और इस विश्वास का भी था कि उनका बेटा खास है। जब रेड्डी 12 साल के थे तब उनके पिता ने उनका सपना पूरा करने के लिए हिंदुस्तान जिंक से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति (वीआरएस) ले ली थी। उन्होंने उदयपुर छोड़ने का भी फैसला किया क्योंकि वह जानते थे कि इस शहर में उनके बेटे को क्रिकेटर के रूप में उत्कृष्टता हासिल करने में मदद करने के लिए सुविधाएं और कोचिंग नहीं थी। उन्होंने माइक्रो फाइनेंसिंग का अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए 20 लाख रुपए का निवेश किया। लेकिन उनके जिन दोस्तों ने उनसे ऋण लिया था उन्होंने उसे कभी वापस नहीं किया जिससे उन्हें काफी नुकसान उठाना पड़ा। रेड्डी ने उस समय कहा था, मैं 12 साल की उम्र में भी सब कुछ समझता था। यह एक वादा था जो मैंने खुद से किया था कि केवल एक चीज मेरे पिता की प्रतिष्ठा को बचा सकती है और वह है भारत की तरफ से खेलना। यह वह समय था जब वह साल में सिर्फ एक बल्ला खरीद पाते थे (उस समय एक अच्छे अनुभवी इंग्लिश विलो की कीमत लगभग 15,000 थी। अब अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के लिए यह 50 हजार के करीब है)। उनके पिता मुत्याला पर भावनाओं का ज्वार हावी था। मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, मैं आपको बता नहीं सकता कि मैं कितना खुश हूं। विराट (कोहली) सर ने उसे कड़ी मेहनत करने के लिए कहा है। रेड्डी को कुछ साल पहले भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने सर्वश्रेष्ठ अंडर–16 क्रिकेटर चुना था और उन्होंने बेंगलुरु में वार्षिक पुरस्कार समारोह में भाग लिया था। उस समारोह में पूरी भारतीय टीम मौजूद थी और तब यह 14 वर्षीय खिलाड़ी कोहली और उनकी पत्नी अनुष्का के साथ सेल्फी लेने के लिए बेताब था, जो होटल के लिफ्ट के पास इंतजार कर रहे थे।

नीतिश ने हर तरह के शॉट लगाए : बोलैंड

मेलबर्न। स्कॉट बोलैंड की गेंद पर जब नीतिश रेड्डी स्ट्रेट ड्राइव लगाकर पहले टेस्ट शतक तक पहुंचे तो इस ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज को भारत के युवा बल्लेबाज की काबिलियत का अंदाजा हो गया। रेड्डी ने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक नाबाद 105 रन बना लिए जिससे भारत का पहली पारी में स्टंप तक स्कोर नौ विकेट पर 358 रन हो गया। इससे टीम के पास चौथा टेस्ट बचाने का मौका बन गया है। बोलैंड ने दिन का खेल खत्म होने के बाद पीटीआई के सवाल के जवाब में कहा, हां, निश्चित रूप से, वह वास्तव में अच्छा खेल रहा है। मध्यक्रम में निचले क्रम में खेलते हुए वह हम पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है। और वह अच्छा खेल रहा है। उन्होंने कहा, वह वास्तव में अच्छा खेला। वह भारत का युवा खिलाड़ी है, जो गेंद को सही में अच्छी तरह से हिट करता है। ऐसा लगता है कि उसके पास लगभग हर शॉट है।

विजय हजारे ट्रॉफीः अर्शदीप-प्रभसिमरन चमके

पंजाब ने मुंबई को आठ विकेट से हराया

अहमदाबाद। भारतीय तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के पांच विकेट और सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह की नाबाद 150 रन की पारी से पंजाब ने शनिवार को यहां विजय हजारे ट्रॉफी ग्रुप सी मैच में मुंबई को आठ विकेट से शिकस्त दी। प्रभसिमरन ने महज 101 गेंद में 150 रन बनाए जिसमें 14 चौके और 10 छक्के जड़े। उन्होंने अभिषेक शर्मा (66 रन, चार चौके, पांच छक्के) के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 21.5 ओवर में 150 रन की भागीदारी निभाई जिससे पंजाब ने 249 रन का लक्ष्य महज 29 ओवर में हासिल कर लिया। इससे पहले मुंबई की टीम अर्शदीप (38 रन देकर पांच विकेट) के सामने जूझती नजर आई जिससे टीम 48.5 ओवर में 248 रन पर सिमट गई। एक समय मुंबई की टीम 28 रन पर पांच विकेट गंवाकर जूझ रही थी जिसके बाद यह स्कोर सात विकेट पर 112 रन हो गया। लेकिन अंत में अर्थव अंकोलेकर (66 रन) और शार्दुल ठाकुर (43 रन) की मदद से मुंबई सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचने में कामयाब रहा। यह ग्रुप में मुंबई की दूसरी हार है, इससे पहले उसे पिछले हफ्ते टूर्नामेंट के बड़े स्कोर वाले शुरूआती मैच में कर्नाटक से पराजय झेलनी पड़ी थी। वहीं कर्नाटक ने कप्तान मयंक अग्रवाल के दूसरे मैच में दूसरे शतक की बदौलत अरूणाचल प्रदेश पर 10 विकेट की जीत से ग्रुप सी में अपना शीर्ष स्थान पक्का कर दिया। तेज गेंदबाज वासुकी कौशिक और बाएं हाथ के स्पिनर हार्दिक राज ने चार चार विकेट झटके जिससे कर्नाटक ने अरूणाचल प्रदेश को 166 रन पर समेट दिया।

पंत ने बेवकूफाना शॉट खेलकर टीम को निराश किया, रेड्डी की पारी महानतम : गावस्कर

मेलबर्न। महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने बेवकूफाना शॉट खेलने के लिए ऋषभ पंत को आड़े हाथों लिया लेकिन युवा नीतिश कुमार रेड्डी की तारीफ करते हुए बॉक्सिंग डे टेस्ट के तीसरे दिन उनकी पारी को महानतम टेस्ट पारियों में से एक बताया। आस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टेस्ट में भारतीय टीम को उस समय साझेदारी की सख्त जरूरत थी लेकिन पंत ने स्कॉट बोलैंड को फाइन लेग पर स्कूप शॉट खेलने के प्रयास में डीप थर्डमैन में नाथन लियोन को कैच थमा दिया। गावस्कर ने कहा , बेवकूफाना , निहायत ही बेवकूफाना। वहां दो फील्डर खड़े हैं लेकिन उसके बावजूद यह शॉट खेला। पिछले शॉट पर चूकने के बावजूद और डीप थर्ड मैन पर कैच दे दिया। यह तो अपना विकेट गंवाना है। उन्होंने कहा , और वह भी तब जब टीम इन हालात में है। हालात को भी समझना चाहिए था। आप यह नहीं कह सकते कि यह आपका स्वाभाविक खेल है। यह आपका स्वाभाविक खेल नहीं है। यह बेवकूफाना शॉट था। आपने टीम को निराश किया है। उसे ड्रेसिंग रूम में नहीं जाना चाहिए। उसे दूसरे ड्रेसिंग रूम में जाना चाहिए। भारत के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने इसे जोखिमभरा शॉट बताया। गावस्कर ने 21 वर्ष के रेड्डी की पारी की तारीफ करते हुए कहा , नीतिश कुमार रेड्डी का यह शतक भारतीय क्रिकेट के इतिहास में महानतम शतकों में से एक है।

वैष्णवी ने पहला आईटीएफ एकल खिताब जीता

अहमदाबाद। वैष्णवी अडकर ने शनिवार को यहां डब्ल्यू15 महिला टेनिस चैंपियनशिप के फाइनल में डेनमार्क की एलेना जमशीदी को सीधे सेटों में 6-2, 6-1 से हराकर अपना पहला आईटीएफ एकल खिताब जीता। पुणे के 20 वर्षीय खिलाड़ी ने एक घंटे से भी कम समय में जीत हासिल की। यह वैष्णवी के करियर की महत्वपूर्ण जीत है, जिससे वह ऋतुजा भोसले की खिताबी जीत के बाद पिछले तीन वर्षों में पेशेवर महिला एकल खिताब जीतने वाली पुणे की पहली खिलाड़ी बन गई है। वैष्णवी ने क्वार्टर फाइनल में माया राजेश्वरन और सेमीफाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त जील देसाई को हराया था।

श्रेयंका आईसीसी महिला इमर्जिंग क्रिकेटर ऑफ द ईयर के लिए नामित

दुबई। युवा स्पिनर श्रेयंका पाटिल को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करने के लिए आईसीसी महिला इमर्जिंग क्रिकेटर ऑफ द ईयर पुरस्कार के लिए नामित किया गया है।नामांकितों की सूची में श्रेयंका के साथ दक्षिण अफ्रीका की एनेरी डर्कसेन, स्कॉटलैंड की सास्किया हॉर्ले और आयरलैंड की फ्रेया सार्जेंट भी शामिल है। कर्नाटक की 22 वर्षीय ऑफ स्पिनर ने दिसंबर 2023 में महिला कैरेबियाई प्रीमियर लीग में खेलने वाली पहली भारतीय बनकर इतिहास रचा और तब से सभी प्रारूपों में प्रभावित किया है। दिसंबर 2023 में पदार्पण करने के बाद से उन्होंने 13 टी20 मैच खेलकर 15 विकेट लिए है। दो वनडे मैच में उन्होंने चार विकेट लिए है। इस साल श्रेयंका की भारतीय टीम में लगातार मौजूद रही है।

कथूनिया ने खेल रत्न के लिए अनदेखी करने पर पैनल पर सवाल उठाए

नई दिल्ली। पैरालिंपिक में दो बार के रजत पदकविजेता योगेश कथूनिया ने शनिवार को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने लगातार प्रदर्शन के बावजूद प्रतिष्ठित खेल रत्न पुरस्कार के लिए नामांकित नही किए जाने पर निराशा व्यक्त की। कथूनिया ने पुरस्कार चयन प्रक्रिया मे पक्षपात और पारदर्शिता की कमी पर हताशा जाहिर की। उन्होने पीटीआई वीडियो को कहा, मुझे नही पता कि उन्होंने क्या मानदंड निर्धारित किए है। मैंने फॉर्म भी भरा है। ऐसा नही है कि मैंने फॉर्म नही भरा। मैंने सब कुछ किया, लेकिन सबसे ज्यादा कुल अंकप्राप्त करने के बाद भी मुझे इस बार भी नामांकित नही किया गया। अगर आप 2016-2020 को देखें तो तब कोई पक्षपात नही होता था। मुझे अच्छी तरह याद है, पिछली बार मैंने अर्जुन पुरस्कार के लिए फॉर्म भी नही भरा था, फिर भी मुझे नामांकित किया गया। एक नीति थी कि अगर आप पैरालिंपिक या ओलंपिक में खेलते है और पदक जीतते है तो आपके नाम पर सीधे विचार किया जाएगा। आप इस बार ऐसा क्यों नही कर सकते?

लक्ष्य किंग कप इंटरनेशनल के सेमीफाइनल में हारे

शेनजेन (चीन)। भारत के लक्ष्य सेन शनिवार को यहां शुरूआती किंग कप इंटरनेशनल बैडमिंटन ओपन के पुरुष एकल सेमीफाइनल में मौजूदा विश्व जूनियर चैम्पियन चीन के हु जेहान से सीधे गेम में हारकर बाहर हो गए। अल्मोड़ा के 23 साल के खिलाड़ी को रोमांचक मुकाबले में हु से 19-21 19-21 से पराजय झेलनी पड़ी। तीन दिवसीय टूर्नामेंट में लक्ष्य ने इससे पहले क्वार्टरफाइनल में हांगकांग के एंगस एनजी का लोग को हराया था। लक्ष्य ने इस महीने सैयद मोदी इंटरनेशनल सुपर 300 खिताब जीता था।

ग्रीन हाउस को ओवरऑल चैंपियनशिप

लखनऊ। बप्पा श्री नारायण वोकेशनल इण्टर कालेज में 64वीं वार्षिक एथलेटिकस प्रतियोगिता में ओवरऑल चैंपियन शिप ग्रीन हाउस ने जीता। समापन व पुरस्कार वितरण प्रधानाचार्य अनुराग दीक्षित ने किया। वार्षिक खेलकूद के अंतर्गत आज बच्चों में रस्साकसी, म्यूजिक चेयर वही अध्यापक, लिपिक वर्ग ए चतुर्थ श्रेणी के मध्य में म्यूजिकल चेयर व दौड़ के कार्यक्रम कराए गए। वार्षिक खेलकूद का कार्यक्रम चार हाउस के मध्य आयोजित किए गए जिसमें ग्रीन हाउस के सभी डिविजन ने व्यक्तिगत चैम्पियनशिप के साथ ऑल ओवर चैंपियनशिप जीतकर अपने हाउस टीचर आलोक भारद्वाज अर्चना देवी, विनोद कुमार जी का नाम गौरांवित किया। व्यक्तिगत चैंपियनशिप परिणाम निम्न प्रकार है–ए डिविजन सुधांशु 14 अंक ग्रीन हाउस,बी डिविजन सूरज तिवारी 19 अंक ग्रीन हाउस, सी डिविजन असलान अहमद 21 अंक , ग्रीन हाउस डी डिविजन समर भारती 12 अंक ग्रीन हाउस, ओवर ऑल चैंपियन शिप ग्रीन हाउस 103 अंक।

प्रथम श्रीमती प्रतिमा सिंह मेमोरियल क्रिकेट आज

लखनऊ। लखनऊ और बाराबंकी के क्रिकेटरों को एक मंच प्रदान करने के लिए प्रथम श्रीमती प्रतिमा सिंह मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन 29 दिसंबर से किया जाएगा।इस टूर्नामेंट में लखनऊ और बाराबंकी की 15 प्रतिष्ठित टीमें भाग लेंगी और इसका फाइनल मैच 2 फरवरी 2025 को खेला जाएगा। टूर्नामेंट के मैच शहर के विभिन्न मैदानों जैसे एसजीपीजीआइ, करियर, पार्थ और सीएसडी सहारा गोमतीनगर में खेले जाएंगे। टूर्नामेंट मैनेजर अविशा स्पोर्टिंग ने बताया कि इस टूर्नामेंट में भाग लेने वाली टीमों का चयन एक पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से किया गया है। टूर्नामेंट के विजेता एवं उपविजेता टीम को आकर्षक पुरस्कारो से सम्मानित किया जाएगा। टूर्नामेंट का उद्घाटन 29 को मुख्य अतिथि सुनील दत्त त्रिपाठी के कर कमलों द्वारा क्रिएटर्स क्रिकेट ग्राउंड पर किया जाएगा।

विश्व रैपिड और ब्लिट्ज शतरंज में अर्जुन एरिगेसी को संयुक्त बढ़त

न्यूयॉर्क। भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगेसी ने विश्व रैपिड और ब्लिटज शतरंज चैम्पियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन अन्य खिलाड़ियों के साथ संयुक्त बढ़त बना ली है। रूस के वोलोदार मुर्जिन और अलेक्जेंडर ग्रिसचुक और पोलैंड के डुडा जान क्रिस्टोफ दूसरे दिन और नौवे दौर के बाद सात अंक लेकर अर्जुन के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। तेरह मुकाबलों के बाद सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का निर्धारण होगा। दूसरे दिन पांच बार के विश्व चैम्पियन मैग्नस कार्लसन पर फिडे के ड्रेस कोड का उल्लंघन करके जींस पहनकर आने के बाद पहले जुर्माना लगाया गया और बाद में उन्हें बाहर कर दिया गया। गत चैम्पियन कार्लसन पर जींस पहनने के कारण 200 डॉलर का जुर्माना लगाया गया। टूर्नामेंट के नियमों के अनुसार जींस पहनना मना है। उन्होंने तुरंत कपड़े बदलकर आने का अनुरोध मानने से इनकार कर दिया तो उन्हें अयोग्य करार दिया गया। उन्होंने अगले दिन ड्रेस कोड का पालन करने पर रजामंदी जताई लेकिन कहा कि वह तुरंत नहीं बदलेंगे। कार्लसन के बाहर होने के बाद अर्जुन के जीतने की संभावनाएं प्रबल हो गई हैं।दसवें दौर में अर्जुन का सामना ग्रिसचुक से होगा। महिला वर्ग में कोनेरू हम्पी ने पहले दौर की हार को भुलाते हुए लगातार चार मुकाबले जहीते। वह डी हरिका और चीन की वेंजुन जू के साथ 6 . 5 अंक लेकर शीर्ष पर है।

मैग्नस कार्लसन ड्रेस कोड का उल्लंघन करने पर विश्व रैपिड और ब्लिट्ज शतरंज से बाहर

न्यूयॉर्क। पांच बार के विश्व चैम्पियन मैग्नस कार्लसन पर फिडे के ड्रेस कोड का उल्लंघन करके जीस पहनकर आने के बाद पहले जुर्माना लगाया गया और बाद में उन्हें विश्व रैपिड और ब्लिट्ज शतरंज से बाहर कर दिया गया। गत चैम्पियन कार्लसन पर जीस पहनने के कारण 200 डॉलर का जुर्माना लगाया गया। टूर्नामेंट के नियमों के अनुसार जीस पहनना मना है। उन्होंने तुरंत कपड़े बदलकर आने का अनुरोध मानने से इनकार कर दिया तो उन्हे अयोग्य करार दिया गया। टूर्नामेंट में रैपिड चैम्पियनशिप के नौवे दौर में उन्हें किसी के खिलाफ उतारा नही गया। फिडे ने एक बयान में कहा कि ड्रेस कोड के नियम खिलाड़ियों को भली भांति बता दिए गए थे। महानतम शतरंज खिलाड़ियों में शुमार कार्लसन ने अगले दिन ड्रेस कोड का पालन करने पर रजामंदी जताई लेकिन कहा कि वह तुरंत नही बदलेगे। पिछले दो बार के चैम्पियन कार्लसन ने इस घटनाक्रम पर कहा , मै ऐसी किसी जगह पर रहना चाहूंगा जहां मौसम बेहतर हो। ड्रेस कोड के नियम फिडे खिलाड़ियों के आयोग के सदस्यों ने बनाए है जिसमे पेशेवर खिलाड़ी और विशेषज्ञ है। ए नियम बरसों से हैं और सभी प्रतिभागियो को इसके बारे में भली भांति पता है। हर टूर्नामेंट से पहले उन्हे इसकी जानकारी दी जाती है। फिडे यह सुनिश्चित करता है कि खिलाड़ियों के रहने का स्थान आयोजन स्थल के बहुत पांस हो ताकि उन्हें नियमों का पालन करने में सुविधा हो।

क्विक न्यूज

मैं पहले दो ओवर में छह सात बार कोंस्टास का विकेट ले सकता था : बुमराह

मेलबर्न। आस्ट्रेलिया के 19 वर्ष के नए बल्लेबाज सैम कोंस्टास ने भले ही उनके स्पैल में दो छक्के लगाए लेकिन भारत के चैम्पियन तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने शनिवार को कहा कि उन्हें कभी लगा नहीं कि वह विकेट से दूर हैं। बुमराह ने कहइा कि चौथे टेस्ट के पहले दिन कोंस्टास से रोचक मुकाबला रहा। उन्होंने कहा कि वह पहले दो ओवर में छह सात बार उसे आउट कर सकते थे। कोंस्टास ने 65 गेंद में 62 रन बनाए और बुमराह को दो छक्के भी जड़े। टेस्ट क्रिकेट में तीन साल में पहली बार किसी बल्लेबाज ने बुमराह की गेंद पर छक्का लगाया। बुमराह ने चैनल 7 से कहा , मैं चीजों को उस तरह से नहीं देखता। मैं अच्छी गेंदबाजी कर रहा हूं और नतीजे मेरे पक्ष में है लेकिन अलग अलग जगहों पर मैने बेहतर गेंदबाजी की है। क्रिकेट में यही होता है कि कई बार आपको विकेट मिलते हैं लेकिन कई बार अच्छी गेंदबाजी करने पर भी विकेट नहीं मिलते। सब कुछ बराबर चलता है। मैने 12 साल से अधिक टी20 क्रिकेट खेला है और इसका अच्छा खासा अनुभव है। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में इस साल अब तक 24 विकेट ले चुके बुमराह ने कहा , रोचक बल्लेबाज (कोंस्टास)। मुझे लगा नहीं कि मैं विकेट से दूर हूं। शुरू में मुझे लगा कि पहले दो ओवर में छह सात बार उसे आउट कर सकता हूं लेकिन क्रिकेट में ऐसा ही होता है।कई बार विकेट मिल जाती है और जब नहीं मिलती तो आप उसी व्यक्ति की आलोचना करते हैं। उन्होंने कहा , मुझे नई चुनौतियों का सामना करना पसंद है। आस्ट्रेलिया में वनडे क्रिकेट में पदार्पण करने वाले बुमराह ने कहा कि यहां उन्होंने हमेशा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है।आस्ट्रेलिया में हमेशा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करता रहा हूं। मैने पहली बार 2018 में यहां टेस्ट खेला था और 2016 में वनडे में पदार्पण किया।

न्यूजीलैंड ने पहले टी-20 में श्रीलका को हराया

माउंट मोनगानुई (न्यूजीलैंड)। डेरिल मिचेल और माइकल ब्रेसवेल के अर्धशतकों के अलावा दोनों के बीच छठे विकेट के लिए 105 रन की भागीदारी से न्यूजीलैंड ने शनिवार को यहां तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच की श्रृंखला के पहले मुकाबले में श्रीलंका पर आठ रन से जीत दर्ज की। अंतिम ओवरों में की गई शानदार गेंदबाजी ने भी मैच का नतीजा न्यूजीलैंड के पक्ष में मोड़ने में मदद की। न्यूजीलैंड के आठ विकेट पर 172 रन के स्कोर का पीछा करते हुए श्रीलंका का स्कोर बिना विकेट गंवाए 121 रन से आठ विकेट पर 164 रन हो गया। मिचेल ने 62 और ब्रेसवेल ने 59 रन की अर्धशतकीय पारियां खेलीं। दोनों ने केवल 60 गेंद में शतकीय साझेदारी बनाई। दोनों पांच विकेट पर 65 रन के स्कोर पर खेलने उतरे जब वानिंदु हसारंगा ने ग्लेन फिलिप्स और मिचेल हे को 10वें ओवर में लगातार गेंदों पर आउट किया। दोनों ने टीम को 20 ओवर में आठ विकेट पर 172 रन तक पहुंचाया। पाथुम निसांका के 60 गेंद में 90 रन बनाने और कुसल मेंडिस (46 रन) के साथ पहले विकेट के लिए 121 रन की साझेदारी के बाद न्यूजीलैंड का लक्ष्य नाकाफी लग रहा था और श्रीलंका आसान जीत की ओर बढ़ रहा था। मेंडिस 14वें ओवर में आउट हो गए जिसमें जैकब डफी ने एक रन देकर तीन विकेट झटके। कामिंडु मेंडिस और कुसल परेरा भी इसी ओवर में आउट हो गए।निसांका 19वें ओवर में आउट हुए तब स्कोर पांच विकेट पर 153 रन था। श्रीलंका को जीत के लिए बस 20 रन की जरूरत थी।

मैच के बाद कोहली और कोंस्टास की मुस्कुराती हुई तस्वीर देखकर हैरानी नहीं होगी : स्टुअर्ट क्लार्क

मेलबर्न। आस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट क्लार्क का मानना है कि सैम कोंस्टास भी विराट कोहली की तरह प्रतिस्पर्धी क्रिकेटर हैं और बाक्सिंग डे टेस्ट के बाद दोनों कंधे के टकराने वाले मामले को हंसी में उड़ाकर तस्वीर साझा करें तो कोई हैरानी नहीं होगी। मेलबर्न में चौथे टेस्ट के दौरान कोहली जान बूझकर कोंस्टास से टकरा गए थे जिससे उन्हें मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना भरना पड़ा और आस्ट्रेलियाई प्रशंसकों की हूटिंग का भी शिकार होना पड़ा। आस्ट्रेलिया के लिए 28 टेस्ट खेल चुके क्लार्क ने कहा कि दो बेहद प्रतिस्पर्धी खिलाड़ियों की आपस में अच्छी छनती है। उन्होंने पीटीआई से कहा , कोंस्टास भी प्रतिस्पर्धी है। वह अच्छा खेलना चाहता है। उस नजरिए से यह मामला (कंधे का टकराना) अतीत की बात हो जाएगा और मुझे हैरानी नहीं होगी अगर कोहली उसे अपनी छत्रछाया में ले। क्लार्क ने कहा , मैच के बाद दोनों इस पर हंसते हुए अपनी मुस्कुराती हुई तस्वीर साझा कर सकते हैं। वह पीछे की ओर कदम नहीं उठाएगा और न ही कोहली। कोई भी पीछे नहीं देखना चाहता। यह बस एक अच्छी घटना नहीं थी। सिडनी में कोंस्टास को बचपन से देखते आए क्लार्क ने कहा , वह आक्रामक खिलाड़ी है और वह पारी शानदार थी।

एशियाई सफलता के बाद भारतीय युवा भारोत्तोलकों की नजरें राष्ट्रमंडल खेल 2026 क्वालीफिकेशन पर

नई दिल्ली। दोहा में एशियाई युवा और जूनियर भारोत्तोलन चैम्पियनशिप में शानदार प्रदर्शन के बाद भारत के पदक विजेता युवाओं की नजरें नए साल में नई ऊंचाइयों को छूने पर लगी है। भारत ने 19 से 25 दिसंबर तक हुए टूर्नामेंट में 33 पदक जीते। अब खिलाड़ियों का लक्ष्य ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेल 2026 के लिए क्वालीफाई करना है। राष्ट्रीय भारोत्तोलन कोच और ओलंपियन मीराबाई चानू के मेंटोर विजय शर्मा ने कहा कि दोहा के प्रदर्शन से भविष्य उज्जवल रहने के संकेत मिले हैं। दोहा में पदक जीतने वाले भारत के 24 खिलाड़ियों में से 22 खेलो इंडिया से निकले थे। पूरे दल ने भारतीय खेल प्राधिकरण के पटियाला, इम्फाल और औरंगाबाद स्थित राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्रों में अभ्यास किया। भावी योजना के बारे में महिला जूनियर प्लस 87 वर्ग में रजत पदक जीतने वाली मेइबाम मार्टिना देवी ने कहा , 2025 में राष्ट्रमंडल खेल 2026 के ट्रायल शुरू होंगे।

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा द इंडियन एक्सप्रेस प्रा.लि. सी–26 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ (फोनः 0522–4036600) से प्रकाशित। प्रधान सम्पादकः शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादकः विजय प्रकाश सिंह।
पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।